Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 10

देश

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, आर्द्रा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • गुरूवार • 29 मई 2025 • वर्ष 27 • अंक 167 • पृष्ठ 12

वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच मारी बाजी, बने नंबर 01

नड्डा टटोलेंगे संगठन की नब्ज! 31 मई को आएंगे जयपुर, कुछ यूं रहेगा कार्यक्रम

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
	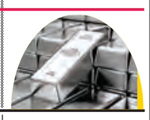
₹ 97,480	₹ 1,00,000

आज का इतिहास

1965 : भारतीय एवरेस्ट टीम ने चौथी बार एवरेस्ट पर चढ़कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। यह पहला मौका था जब अभियान की कोई भी टीम दुनिया में चौथी बार सबसे ज्यादा ऊंचाई पर पहुंची। इस अभियान ने दुनिया भर में बहुत प्रशंसा अर्जित की।

1733 : क्यूबेक सिटी में भारतीय दासों को रखने के लिए कनाडाई का अधिकार बरकरार रखा गया।

न्यूज बाइट्स

नीतीश सरकार ने इस विभाग में 11 अफसरों को दिया प्रमोशन

पटना (नि.सं.)। स्वास्थ्य व औषधि से अलग होकर अक्टूबर 2011 में बने खाद्य संरक्षा विभाग में कार्यरत अधिकारियों को आखिर प्रोन्नति मिल ही गई। प्रदेश के 38 जिलों में तैनात 11 खाद्य संरक्षा अधिकारियों (एफएसओ) को अब सहायक अभिहित पदाधिकारी (असिस्टेंट डेजिग्नेटेड अफसर) का वेतनमान देय होगा। स्वास्थ्य विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें कहा गया है कि 13 मई 2025 से ही उन्हें आर्थिक लाभ देय होंगे। हालांकि, उन्हें पूर्व की भांति अपने से नीचे यानी खाद्य संरक्षा अधिकारी और अपने से ऊपर यानी अभिहित पदाधिकारी (डेजिग्नेटेड अफसर) के कार्यों का निर्वहन करते रहना होगा। धिकारियों को उनके वर्तमान कार्यस्थल पर ही सहायक अभिहित अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करना होगा। देर से मिली इस प्रोन्नति पर भी अधिकारी खुश हैं कि अब वेतनमान में वृद्धि से सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन राशि कुछ बढ़ जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार को विकास की अनेक सौगातें देंगे : श्रवण

पटना (नि.सं.)। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री और जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता श्रवण कुमार ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भी बिहार आते हैं, विकास की एक नई सौगात लेकर आते हैं। जदयू के प्रदेश कार्यालय में बुधवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद श्री कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी-मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ राज्य के विकास को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना का लिया गया ऐतिहासिक निर्णय सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों को वास्तविक लाभ मिलेगा।

पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की मीटिंग, एमएसपी एवं हाईवे, रेलवे से जुड़ी 2.29 लाख करोड़ की योजनाओं पर मुहर

धान समेत 14 फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी

- किसानों को मिलेगी अब फसलों की ज्यादा कीमत
- किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन

» धान की फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में 69 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा किया गया है। इसके साथ ही अब किसानों को धान की फसल पर प्रति क्विंटल कम से कम 2,369 रुपये मिलेगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य वह दर होती है, जिससे कम पर किसी फसल की खरीद नहीं की जा सकती।

एजेंसी | नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी सरकार की कैबिनेट मीटिंग में बुधवार को 5 अहम फैसले लिए गए। इनमें सबसे बड़ा फैसला यह है कि धान की फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में 69 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा किया गया है। इसके साथ ही अब किसानों को धान की फसल पर प्रति क्विंटल कम से कम 2,369 रुपये मिलेगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य वह दर होती है, जिससे कम पर किसी फसल की खरीद नहीं की जा सकती। दूसरा फैसला दालों की एमएसपी में बड़े इजाफे के तौर पर हुआ है। अब तूर दाल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़ा दिया गया है। इस तरह एक क्विंटल तूर दाल पर किसान को कम से कम 8000 रुपये मिलेंगे।

इसके साथ ही उड़द की दाल का एमएसपी भी 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये किया गया है। मूंग दाल की एमएसपी 86 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 8,768 की गई है। खरीफ फसलों के लिए यह बड़ी बढ़ोतरी किसानों के लिए राहत है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विणी वैष्णव ने फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि बीते 11 सालों में मोदी सरकार ने तिलहन, दलहन और कपास की एमएसपी में करीब 50 फीसदी तक का इजाफा किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों की आय को दोगुना करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। किसानों के लिए एक फैसला और हुआ है। किसानों को क्रेडिट कार्ड पर 4 फीसदी की ब्याज दर पर लोन मिलेगा। गौरतलब है कि मोदी सरकार से लगातार किसानों की मांग रही है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी तय की जाए और इसके लिए कानून बनना चाहिए। सरकार ने इस पर कोई ठोस गारंटी नहीं दी है, लेकिन उसका कहना है कि एमएसपी में लगातार इजाफा किया जा रहा है।

बाडवेल-नेल्लोर कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी

सरकार ने आंध्र प्रदेश में 3653.10 करोड़ रुपये की लागत से 108.134 किलोमीटर लंबाई के चार लेन बाडवेल-नेल्लोर कॉरिडोर के निर्माण को आज मंजूरी दे दी। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बुधवार हुई बैठक में आंध्र प्रदेश में बाडवेल-नेल्लोर कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी। इस 108.134 किलोमीटर लंबाई के चार लेन के निर्माण में 3653.10 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि बडवेल नेल्लोर कॉरिडोर वाईएसआर कडप्पा जिले में मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-67 पर गोपावरम गांव से शुरू होता है और आंध्र प्रदेश के एसपीएसआर नेल्लोर जिले में एनएच-16 (चेन्नई-कोलकाता) पर कृष्णापटनम पोर्ट जंक्शन पर समाप्त होता है। यह कोरिडोर कृष्णापटनम पोर्ट को रणनीतिक संपर्क भी प्रदान करेगा जिसे चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक कॉरिडोर (सीबीआईसी) के तहत प्राथमिकता नोड के रूप में पहचाना गया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कॉरिडोर से कृष्णपट्टनम बंदरगाह तक की यात्रा की दूरी मौजूदा बाडवेल-नेल्लोर सड़क की तुलना में 142 किलोमीटर से 33.9 किलोमीटर कम होकर 108.13 किलोमीटर रह जाएगी।

संशोधित ब्याज छूट योजना को जारी रखने को मंजूरी

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुये कहा कि एमआईएसएस एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका उद्देश्य किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। कैबिनेट का फैसला किसानों की आय को दोगुना करने, ग्रामीण ऋण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और समय पर और सस्ती ऋण पहुंच के माध्यम से कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। मंत्री ने कहा कि मौजूदा ऋण लागत प्रवृत्तियों, औसत एमसीएलआर और रेपो दर को देखते हुए, ग्रामीण और सहकारी बैंकों का समर्थन करने और किसानों के लिए कम लागत वाले ऋण तक निरंतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए ब्याज छूट दर को 1.5 प्रतिशत पर बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत किसानों को केसीसी के माध्यम से सात प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर तीन लाख रुपये तक के अल्पकालिक ऋण प्राप्त हुए, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज छूट प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त समय पर ऋण चुकाने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में तीन प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र हैं, जिससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से चार प्रतिशत तक कम हो जाती है। पशुपालन या मत्स्य पालन के लिए लिये गए ऋणों पर ब्याज लाभ दो लाख रुपये तक लागू है। श्री वैष्णव ने कहा कि देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं। इस समर्थन को जारी रखना कृषि के लिए संस्थागत ऋण के प्रवाह को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है, जो उत्पादकता बढ़ाने और छोटे और सीमांत किसानों के लिए वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। केसीसी के माध्यम से संस्थागत ऋण वितरण 2014 में 4.26 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2019 में 1.25 लाख करोड़ रुपये और दिसंबर 2024 तक 10.05 लाख करोड़ रुपये हो गया। कुल कृषि ऋण प्रवाह भी वित्त वर्ष 2013-14 में 7.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 25.49 लाख करोड़ रुपये हो गया। अगस्त 2023 में किसान ऋण पोर्टल (केआरपी) के शुभारंभ जैसे डिजिटल सुधारों ने दावा प्रसंस्करण में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ाया गया है।

आज और कल चार राज्यों के दौरे पर रहेंगे पीएम, बिहार को देंगे सबसे बड़ी सौगात

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज और कल देश के चार राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि प्रधानमंत्री आजो सबसे पहले 'सिक्किम@50:' जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को पोषित करती है कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह पश्चिम बंगाल जाएंगे। वहां कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद आज ही बिहार की राजधानी पटना पहुचेंगे और यहां कार्यक्रम के बाद राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। इसके बाद 30 मई को बिहार के रोहतास में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद वह यूपी के कानपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

सिक्किम और पश्चिम बंगाल दौरे के बाद पीएम मोदी शाम 5 बजे बिहार पहुंचेंगे। यहां वह 29 मई को शाम 5:45 बजे पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। ये टर्मिनल भवन करीब 1200 करोड़ रुपए की लागत से बना है। इसके अलावा, पीएम मोदी 1,410 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बन रहे बिहटा एयरपोर्ट के नए सिविल एन्क्लेव की आधारशिला भी रखेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री बीजेपी दफ्तर तक रोड शो करने के बाद राजभवन के लिए रवाना होंगे। जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे। बिहार के बाद पीएम मोदी उत्तर प्रदेश के कानपुर के दौरे पर रहेंगे, जहां वह कानपुर नगर में लगभग 20,900 करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इनमें कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन से कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन खंड का उद्घाटन भी शामिल हैं, जिसकी लागत 2,120 करोड़ रुपए आई है।

बिहार को मिलेगा 90 हजार करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 मई को सुबह करीब 11 बजे बिहार के काराकाट में 48,520 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वे यहां एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा, पीएम मोदी औरंगाबाद जिले में 29,930 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना, चरण-II (3×800 मेगावाट) की आधारशिला रखेंगे, जिसका उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री एनएच-119ए के पटना-आरा-सासाराम खंड को चार लेन का बनाने, वाराणसी-रांची-कोलकाता राजमार्ग (एनएच-319बी) और रामनगर-कच्ची दरगाह खंड (एनएच-119डी) को छह लेन का बनाने और बक्सर और भरौली के बीच एक नए गंगा पुल के निर्माण सहित विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। साथ ही, प्रधानमंत्री सोन नगर-मोहम्मद गंज के बीच 1330 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली तीसरी रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

आर्टिजन विकास समिति अब होगी निबंधित

निज संवाददाता | पटना

राज्य के पारंपरिक रंगरेज, धुनिया और दर्जी समुदायों के आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए समर्पित आर्टिजन विकास समितियों को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के तहत निबंधित कराया जाएगा। बुधवार को हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय ने उद्योग मंत्री सह दर्जी, रंगरेज एवं धुनिया आर्टिजन विकास समिति के अध्यक्ष नीतीश मिश्रा की अध्यक्षता में हुई आमसभा में यह निर्णय लिया। नीतीश मिश्रा ने कहा कि यह पहल केवल संस्थागत निबंधन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समावेशिता और कौशल विकास की दिशा में बिहार सरकार का ऐतिहासिक कदम है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती, महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहन और पारंपरिक कारीगरों को सम्मान देने की दिशा में यह पहल विकासात्मक साबित होगी। आमसभा में उद्योग निदेशक सह निदेशक, हस्तकरघा एवं रेशम सह सदस्य सचिव निखिल धनराज निप्पणीकर, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा आदि थे। सभा में उपस्थित सभी दर्जी, रंगरेज एवं धुनिया समुदाय के प्रतिनिधियों ने सरकार और उद्योग विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि यह निबंधन उन्हें न केवल पहचान देगा, बल्कि राज्य की योजनाओं का लाभ पाने और आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी खोलेगा।

30 मई को बिहार में दौरा करेंगे रेलमंत्री

निज संवाददाता | मुजफ्फरपुर

कर्पूरीग्राम में 30 मई को रेलमंत्री के संभावित आगमन को लेकर कर्पूरीग्राम स्टेशन पर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। बुधवार को सोनपुर के मंडल रेल प्रबंधक विवेक भूषण सूद अपनी पूरी टीम के साथ कर्पूरीग्राम स्टेशन का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआरएम ने स्टेशन पर लाइटिंग, साफ-सफाई और अनाउंसिंग सिस्टम सहित अन्य व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने को कहा। उन्होंने संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी तैयारियां सुचारू रूप से पूरी कर ली जाएं। जानकारी के अनुसार, इसी क्रम में रक्सौल-हावड़ा चलने वाली मिथिला एक्सप्रेस से दोपहर के समय लाइटिंग का कुछ आवश्यक सामान भी कर्पूरीग्राम स्टेशन के लिए भेजा गया है, ताकि रोशनी की व्यवस्था को और बेहतर किया जा सके। इस दौरान सीनियर डीसीएम रौशन कुमार के साथ परिचालन, इंजीनियरिंग विभाग के सभी पदाधिकारी व मुजफ्फरपुर की टीम उपस्थित थे। कर्पूरीग्राम में रेलमंत्री का संभावित कार्यक्रम है। वहीं मुजफ्फरपुर जंक्शन पर भी साफ-सफाई से लेकर अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम बुधवार को पूरी मुस्तैदी से जारी रहा।

बिहार में द्वितीय सोलर शो: ऊर्जा मंत्री ने सौर ऊर्जा को बताया भविष्य की ताकत

निज संवाददाता | पटना

इंडियन चैंबर ऑफ़ कॉमर्स बिहार के तत्वाधान में ऊर्जा विभाग के सहयोग से द्वितीय बिहार सोलर शो का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा शामिल हुए। इस अवसर पर इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स, बिहार के अध्यक्ष प्रभात कुमार सिन्हा बिहार रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी के निदेशक निलेश देवरे, स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ़ इंडिया की महाप्रबंधक अनुभा प्रसाद , बिहार विद्युत विनियामक आयोग के चेयरमैन सह पूर्व मुख्य सचिव आमिर सुभानी, इंडियन चैंबर ऑफ़ कॉमर्स बिहार अंतर्गत रिन्यूएबल एनर्जी कमेटी के चेयरमैन कमलेश कुमार सिंह मौजूद रहे। बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2015 में इंटरनेशनल सोलर अलायन्स का गठन किया गया था। जिसमें 120 से अधिक देशों की सहभागिता है। भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में ग्लोबल फुटप्रिंट स्थापित कर रहा है, जिसमें बिहार की अग्रणी भूमिका की अपार संभावना है। यह आयोजन बिहार की ऊर्जा क्षमता को रेखांकित करने और वैश्विक स्तर पर भारत के संकल्पों को मजबूती देने की दिशा में एक सशक्त पहल है। बिहार सोलर शो में निवेशकों, इंडस्ट्री लीडर्स और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों की उपस्थिति से बिहार अब सौर ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए तैयार है। उद्योग मंत्री ने कहा कि मैं इस प्रयास के लिए इंडियन चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स बिहार और बिहार सरकार के ऊर्जा विभाग को इस अनूठे प्रयास के लिए बधाई देता हूं। बिहार को स्वच्छ, हरित, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा उपलब्ध कराने की दिशा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।

देश में इंटर सर्विस ऑर्गनाइज़ेशन नियम लागू

एक अधिकारी तीनों सेनाओं के जवानों पर ले सकेगा एक्शन

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में तीनों सेनाओं के जवानों पर अब एक ही अधिकारी एक्शन ले सकेगा। 27 मई से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन नियम लागू कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी किया। नए कानून बनने से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन के तहत एक कमांडर-इन-चीफ/ऑफिसर-इन-कमांड की नियुक्ति होगी। यह कमांडर सैनिकों पर कंट्रोल करने, कार्रवाई करने में सक्षम होगा। फिर सैनिक किसी भी सेना से जुड़ा हो। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद बन गया था कानून इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन बिल दो साल पहले मानसून सत्र में संसद में पेश और पारित किया गया था। 15 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसे 10 मई 2024 से लागू किया गया। सरकार ने बुधवार को नए नियमों को भी आधिकारिक रूप से राजपत्र के

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

माध्यम से अधिसूचित (गजटेड) कर दिया गया है।

नए नियम के तहत अब कोई भी सेवा अधिकारी (जैसे थलसेना का अधिकारी) इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन में कार्यरत किसी भी अन्य सेवा (जैसे नौसेना या वायुसेना) के जवानों को कमांड दे सकेगा। पहले इस प्रकार के अधिकार केवल संबंधित सेवा के भीतर ही सीमित होते थे। इससे कई बार संचालन में बाधाएं आती थीं, जैसे कि नेवी अफसर, नौसेना के जवानों को ही आदेश दे सकता था। नए नियम के तहत इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन से जुड़े सभी जवान एक अधिकारी के तहत कंट्रोल हो सकेंगे। एक संबंधित अधिकारी को एडमिनिस्ट्रेटिव पावर दी जाएगी। वे किसी भी सेना (आर्मी, नेवी, एयरफोर्स) के जवानों से जुड़े फैसले ले सकता है। पुराना नियम स्पेसिफिक सर्विस के यूनीक वर्किंग एन्वायर्नमेंट को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। ऐसे में एडमिनिस्ट्रेटिव एक्शन के लिए जवान को उनके पेरेंट सर्विस यूनिट्स में वापस भेजने की जरूरत पड़ती थी। इसमें न केवल ज्यादा समय लगता था, बल्कि जवान की आवाजाही के कारण पैसा भी खर्च होता था। नया नियम एक यूनिट या एस्टैब्लिशमेंट के सैनिकों को एकजुट करने में मदद करता है। ऐसे में जब कहीं अनुशासनहीनता का कोई भी मामला सामने आता है, तो उसके बारे में जल्द फैसला लिया जा सकेगा।

खत्म होगा जमीन की खरीद बिक्री से जुड़ा 117 साल पहले बना रजिस्ट्रेशन कानून

निज संवाददाता | पटना

जमीन की खरीद बिक्री के लिए 117 साल पुराने रजिस्ट्रेशन कानून को अब केंद्र सरकार ने खत्म करने का निर्णय लिया है। इसकी जगह नया मसौदा तैयार किया है। बताया गया नया मसौदा संपत्ति के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य बनाने और दस्तावेजों के डिजिटल संरक्षण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार किया है। फिलहाल, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत भूमि संसाधन विभाग ने इस मसौदे को जनता की राय के लिए जारी किया गया है। बता दें कि वर्तमान रजिस्ट्रेशन अधिनियम देशभर में लागू है, लेकिन राज्य सरकारों को इसमें संशोधन करने का अधिकार है। इसके लिए हालांकि केंद्र से परामर्श जरूरी है। कई राज्यों ने पहले ही कानून में संशोधन कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अनुमति दी है। अब केंद्र ने एक व्यापक कानून लाने का निर्णय लिया है, जो पूरे देश में समान रूप से लागू हो सके। मसौदा विधेयक के तहत अब एग्रीमेंट टू सेल, पावर ऑफ अटॉर्नी, सेल सर्टिफिकेट और इक्विटेबल मॉर्गेज जैसे दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया जाएगा।

साथ ही, सरकार इलेक्ट्रॉनिक रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र और रिकॉर्ड के डिजिटल रख रखाव की भी अनुमति देने जा रही है। अब दस्तावेजों की ई-प्रस्तुति और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संभव होगी। नए मसौदे को लेकर भूमि संसाधन विभाग ने एक बयान में कहा कि हाल के वर्षों में तकनीक का बढ़ता उपयोग, बदलते सामाजिक-आर्थिक व्यवहार और पंजीकृत दस्तावेजों पर बढ़ती निर्भरता ने एक आधुनिक और भविष्य उन्मुख रजिस्ट्रेशन प्रणाली की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

इसके साथ ही सरकार ने आधार आधारित सत्यापन प्रणाली को भी प्रस्तावित किया है, जिसमें नागरिकों की सहमति आवश्यक होगी। जो लोग आधार नंबर साझा नहीं करना चाहते उनके लिए वैकल्पिक सत्यापन की व्यवस्था भी की जाएगी। यह कदम धोखाधड़ी और फर्जीवाड़ा कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

चेक बाउंस मामले में 11 लाख का जुर्माना

पटना (नि.सं.)। पटना सिविल कोर्ट में बुधवार को चेक बाउंस से जुड़े एक अहम मामले में अदालत ने एक दोषी को एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही उस पर 11 लाख रुपये का भारी जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (द्वितीय) आफताब आलम की अदालत से आया, जिन्होंने मामले की गहन सुनवाई के बाद यह सजा सुनाई। मामले में पटना के पश्चिमी लोहानीपुर स्थित सरस्वती लेन निवासी दीपक नारायण वर्मा को निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट की धारा 138 के तहत दोषी करार दिया गया। इस धारा के तहत चेक बाउंस को दंडनीय अपराध माना गया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि दोषी व्यक्ति को एक वर्ष का सश्रम कारावास भुगतना होगा, साथ ही 11 लाख रुपये की जुर्माने की राशि तत्काल अदा करनी होगी। यदि वह जुर्माने की राशि नहीं चुका पाता है तो उसे अतिरिक्त तीन महीने की जेल की सजा भुगतनी होगी।

एलआईसी ने मचाया धमाल

2024-25 में कमाया रिकॉर्ड मुनाफा, पॉलिसीधारकों को मिला बोनस

- एक दिन में 588107 पॉलिसियों बेचकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

एजेंसी | मुंबई (महाराष्ट्र)

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर साबित कर दिया है कि देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी अब भी पूरे दमखम के साथ बाजार में बनी हुई है। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 48,151 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18.38% अधिक है। एलआईसी ने इस साल अपने पॉलिसीधारकों को 56,190.24 करोड़ का बोनस दिया है, जो कि बीमा क्षेत्र में अब तक का एक बड़ा आँकड़ा माना जा रहा है। इसके साथ ही निदेशक मंडल ने प्रत्येक शेयर पर 12 का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है। नव व्यवसाय प्रीमियम 62,495 करोड़ रहा, जिसमें 8.28% की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, गैर-पारंपरिक (नॉन-पार) बीमा उत्पादों में भी 50.28% की वृद्धि हुई और इनसे 10,581 करोड़ की आमदनी हुई। यह एलआईसी की रणनीति की सफलता को दर्शाता है कि वह कैसे पारंपरिक बीमा से हटकर विविध प्रोडक्ट पोर्टफोलियो पर ध्यान दे रही है। कंपनी का नया व्यवसाय मूल्य (वीएनबी) 4.47% की बढ़ोतरी के साथ 10,011 करोड़ तक पहुंचा, वहीं वीएनबी मार्जिन 17.6% हो गया जो पिछले वर्ष 16.8% था। यह निवेशकों के लिए खासतौर पर सकारात्मक संकेत है।

सॉल्वेंसी अनुपात 1.98 से बढ़कर 2.11 हो गया, जो कंपनी की वित्तीय स्थिरता को दिखाता है। एलआईसी की कुल परिसंपत्तियाँ (एयूएम) 6.45% बढ़कर 54.52 लाख करोड़ तक पहुँच गईं। वहीं आईईवी 6.81% बढ़कर 7.76 लाख करोड़ रहा। 20 जनवरी 2025 को एलआईसी ने एक दिन में 5,88,107 पॉलिसियाँ बेचकर "24 घंटे में सर्वाधिक जीवन बीमा पॉलिसियाँ बेचने" का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। वहीं, प्रधानमंत्री द्वारा 9 दिसंबर 2024 को शुरू की गई 'बीमा सखी' योजना के तहत अब तक 1,48,888 सखियों को नियुक्त किया गया है, जिन्होंने मिलकर 604.57 करोड़ का नया व्यवसाय प्रीमियम अर्जित किया।

बिहार में सड़क-पुल की 367.94 करोड़ की योजना का डीपीआर स्वीकृत : सम्राट चौधरी

निज संवाददाता | पटना

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज बताया कि केंद्र सरकार ने चम्पारण, बांका, पटना सहित बिहार के 20 जिलों में ग्रामीण सड़कों-पुलों के निर्माण के लिए 367 करोड़ रुपये की योजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को स्वीकृति दी है। श्री चौधरी ने बुधवार को बिहार के गांवों का कायाकल्प करने वाली निर्माण योजनाओं को स्वीकृति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि पश्चिम चंपारण जिला के रामनगर प्रखंड में नारा नदी पुल से खतौनी रोड तक 268.32 मीटर लंबे आरसीसी पुल के निर्माण के लिये 23 करोड़ 60 लाख 79 हजार) रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-III अन्तर्गत ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बिहार के अररिया, अरवल, औरंगाबाद, बांका, बेगूसराय, भोजपुर, सारण, पूर्वी चम्पारण, गोपालगंज, कटिहार, खगड़िया, किशनगंज, मधेपुरा,मुजफ्फरपुर, पटना, समस्तीपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली और पश्चिम चम्पारण सहित कुल 20 जिलों में ग्रामीण पथों और पुलों के निर्माण के लिए डीपीआर को स्वीकृति प्रदान की है। इन योजनाओं से लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

गर्भपात कानून पर जागरुकता के लिए कार्यशाला आयोजित

मानपुर। लक्खीबाग स्थित ग्राम निर्माण मंडल आश्रम खादी भंडार परिसर में मंगलवार को एक दिवसीय कार्यशाला हुई। इसमें प्रजनन, स्वास्थ्य और सुरक्षित गर्भपात के दौरान आने वाली कानूनी अड़चनों पर चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन सांझा प्रयास के तत्वावधान में हुआ। इसमें आईपास एलायंस केन्या, औलिया आध्यात्मिक केंद्र और समता ग्राम सेवा संस्थान की भागीदारी रही।रघुपति सिंह ने बताया कि सांझा प्रयास नेटवर्क उत्तर प्रदेश और बिहार के दस जिलों में सक्रिय है। यह नेटवर्क यौन और प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार और सुरक्षित गर्भ समापन के मुद्दों पर काम कर रहा है।

नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

मानपुर। व्यापार मंडल परिसर स्थित कांग्रेस कार्यालय में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा कि पंडित नेहरू ने आजादी की लड़ाई में 10 साल से ज्यादा समय जेल में बिताया। आजादी के बाद उनकी दूरदर्शी सोच ने आधुनिक भारत की नींव रखी। उन्होंने पंचशील का सिद्धांत दुनिया को दिया। देश के नव निर्माण में सभी राज्यों को बराबरी का अधिकार दिलाया। निहाल कुमार बिट्टू, गुड्डू, अजय कुमार सिंह इंटक, महेश सिंह, सुधीर चौधरी, मोहम्मद तौफीक, अजीत सिंह, राकेश, सोहराब आदि मौजूद थे।

फतेहपुर में 634 लाभुकों का बना आयुष्मान कार्ड

फतेहपुर। फतेहपुर प्रखंड में तीन दिवसीय आयुष्मान कार्ड योजना अभियान के दूसरे दिन मंगलवार को 634 लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। बीडीओ शशिभूषण साहू ने बताया कि फतेहपुर प्रखंड के 18 पंचायत व एक नगर पंचायत में 61 जगहों पर विशेष कैंप लगाया गया है। इन कैंपों में दूसरा दिन मंगलवार को 634 लोगों को आयुष्मान कार्ड बना गया है। जबकि अभियान के पहला दिन सोमवार को 395 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इस तरह यहां दो दिनों में 1029 लोगों को कैंपों में आयुष्मान कार्ड बना कर हाथों-हाथ दिया चुका है। उन्होंने बताया कि इस कार्य को सफल बनाने ने पंचायत सचिव, विकास मित्र, शिक्षा सेवक, आशा, आंगनबाड़ी सेविका, पीडीएस दुकानदार, एएनएम आदि को लगाया गया है जिनका भरपूर सहयोग मिल रहा है। इधर, बीडीओ शशि भूषण साहू और सीएचसी प्रभारी डा. अशोक कुमार सिंह कैंप स्थलों पर घूम-घूमकर आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य का जायजा लिया और कार्य में लगे कर्मियों को कार्य के सफल संचालन के प्रति कई दिशा-निर्देश भी दिए हैं।

केंद्रीय विद्यालय में लगा भारतीय भाषा शिविर

राजगीर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, आयुध निर्माणी, में शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार सात दिवसीय भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर की शुरुआत हुई। यह शिविर 2 जून तक चलेगा। शिविर का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य विवेक किशोर ने किया। उन्होंने कहा कि भारत की गौरवशाली और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझने के लिए भारतीय भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान विद्यार्थियों को देशभर में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में से किसी एक भाषा का प्राथमिक ज्ञान दिया जाएगा। इसके साथ ही बच्चों को नृत्य, कला, और संगीत जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा, जिससे उनका कौशल विकास हो सके।शिविर का संचालन विद्यालय के प्रशिक्षित स्नातक हिंदी शिक्षक ऋषिकेश कुमार की देखरेख में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गर्मी की छुट्टियों का रचनात्मक उपयोग करते हुए छात्र-छात्राएं इस शिविर में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

अपनी जड़ों से हमें जोड़ती है भारत की संस्कृति : राज्यपाल

राजगीर। इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में चल रहे मोरारी बापू के राम कथा के चौथे दिन मंगलवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी कथा सुनने पहुंचे। कथा के समापन के दौरान राज्यपाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक सभ्यता और परंपरा बहुत समृद्ध और विविधता से भरी है। यह हमें जड़ों से जोड़ती है और हमें अपने इतिहास, संस्कृति और मूल्यों के बारे में जानने का अवसर मिलता है। हममें से कोई अलग नहीं हैं। हम सब एक हैं। हमें इसे स्वीकार करना चाहिए और इसका सम्मान भी करना चाहिए। भारत के संतों ने हमें ज्ञान की ओर ले जाने के लिए अपना जीवन लगाया है। स्वयं तो भवसागर पार करते ही हैं, दूसरे लोगों को भी बिना स्वार्थ के भवसागर पार लगाते हैं। उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने कथा की महिमा बखान करते हुए इसे बहुत ही बड़ा और जीवन के लिए उपयोगी बताया है। देखें पेज 16 हमें समझना होगा भारतीय दृष्टिकोण राज्यपाल ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण क्या है यह हमें समझना होगा। विभिन्न विचारों और संस्कृतियों के प्रति सम्मान और समझ को यह बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि यह भक्तों का संगम है। हमारी पहचान हमारे खाल के रंग से नहीं हमारी आत्मा से होती है। हम आत्मा के बंधन से बंधे हुए हैं। एकता और एकात्मकता की अवधारणा बहुत महत्वपूर्ण है। इसे समझने का प्रयास करें। उन्होंने लोगों से कहा कि बिहार का राज्यपाल होने के नाते यहां आए लोगों का स्वागत करना हमारा धर्म है। नंगे पांव दर्शक दीर्घा में बैठे राज्यपाल राज्यपाल ने आम श्रद्धालुओं की तरह दर्शक दीर्घा में बैठकर राम कथा का रसपान किया। पूरी कथा उन्होंने नंगे पांव बैठकर सुनी। जबकि अधिकांश लोग जूते-चप्पल पहने बैठे थे।

लिफ्ट लेकर घर जा रहा था व्यक्ति, हादसे में मौत

नालंदा। नालंदा में एक युवक की मंगलवार को सड़क हादसे मौत हो गई। मृतक अस्थावां थाना क्षेत्र के अस्थावां निवासी स्व. राजेश पासवान के 19 वर्षीय बेटे बंटी कुमार है। परिजन ने बताया कि युवक बिहार शरीफ से बाइक से लिफ्ट लेकर घर जा रहा था इसी बीच सोयबा पुल के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें बंटी कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जबकि चालक मामूली रूप से चोटिल हो गया। बाइक चालक ने ही उसे इलाज के लिए अस्थावां रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए पहले बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल और उसके बाद पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के क्रम में युवक की मौत हो गई। मामला अस्थावां थाना क्षेत्र के बिहार शरीफ-बरबीघा स्टेट हाईवे के सोयबा पुल के पास का है।

आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी: अस्थावां थाना क्षेत्र के बिहार शरीफ-बरबीघा स्टेट हाईवे के सोयबा पुलयुवक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। बंटी की 3 बहने हैं। पिता की मौत 4 साल पूर्व बीमारी की वजह से हो चुकी है। अस्थावां थानाध्यक्ष लालमुनि दुबे ने बताया कि सड़क हादसे में मौत की बात सामने आ रही है। इलाज के दौरान पावापुरी मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'संतों का सत्संग ही संसार के विष में अमृत समान'

नालंदा। राजगीर में चल रहे मोरारी बापू की रामकथा में मंगलवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान पहुंचे। उन्होंने कहा कि बापू का मुझ पर जो प्यार और आशीर्वाद है, उससे मैं कभी मुक्त नहीं हो सकता। राज्यपाल ने संस्कृत के श्लोक 'संसार विषस्या दुई फले अमृतोपमे काव्य अमृत रसा स्वादा सल्लापा सज्जना ने सहा' का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी परंपरा में इस संसार को विष वृक्ष से उपमा दी गई है। उन्होंने समझाया कि इस विष से भरे संसार में दो अमृत फल लगते हैं: पहला, सद्ग्रंथों और काव्यों से निकलने वाले अमृत का पान और दूसरा- संतों की संगति यानी सत्संग प्राप्त होना। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि पिछले दो दशकों से उन्हें बापू का स्नेह प्राप्त है और बापू के आश्रम या कथा में ये दोनों चीजें प्रचुर मात्रा में मिलती हैं। राज्यपाल ने मोरारी बापू की सराहना करते हुए कहा कि इस काल में जहां दुनिया हमारा ध्यान भटकाती है, वहीं बापू अपने 'वचन अमृत' और राम कथा से हमें हमारे आदर्शों और मूल्यों की याद दिलाते हैं। उन्होंने मैथिलीशरण गुप्त का उल्लेख करते हुए कहा, "राम तुम्हारा चरित्र स्वयं काव्य है, कोई कवि बन जाए यह सहज संभाव्य है।" उन्होंने संतों के महत्व को समझाते हुए कहा कि वे वसंत ऋतु की तरह लोगों के हित के लिए प्रवास करते हैं और स्वयं भवसागर को पार करने के साथ-साथ दूसरों को भी बिना स्वार्थ के इसे पार करने में मदद करते हैं।

नालंदा के नूरसराय थाना क्षेत्र में महिला समेत दो लोगों की मौत

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के नूरसराय थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांव में हुई दो घटनाओं में नवविवाहित युवक और एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई है। पहली घटना नूरसराय के पथरौरा गांव, जबकि दूसरी घटना डीरी पर गांव में हुई है। दोनों ही मामलों में पारिवारिक विवाद और घरेलू कलह सामने आ रहा है, फिलहाल, पुलिस ने पीड़ित परिवार की ओर से आवेदन मिलने के बाद कार्रवाई की बात कही है। पहली घटना में नूरसराय के डीरी पर गांव के रहने वाले ब्रह्मदेव प्रसाद के 22 साल के बेटे सतीश कुमार की मौत हुई है। सतीश ने फांसी लगा घर में खुदकुशी कर ली। सतीश की शादी इसी महीने 11 मई को हुई थी। परिजन ने बताया कि वट सावित्री पूजा को लेकर सतीश अपने ससुराल दीपनगर थाना क्षेत्र के शेखोपुर गांव गया था। मंगलवार की शाम ससुराल से लौट कर घर आया और बिना खाना खाए, कमरे में सोने चला गया। जब सुबह में नजर पड़ी तो वह फंदे से लटका हुआ था। फिलहाल परिजन आत्महत्या के कारणों के बारे

में कुछ भी बताने से परहेज कर रहें हैं। उनका कहना है कि किन कारणों से सतीश ने फांसी लगाई है उन्हें इसकी जानकारी नहीं हैं।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जहर देने का आरोप: नूरसराय थाना क्षेत्र के पथरौरा गांव में एक महिला की संदिग्ध स्थिति में बुधवार की सुबह मौत हो गई। मृतका की पहचान विकास राम की (22) वर्षीया पत्नी बीना देवी के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतका के परिजन ने बताया कि विकास राम अपनी पत्नी पर हमेशा संदेह करता रहता था। पति-पत्नी के बीच मंगलवार को किसी बात को लेकर फोन पर कहा सुनी हुई, जिसके बाद सास और गोतनी ने जहर खिला दिया। उन्हें मंगलवार को ससुराल पक्ष की ओर से जानकारी मिली कि महिला ने जहर खा लिया है और उसका इलाज बिहार शरीफ के मॉडल अस्पताल कराया जा रहा है। जहां से पटना रेफर कर दिया गया है। हालांकि रास्ते मे ही बीना देवी की मौत हो गई।

पिता बोले- शादी के बाद से शक करता था दामाद: मृतका के पिता कामेश्वर राम ने बताया कि दामाद विकास राम राजस्थान में मजदूरी करता है। साल 2020 में नगरनौसा थाना क्षेत्र के कछियावां गांव की बीना देवी की शादी विकास राम के साथ हुई थी। पिता कामेश्वर ने बताया कि पूर्व में भी शक को लेकर बीना देवी के साथ मारपीट की गई थी। जब एक बारात गांव आया हुआ था और किसी बाराती को उसने पानी पिलाया था। इसी बात को लेकर विकास राम ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट किया था। वहीं इस मामले में नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि दोनों ही मामले में आत्महत्या की बात घरेलू कलह के कारण सामने आ रही है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले 3 गिरफ्तार

निज संवाददाता। गया

गया में सरकार काम में बाधा डालने वालों 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के लिए एसएसपी के निर्देश पर विशेष टीम का गठन हुआ था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ चल रही है। अन्य की गिरफ्तारी में पुलिस जुटी हुई है। दरअसल, 25 मई को चंदौती थाना को सूचना मिली कि कटारी हिल में निर्माणाधीन थाना भवन पर कुछ असामाजिक तत्वों ने कार्य में बाधा डाला। मजदूरों और कारीगरों के साथ गाली-गलौज और मारपीट भी की गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए घटना की जानकारी एसएसपी को दी गई। चंदौती थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के आधार पर चंदौती थाना में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

अन्य की आरोपियों की तलाश की जा रही है: डीएसपी (विधि-व्यवस्था) रवि प्रकाश सिंह ने बताया कि उनके नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। इसमें अंचल निरीक्षक चंदौती, थानाध्यक्ष चंदौती और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। छापेमारी में गिरफ्तार होने वालों में प्रकट पासवान का बेटा देवनाथ पासवान, गणेश पासवान का बेटा गुड्डू पासवान और उपेंद्र महतो का बेटा रवि कुमार शामिल है। फिलहाल इनसे पूछताछ जारी है और अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। SSP ने स्पष्ट किया है कि सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

मॉडल अस्पताल में 10, सीएचसी में 5-5 बेड के वार्ड

निज संवाददाता। नालंदा

देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए बिहार सरकार ने राज्य में कोरोना वायरस की संभावित वापसी के लिए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। नालंदा सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह और जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम श्याम कुमार निर्मल ने स्वास्थ्य अधिकारियों को तत्काल अस्पतालों में विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। सरकारी निर्देशों के अनुसार, सदर अस्पतालों में 10 बेड के विशेष कोविड वार्ड और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 5-5 बेड के अलग वार्ड तैयार किए जा रहे हैं। यह व्यवस्था पिछली कोविड लहरों के दौरान मिले अनुभव के आधार पर की जा रही है, जब बेड की भारी कमी का सामना करना पड़ा था। सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने अस्पतालों में वार्ड, बेड, आवश्यक दवाइयां, जांच सुविधाएं और सबसे महत्वपूर्ण ऑक्सीजन की व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करें। सिविल सर्जन का कहना है कि राज्य में कोरोना ने दस्तक दे दी है और इसके दो नए वेरिएंट की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि उन्होंने जनता से घबराने की बजाय सतर्कता बरतने की अपील की है। जिला स्तर पर हर स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

ऑक्सीजन व्यवस्था पर विशेष ध्यान: डीपीएम श्याम कुमार निर्मल ने बताया कि सभी अस्पतालों को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीनों की तत्काल जांच और मरम्मत के आदेश दिए गए हैं। यह कदम पिछली कोविड लहरों के दौरान ऑक्सीजन की भारी कमी को देखते हुए उठाया गया है। सभी मशीनों को चालू अवस्था में रखा जाएगा ताकि आपातकाल की स्थिति में तत्काल उपयोग किया जा सके। वर्तमान में जिला में कोविड के लक्षण वाला कोई भी मामला सामने नहीं आया है, लेकिन सरकार पूर्व तैयारी में जुटी है। जल्द ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कोरोना जांच की व्यवस्था शुरू की जाएगी। पावापुरी मेडिकल कॉलेज में आरटीपीसीआर जांच की व्यवस्था पहले से मौजूद है और अब जांच किट खरीदने के आदेश दे दिए गए हैं। इससे संदिग्ध मामलों का तत्काल परीक्षण संभव हो सकेगा।

नालंदा में 2 बाइकों की आपस में टक्कर

नालंदा। नालंदा में दो बाइकों में आपस में टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान सुजीत कुमार(24) के तौर पर हुई है। घटना सिलाव थाना क्षेत्र के श्रीधर बीघा गांव के पास की है। परिजनों ने बताया कि सुजीत कुमार पूजा में शामिल होने के लिए पावापुर अपनी बहन के घर गया था। घर लौटते समय विपरीत दिशा से आर रही बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद पुलिस ने पावापुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

बिहार सरकार

ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
RCD, Road Division No.-1, Aurangabad (Bihar) - 824101
E-mail ID: - eercdaurangabad01@gmail.com, ee-rd-aurangabad-bih@nic.in
Mob No. +91-9470001281

SBD BASED DETAILED NOTICE INVITING TENDER
(through e-procurement mode only https://eproc2.bihar.gov.in)
NIT No.-RCD/AURANGABAD/SBD/02/2025-26

1. Designation and Address of the Advertiser: **Executive Engineer, RCD, Road Division No. 1, Aurangabad**
2. Date of Issue of Notice Inviting Tender : 26.05.2025
3. Period for download of Tender Document : From16.06.2025 to25.06.2025upto 15.00 hours (From Website :www.eproc2.bihar.gov.in)
4. Date, Time & Place of Pre-Bid meeting : Date 18.06.2025at 11 hours at the O ffice of the Chief Engineer, South Bihar, RCD, Patna
5. Period for uploading tender Documents by bidder : From 16.06.2025 to25.06.2025 .till.time 15.00Hourson www.eproc2.bihar.gov.in
6. Last date, time and place for submission of original instrument of EMD& all affidavit : **As per the Dept. Office Order No. 07 Cum Memo No. 163(E)), Dt. 10.01.2024**
7. Date, time & Place of opening of Technical Bid: Date.25.06.2025 Time- 15.30 hours Place: On Website -www.eproc2.bihar.gov.in
8. Details of works:- :

S.No.	Name of work	Estimated Cost/ECV (Rs in Lakh)	Amount of Earnest money (Rs in Lakh)	Cost of B.O.Q (to be paid through online) (non-refundable) in Rs.	Bid Processing Fee (to be paid through online) (non-refundable in Rs.	Time of completion of work (in month) Including monsoon period.
1	2	3	4	5	6	7
1	Construction of Four Lane of Deo Surya Kund (SH -101) to Deo Bypass (Pragati Path) from km 0.00 to km 1.00 (Total Lenght : 1.00km) under RCD, Road Division No. 1, Aurangabad for the year 2024-25	982.04363	19.65	10,000.00	5900.00	09 Months
2	Construction of 2-Lane with paved shoulder of Deo Ring Road from km 0.00 to 8.60 km (Total Length – 8.60 km) under RCD, Road Division No. 1, Aurangabad for the year 2024-25	4586.83018	55.87	10,000.00	5900.00	18 Months
3	Construction of 2-Lane of Rafiganj Bypass Road from km 0.00 to 8.00 (Total Length : 8.00 km) under RCD, Road Division No. 1, Aurangabad for the year 2024-25.	3746.49847	47.47	10,000.00	5900.00	18 Months

9. Date, time & place of opening of Financial Bid: To be announced after approval of Technical Bid
Place: On Website -www.eproc2.bihar.gov.in

10. **Project scope & work**
To undertake
(I) Construction of Four Lane of Deo Surya Kund (SH-101) to Deo Bypass (Pragati Path) from km 0.00 to km 1.00 (Total Lenght : 1.00km) under RCD, Road Division No. 1, Aurangabad for the year 2024-25.
(ii) Construction of 2-Lane with paved shoulder of Deo Ring Road from km 0.00 to 8.60 km (Total Length – 8.60 km) under RCD, Road Division No. 1, Aurangabad for the year 2024-25
(iii) Construction of 2-Lane of Rafiganj Bypass Road from km 0.00 to 8.00 (Total Length : 8.00 km) under RCD, Road Division No. 1, Aurangabad for the year 2024-25

Detailed NIT can be seen on website "http://www.state.bihar.gov.in/ prdbihar" or www.eproc2.bihar.gov.in or on the notice board of the office of the undersigned.

Executive Engineer
RCD, Road Division No. 1
Aurangabad

PR- 004531 (RCD) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

नौकरी नहीं मिली तो बना नक्सली, मुठभेड़ में हुआ ढेर

निज संवाददाता। गया

झारखंड के लातेहार के महुआडांड़ के चोरहा दौना जंगल में रविवार की रात मुठभेड़ में खूंखार नक्सली ढ़ेर हो गया था। ये कोई आम माओवादी नहीं, बल्कि कटिया कांड का मुख्य साजिशकर्ता मनीष यादव था। मंगलवार को उसका शव गया जिले के छकरबन्धा थाना क्षेत्र के मोहलनिया गांव लाया गया। भारी संख्या में लोग उसके अंतिम दर्शन के लिए जुटे। शव को देखते ही कुछ बुजुर्ग महिलाएं रोने लगीं, तो वहीं कई युवा चुपचाप खड़े रहे। मनीष वही नक्सली था, जिसने 2013 में लातेहार के बरवाडीह में हुए चर्चित कटिया मुठभेड़ को अंजाम दिया था। वारदात में सीआरपीएफ के 13 जवान शहीद हुए थे। मनीष ने एक शहीद जवान के शव में बम प्लांट कर दिया था, जो देशभर में चर्चाओं का केंद्र बन गया था। 2018 में गढ़वा के पोलपोल में हुए हमले में भी मनीष शामिल था, जिसमें 6 जवान शहीद हुए थे।

2013 में दिल्ली से लौटा, फिर थाम लिया हथियार: परिजन के अनुसार इंटर के बाद मनीष रोजगार की तलाश में दिल्ली गया था, उस समय वो नक्सली नहीं बना था। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वहां काम न मिलने के बाद वो वापस लौट गया। कुछ ही समय के बाद नक्सली संगठन से जुड़ गया। देखते ही देखते वह संगठन में सब जोनल कमांडर बन गया और झारखंड-बिहार के सीमावर्ती इलाकों में उसकी दहशत कायम हो गई। उस पर 40 से अधिक नक्सली वारदातों के केस दर्ज थे।

ससुराल के बगल में हुई मुठभेड़: रविवार रात की मुठभेड़ महुआडांड़ के जिस जंगल में हुई, वह मनीष की ससुराल के पास का इलाका है। रात करीब 2 बजे पुलिस ने नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना पर कार्रवाई शुरू की। घिरते देख मनीष ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में वह ढेर हो गया। मुठभेड़ के बाद एक अन्य नक्सली कुंदन खरवार को गिरफ्तार किया गया, जो 2019 के लुकईया मोड़ हमले का आरोपी है। उस हमले में 4 पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। उसके ऊपर 10 लाख इनाम था।

झारखंड में मूवमेंट ज्यादा रहता था: मंगलवार की दोपहर करीब चार बजे जब मनीष का शव नेतरहाट से मोहलनिया गांव लाया गया, तो गांव में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीणों के बीच चर्चा थी कि मनीष कभी किसी से सीधे तौर पर भिड़ता नहीं था, लेकिन संगठन के लिए किसी भी हद तक जा सकता था। उसका शव देखते ही पत्नी, मां और पिता बेसुध हो गए। उसके परिवार में पत्नी, 10 वर्षीय बेटा, 6 साल की बेटी, माता-पिता और भाई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मनीष पिछले कुछ वर्षों में गांव कभी-कभी ही आता था, वह भी चोरी-छिपे। संगठन की ओर से उसे सीमावर्ती इलाकों में नेटवर्क मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

नालंदा में क्लासरूम में टीचर ने छात्र को डंडे से पीटा

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में प्राइवेट कोचिंग संस्थान के संचालक ने मंगलवार सुबह एक स्टूडेंट की डंडे से पिटाई कर दी। टीचर ने छात्र को इतना मारा कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। छात्र के हाथ, पीठ और सीने में गंभीर चोटें आई हैं। क्लासरूम में छात्र की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि क्लासरूम स्टूडेंट्स से खचाखच भरी है। कोचिंग संचालक स्टूडेंट को डंडे से पीट रहा है। संचालक छात्र के बाल पकड़कर गालियां दे रहा है और डंडे से पीट रहा है। कोचिंग का स्टाफ भी इसमें मदद कर रहा है। मामला बिहार शरीफ स्थित डाटा फिजिक्स क्लासेस का है। मारपीट करने वाले कोचिंग संचालक का नाम निर्मल कुमार है।

टीचर ने गला दबाकर मारा: घायल छात्र की पहचान सोहसराय थाना क्षेत्र के सन्नी कुमार के तौर पर हुई है। पीड़ित ने बताया, 'मैं क्लास में बैठा था। इस दौरान दूसरा लड़का आया और बीच में आकर बैठ गया।' 'मैंने उसको साइड हटने के लिए कहा तो उसके दोस्त ने पीछे से मुझे थप्पड़ मार दिया। जवाब में मैंने भी उसे मार दिया। टीचर ने मुझे कैमरे से देख लिया। गुस्से में मेरे पास आए। गला दबाकर और बाल पकड़कर मुझे मारने लगे।' 'मैं सॉरी बोल रहा था, लेकिन टीचर ने मेरी बात नहीं सुनी। घर पहुंचकर अपने परिजनों को जानकारी दी। जिसके बाद मुझे मॉडल अस्पताल लेकर पहुंचे। मुझे हाथ, पीठ और सीने में चोट है।' 'क्लास में बैठने को लेकर दो छात्र झगड़ा कर रहे थे। इसी बात को लेकर छात्रों को समझाया था। उनकी हल्की पिटाई की गई। दोनों को अभिभावक को लेकर कोचिंग आने का निर्देश दिया गया था। जिसमें एक छात्र अपने पिता के साथ पहुंचा था। दूसरा पढ़ाई करने नहीं आया।

आवेदन मिलने पर होगी कार्रवाई: इस संबंध में बिहार थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया, 'अभी तक ऐसा कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है। न ही किसी ने लिखित शिकायत दी है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।'

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद
आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14.

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा [पार्श्विक प्रवेश] – 2025
D.E.C.E. (L.E.)-2025

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.ई.सी.ई.[LE])-2025/05 दिनांक- 28.05.2025

परीक्षा से सम्बन्धित अतिआवश्यक सूचना

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.ई.सी.ई.(एल.ई.)- 2025/04 दिनांक- 27.04.2025 के क्रम में सर्व साधारण एवं डिप्लोमा प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (पार्श्विक प्रवेश) [DECE(LE)]-2025 से सम्बन्धित सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि **DECE(LE)-2025 की दिनांक 01.06.2025 को निर्धारित परीक्षा अपरिहार्य कारणों से स्थगित करते हुए परीक्षा तिथि दिनांक 15.06.2025 को पुनर्निर्धारित किया जाता है।**

2. तद्नुसार अभ्यर्थियों को दिनांक 01.06.2025 के लिए DECE(LE)-2025 परीक्षा हेतु निर्गत / download किये गये Admit Card को रद्द किया जाता है।
3. DECE(LE)-2025 की पुनर्निर्धारित परीक्षा का कार्यक्रम निम्नवत् है;
(i) Uploading of fresh Online Admit Card : **06.06.2025**
(ii) Re-scheduled Date of Examination : **15.06.2025**
(iii) Re-scheduled Time of Examination : **2.30 PM to 4.45 PM**
4. उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व प्रकाशित विज्ञापन की अन्य सभी सूचनाएँ / शर्तें यथावत रहेंगी।
5. सभी सम्बन्धित को निदेश दिया जाता है कि परीक्षा से सम्बन्धित अद्यतन जानकारी हेतु पर्षद के website **bceceboard.bihar.gov.in** के सम्पर्क में रहें।

परीक्षा नियंत्रक

ट्रेलर में लगी भीषण आग, टीवीएस की 25 बाइकें जलीं

निज संवाददाता | पटना

सबलपुर क्षेत्र में बुधवार को एक बड़ा हादसा उस समय हो गया जब टेढ़ी पुल के पास एक ट्रेलर में अचानक आग लग गई। यह घटना उस वक्त हुई जब ट्रेलर से टीवीएस कंपनी की बाइकें उतारी जा रही थीं। आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रेलर में लदी बाइकें एक के बाद एक जलने लगीं और कुछ ही समय में 25 बाइकें पूरी तरह खाक हो गईं। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह बताया जा रहा है। यह हादसा देवकीनंदन कैंपस के पास स्थित एक वेयरहाउस के समीप घटित हुआ। बताया जा रहा है कि ट्रेलर मैसूर से पटना पहुंचा था और इसमें कुल 89 बाइकें लोड थीं। ट्रेलर से बाइकें उतारने का काम चल ही रहा था कि तभी उसके इंजन के पास जोरदार धमाका हुआ, जिससे बैटरी ब्लास्ट हो गया। इसके बाद ट्रेलर में आग पकड़ ली, जो कुछ ही पलों में भयावह रूप ले ली। इस दौरान ट्रेलर पर बैठा चालक इनाम (उम्र 22 वर्ष) आग की चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया। तुरंत उसे पास के सबलपुर पीएचसी में प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया, जहां से स्थिति गंभीर देख उसे एनएमसीएच, पटना रेफर कर दिया गया है। जैसे ही ट्रेलर में आग लगी, आस-पास अफरा-तफरी मच गई। घटनास्थल के पास ही पेट्रोल पंप और कई अन्य वेयरहाउस मौजूद हैं, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी। लेकिन समय रहते दमकल विभाग को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। कंपनी के कर्मचारियों ने पहले अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि वे सफल नहीं हो सके। फायर ब्रिगेड के पहुंचने के बाद ही स्थिति नियंत्रण में आई। इस आगजनी की घटना में टीवीएस कंपनी की कुल 25 नई बाइकें जलकर नष्ट हो गईं, जिससे कंपनी को एक करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। ट्रेलर का अगला हिस्सा पूरी तरह से जल चुका है और अब चलने लायक नहीं रह गया है। घटनास्थल पर नदी थाना पुलिस पहुंच चुकी है और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है कि आग कैसे और किन परिस्थितियों में लगी। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई थी और पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। अगर आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता, तो यह हादसा और भी बड़ा रूप ले सकता था।

लापता पति की बरामदगी के लिए धरने पर बैठी पत्नी

पटना (नि.सं.)। दानापुर में एक युवक की 25 दिनों से लापता होने के मामले में परिजन ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर आगजनी की। साथ ही पुलिस ने हालात नियंत्रित करने के लिए लाठियां भी चटकाईं। करीब एक घंटे पुलिस के समझाने के बाद मामला शांत हो गया। लापता युवक का नाम गुड्डू है। वो 5 मई को दोपहर 3 बजे दीघा स्टूडियो जाने के लिए घर से निकला था। देर शाम तक नहीं लौटने और फोन बंद आने पर परिवार ने खोजबीन शुरू की। परिजन ने 7 मई को दानापुर थाने में गुमशुदगी का आवेदन दिया। आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच में गुड्डू को धीरज कुमार नाम के व्यक्ति के साथ देखा गया। इसके बाद परिवार ने धीरज कुमार के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया। गुड्डू की पत्नी मोतीझरी देवी ने दानापुर एएसपी, सिटी एसपी पश्चिमी और पटना एसएसपी को भी आवेदन दिया।

बहन की सुसाइड का बदला लेने के लिए भाई ने किया था हत्या

निज संवाददाता | पटना

जिम से लौट रहे 27 साल के युवक की मंगलवार को हत्या हुई थी। बुधवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक कुंदन ने आरोपी की नाबालिग बहन को प्यार के झांसे में फंसाया। उसके साथ संबंध बनाए और अश्लील वीडियो भी बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर शोषण करने लगा। इसी वजह से आरोपी की बहन ने नवंबर 2024 में सुसाइड कर लिया था। इसी का बदला लेने के लिए कुंदन की हत्या कर दी गई। घटना पूर्वी रामकृष्णा नगर के सोरनपुर की है। ये वारदात थाना से 500 मीटर की दूरी पर हुई थी। आरोपी 22 साल का है, जो रामकृष्णा नगर का रहने वाला है। उसे सिटी में बैरिया के पास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि कुंदन सिंह की वजह से उसकी नाबालिग बहन ने बीते 15 नवंबर 2024 को सुसाइड कर लिया था। आरोपी ने बताया कि अश्लील वीडियो बनाकर उसका शोषण कर रहा था। पूरी जानकारी सामने आने के बाद जब शादी करने के लिए कहा गया तो उसने और उसके परिजन ने इनकार कर दिया। इससे वो नाराज था। घटना से दो दिन पहले कुंदन ने व्हाट्सएप स्टेट्स में मेरी बहन की फोटो लगाई थी। जिससे सूरज गुस्से में चल रहा था। कुंदन कुमार सिंह का आरोपी उसके ही घर के सामने के मकान में किरायेदार था। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी अपने साले को बुलाकर ससुराल मसौढ़ी भाग गया था। बार बार अपना लोकेशन बदल रहा था। इसी दौरान बैरिया के पास उसकी लोकेशन मिली और वो पकड़ा गया। सूरज के पास से तीन खोखा, मोबाइल और घटना के समय पहने गए कपड़े पुलिस ने बरामद किए हैं। कुंदन का विवाह पांच माह पहले हुआ था। मां वीणा देवी ने मामले में पांच को नामजद करते हुए हत्या का मामला दर्ज कराया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक ने हेलमेट पहन रखी थी। उन्होंने तुरंत थाना को सूचना दी। थानेदार आशुतोष कुमार झा ने बताया था कि पुलिस अपराधी की पहचान कर रही है। कुंदन की हत्या जहां हुई, वह जगह थाना से मात्र 500 मीटर की दूरी पर है। हत्या की पूरी वारदात पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मूलरूप से नवादा के वारिसलीगंज के सिमरी गांव निवासी स्व मदन किशोर सिंह का 27 वर्षीय पुत्र कुंदन कुमार निजी कंपनी में कार्य करता था। वह रोजाना जिम जाता था। मंगलवार को बाइक से कुंदन जिम से घर लौट रहा था, तभी अपराधी ने तीन गोली मार कर घायल कर दिया और फरार हो गए। इस दौरान उन्होंने आठ राउंड फायरिंग की। स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में निकट के निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सीसीटीवी फुटेज में एक अपराधी की तस्वीर कैद हो गई। अपराधी ने बाइक से जा रहे कुंदन को पीछे से गोली मारी।

जिला संचालन समिति की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न

निज संवाददाता | नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत गठित जिला संचालन समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था। बैठक में वन स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन तथा पालना घर जैसी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ सीधे तौर पर महिलाओं एवं बालिकाओं तक पहुँचे, इसके लिए सतत निगरानी एवं मूल्यांकन की प्रभावी व्यवस्था की जाए। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को लेकर कार्यरत विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि मिशन शक्ति योजना महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक रूप से सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला पदाधिकारी द्वारा समाहरणालय परिसर में स्थित पालना घर के मुख्य द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया गया, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' योजना के अंतर्गत बेटी जन्मोत्सव के अवसर पर अस्पतालों में बेबी किट की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।जीविका द्वारा संचालित पुस्तकालयों में इस योजना के तहत विशेष पुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। प्रोग्राम पदाधिकारी, आईसीडीएस निरूपमा शंकर ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के अंतर्गत समाहरणालय परिसर एवं पुलिस लाइन में दो पालना घरों की स्थापना की जा चुकी है। जिला पदाधिकारी ने बताया कि पालना घरों की स्थापना का उद्देश्य कामकाजी महिलाओं को उनके बच्चों के लिए कार्यालय समय में सुरक्षित देखभाल की सुविधा देना है। पालना घरों में बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास, सामाजिक, भावनात्मक एवं भौतिक विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन 181 पर जोर

बैठक के दौरान वन स्टॉप सेंटर की समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि किसी भी प्रकार की हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक सेवाएं, जैसे चिकित्सीय सहायता, कानूनी परामर्श, मनो-सामाजिक सहयोग, एवं 05 दिनों तक अल्पावास प्रदान की जाएं। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि पीड़िता की जाति, धर्म, वैवाहिक स्थिति या शैक्षिक पृष्ठभूमि के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। साथ ही, 181 महिला हेल्पलाइन से प्राप्त मामलों की समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस, जिला परियोजना प्रबंधक (डब्लूसीडीसी), जिला मिशन समन्वयक (मिशन शक्ति) समेत अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

गायघाट पुल से महिला ने गंगा में लगाई छलांग

पटना (नि.सं.)। आलमगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को एक महिला ने गंगा नदी में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना, गायघाट पुल के पिलर नंबर 46 के पास की है। आसपास के लोगों ने महिला को नदी से बाहर निकाला। महिला की पहचान बोरिंग रोड के शिवपुरी मोहल्ला निवासी के रूप में हुई है। गंभीर हालत में उसे पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आलमगंज थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। महिला का इलाज जारी है। उनका बयान स्वस्थ्य होने के बाद दर्ज किया जाएगा। प्रारंभिक जांच में यह पारिवारिक विवाद का मामला लग रहा है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले की गहन जांच करेगी।

संक्षिप्त समाचार

नशे में पकड़े गए छह लोग हिरासत में

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने शराब के नशे में रहे छः लोगों को हिरासत में लिया। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि शराबबंदी को सफल बनाने को लेकर जांच चौकी पर प्रत्येक दिन तीन शिफ्टों में उत्पाद बलों के द्वारा झारखंड की ओर से आने वाली प्रत्येक छोटी एवं बड़ी वाहनों की सघन जांच की जाती है, जिसका नेतृत्व उत्पाद एसआई राजेश कुमार पटेल द्वारा किया जा रहा है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार की शराब से लेकर बुधवार की सुबह तक विभिन्न यात्री वाहनों एवं निजी वाहनों पर सवार लोगों की जांच की गई। इस दौरान कुल 6 लोगों के शराब पिए होने की पुष्टि ब्रेथ एनलाइजर मशीन से जांच के बाद हुई। सभी शराबियों को हिरासत में बुधवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां सभी शराब पीने वालों ने जुर्माना राशि जमा किया। इस मौके पर उत्पाद सिपाही और गृहरक्षक के जवान मौजूद रहे।

रजौली में चला अग्नि सुरक्षा अभियान

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। अनुमंडल क्षेत्र के रजौली एवं गोविंदपुर प्रखंड के विभिन्न नौ जगहों पर बुधवार को अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी राम अवध सिंह के नेतृत्व में अग्नि सुरक्षा संबंधित विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि अभी खेतों में फसलों की कटाई हो रही है और फसलों को खेत-खलिहानों में रखा जा रहा है। इस दौरान कई बार जानकारी के आभाव में लोग कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिसका भुक्तभोगी किसानों को बनना पड़ता है। वहीं घरेलू गैस के पाइप आदि में भी अनियमितता बरतने पर कई दुर्घटनाएं घटित हो रही है। आगलगी की घटनाओं में कमी लाने को लेकर अग्निशमनकर्मी प्रत्येक दिन क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। बुधवार को रजौली प्रखंड के फुलवरिया खुर्द, चौथा, नगर पंचायत के रामपुर मोहल्ले रामदासी एवं वार्ड संख्या 13 में अग्निशमनकर्मी द्वारा लोगों से मिल अग्नि सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। वहीं दूसरी ओर गोविंदपुर प्रखंड के भवनपुर पंचायत के दनियापार, खैरा खुर्द एवं हरना बेला गांव में भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रखंडों से आने-वाले युवाओं से लेकर बुजुर्गों एवं महिलाओं के हाथों में पंपलेट देकर आग से बचने के उपाय बताया गया। साथ ही अग्निशमन के सोशल मीडिया से दर्जनों लोगों को जोड़ा गया एवं जुड़ने का सुझाव भी दिया गया।

सेविका का प्रशिक्षण पूरा

नारदीगंज (नवादा)। बाल विकास परियोजना कार्यालय नारदीगंज द्वारा 'पढ़ाई भी,पोषण भी' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय गैर आवासीय सेविकाओं का प्रशिक्षण बुधवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन नारदीगंज स्थित मैरिज हाल में हुआ। सीडीपीओ मंजू कुमारी ने पोषण भी, पढ़ाई भी विषय पर सभी सेविकाओं को पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु शपथ दिलाकर प्रशिक्षण को समापन कराये। सीडीपीओ ने इस विषय के अंतर्गत आने वाली सभी विषयों व गतिविधियों को बारीकी से सभी सेविकाओं के समक्ष रखें। उन्होंने बच्चों में होने वाले शरीरिक विकास, संज्ञात्मक विकास, रचनात्मक विकास, भाषा संबंधी विकास के बारें में सेविकाओं को प्रशिक्षित किया।इसके अलावा गर्भवती धात्री व जीरो से छह वर्ष के बच्चों का पोषण स्तर पर सुधार हेतु प्रोत्साहित किया। प्रखंड समन्वयक सुमन कुमार आर्य, पिरामिल फाउंडेशन के मंतोष कुमार, दीक्षा कुमारी, दीपाली कुमारी ने भी पोषण से सम्बंधित जानकारी को साझा किए। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका शीला कुमारी, पुष्पा कुमारी, सविता कुमारी, सेविका निभा कुमारी, नीलम कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, रूबी कुमारी, ममता कुमारी, प्रिया कुमारी, कुमारी पूजा, अनुप्रिया समेत 136 सेविकाओं को प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान प्रधान लिपिक सुशील कुमार चौधरी, विजयानन्द प्रियदर्शी समेत अन्य मौजूद रहे।

चुनाव तैयारियों को लेकर ईवीएम जांच

नवादा (नि.सं.)। आगामी विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों की कड़ी में नवादा के जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश द्वारा आज ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) एवं वीवीपैट (वोटर वेरीफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच (FLC– First Level Checking) कार्य का निरीक्षण किया गया। यह एफएलसी प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार 24 मई से 8 जून 2025 तक संचालित की जा रही है, जिसे आयोग द्वारा नामित अभियंताओं की 13 सदस्यीय विशेषज्ञ टीम द्वारा संपन्न किया जा रहा है। यह कार्य प्रतिदिन–सामान्य कार्यदिवसों के साथ-साथ अवकाश के दिनों में भी–प्रातः 9 बजे से संध्या 7 बजे तक चल रहा है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मशीनों की क्लिनिंग, स्कैनिंग की प्रक्रियाओं की बारीकी से समीक्षा की। एफएलसी केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, कार्य संचालन प्रणाली एवं उपकरणों के रखरखाव की भी जिलाधिकारी ने विस्तार से जांच की। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा, जांच प्रक्रिया और अभिलेखों के संधारण की समस्त व्यवस्था पारदर्शी एवं सुरक्षित होनी चाहिए, जिससे आम जनता का विश्वास निर्वाचन प्रक्रिया में और भी अधिक सुदृढ़ हो।

नल जल घोटालाः जमानत खारिज

नवादा (नि.सं.)। व्यवहार न्यायालय के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज धनंजय सिंह ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के पूर्व कार्यपालक अभियंता चन्देश्वर राम, नरहट पंचायत मुखिया एहतेशाम कैसर उर्फ गुड्डू व उसकी पत्नी समीना प्रवीण की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। तीनों पर नल जल योजना में करोड़ों रुपये सरकारी राजस्व के घोटाले का आरोप है। समाजसेवी एवं जदयू नेता मंजूर आलम ने 13 अप्रैल 2021 को नवादा के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में याचिका दायर कर लोक स्वास्थ्य अभिंत्रण, नवादा के तत्कालीन कार्यपालक अभियंता चन्देश्वर राम व गया के तत्कालीन अधीक्षण अभियंता नसीर मंजर की सांठ-गांठ से नरहट पंचायत मुखिया एहतेशाम कैसर उर्फ गुड्डू व उसकी पत्नी समीना प्रवीण द्वारा बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना के तहत फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपये सरकारी राजस्व का घोटाला किये जाने की शिकायत की थी। मंजूर आलम के आवेदन व अदालत के निर्देश पर राज्य के अभियंता प्रमुख सह विशेष सचिव नित्यानंद प्रसाद ने जिला पदाधिकारी से इस मामले में कार्रवाई को कहा था। जिला पदाधिकारी की पहल पर मामले की जांच हुई और आरोप सत्य पाया गया। 30 अप्रैल 2024 को अदालत ने मामले को संज्ञान में लेते हुए चारों नामजद को सम्मन जारी किया। गिरफ्तारी से बचने के लिए अधीक्षण अभियंता को छोड़ अन्य तीनों नामजद ने अग्रिम जमानत के लिए जिला न्यायाधीश की अदालत में याचिका दाखिल की थी, जिसे प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया। नरहट प्रखंड के नरहट पंचायत मुखिया एहतेशाम कैसर उर्फ गुड्डू ने अपनी पत्नी समीना प्रवीण के नाम पर मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल का जल का ठीका लिया था।

डीएम ने जैव विविधता पार्क का निरीक्षण

निज संवाददाता | (नवादा)

जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने खुरी नदी के तट पर प्रस्तावित जैव विविधता पार्क स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से संपन्न हो सके। जिलाधिकारी ने नगर परिषद नवादा के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि नाले के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए ताकि जैव विविधता पार्क के निर्माण में कोई बाधा उत्पन्न न हो। साथ ही, अंचलाधिकारी नवादा सदर को निर्देशित किया गया कि स्थल का सीमांकन कार्य अविलंब पूरा किया जाए। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि पार्क का मुख्य प्रवेश द्वार मंगर बिगहा की ओर से बनाया जाए। इसके अतिरिक्त, स्थल पर पड़े मलबे का उपयोग लैंडफिल के रूप में करने, वहां बने गड्ढे को झील के रूप में विकसित करने तथा बीच की सड़क के ऊपर वेणुवन की तर्ज पर एक पुल के निर्माण का भी निर्देश दिया गया, जिससे पार्क के एक ओर से दूसरी ओर आसानी से जाया जा सके। वन विभाग को शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जैव विविधता पार्क का निर्माण कार्य हर हाल में निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है और इसके माध्यम से नवादा वासियों को एक स्वच्छ, सुंदर एवं हरित वातावरण प्रदान किया जा सकेगा। निरीक्षण के अवसर पर वन प्रमंडल नवादा के अधिकारी, गोपनीय शाखा के प्रभारी पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद नवादा, अंचलाधिकारी नवादा समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता | नवादा

महिला एवं बाल विकास निगम, मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला हब फॉर एमपावरमेंट ऑफ वीमेन तथा वन स्टॉप सेंटर, नवादा द्वारा +2 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, नवादा सदर में विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला मिशन समन्वयक हेना तबस्सुम ने बताया कि 28 मई को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों को सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी प्रबंधन के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आज भी समाज के कई हिस्सों में मासिक धर्म को लेकर अनेक भ्रांतियाँ हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने "शर्म नहीं, सम्मान है औरत की पहचान है" का नारा देकर माहवारी को लेकर समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान MHM किट (Menstrual Hygiene Management Kit) का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम के जिला परियोजना प्रबंधक अनुग्रह प्रसाद तिग्गा, वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ अमन कुमार, लेखा सहायक निशि, विद्यालय के अधीक्षक, शिक्षकगण, शिक्षिकाए, वार्डन एवं अन्य कर्मीगण उपस्थित रहे।

रौशन और प्रीति ने 800 मीटर दौड़ में मारी बाजी, संसू के स्कूलों में खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने दिखाया दम

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

बिहार सरकार द्वारा आयोजित मशाल खेल प्रतिभा खोज 2024-25 प्रतियोगिता का भव्य आयोजन बुधवार को उत्क्रमित उच्च विद्यालय दाई बिगहा सह संकुल संसाधन केंद्र दाई बिगहा में हुआ। इस प्रतियोगिता में संसू क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च विद्यालय दाई बिगहा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय दाई बिगहा, राजकीय मध्य विद्यालय गारो बिगहा और उत्क्रमित मध्य विद्यालय बभनौर के कई प्रतिभागी छात्रों ने हिस्सा लिया और अपनी खेल क्षमता का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न खेलों में अपनी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 800 मीटर दौड़ में छात्र वर्ग में रौशन कुमार ने बाजी मारी, जबकि छात्राओं में प्रीति कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 60 मीटर दौड़ में आनंद कुमार और शिवांगी कुमारी ने, 100 मीटर दौड़ में मुकेश कुमार और किरण कुमारी ने, तथा 600 मीटर दौड़ में लड्डू कुमार और अंजनी कुमारी ने अपना दबदबा कायम रखा। लॉन्ग जंप में कारू कुमार और मुस्कान कुमारी ने जीत हासिल की। साइकिल रेस में निशि कुमारी, गेंद फेंक में पिंकी कुमारी और सोनम कुमारी ने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीता। कबड्डी में मध्य विद्यालय गारो बिगहा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर टीम भावना का परिचय दिया। खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन संकुल संचालक संजय कुमार के निर्देशन में हुआ, जबकि खेल शिक्षक रविन्द्र पांडेय, मनीष कुमार और ताबिश एजाज ने बच्चों को प्रशिक्षित कर उनकी ऊर्जा और जोश को नई उड़ान दी। मंच संचालन विशिष्ट स्नातक शिक्षक पंकज कुमार ने बड़ी खूबसूरती से किया। प्रतियोगिता के अंत में सभी विजेताओं को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों का उत्साह और भी बढ़ गया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थीं, जिन्होंने बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में खेल के प्रति गजब का उत्साह देखने को मिला, जिससे स्पष्ट हुआ कि संसू क्षेत्र के युवा खेलों में अपने भविष्य को संवारने के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। यह प्रतियोगिता न केवल बच्चों की शारीरिक क्षमता को बढ़ावा देने में सफल रही, बल्कि शिक्षा और खेल के बीच संतुलन स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाई। खेल के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, सहयोग और आत्मविश्वास का विकास हुआ, जो उनके संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक है। इस प्रकार, मशाल खेल प्रतिभा खोज 2024-25 ने संसू क्षेत्र के विद्यार्थियों को खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया और भविष्य के खेल सितारों को उभरने का मंच तैयार किया।

अंधरवारी में भूमि सर्वेक्षण शिविर में भूस्वामियों को दी गई जरूरी मार्गदर्शन

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

वर्षों से अटके पड़े भूमि सर्वेक्षण के कार्य को गति देने और भूस्वामियों की चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से अंचल रजौली के राजस्व ग्राम अंधरवारी (थाना नंबर 231) में बुधवार को भूमि सर्वेक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रकार से आयोजित शिविर न केवल जानकारी का केंद्र बन रहा है। बल्कि इसने स्थानीय रैयतों को अपनी पुश्तैनी जमीनों के सही दस्तावेजीकरण को लेकर एक नई उम्मीद भी दे रही है। जिला बंदोबस्त पदाधिकारी मनोज कुमार ने स्वयं मौके पर पहुंचकर शिविर का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने एक-एक करके भूस्वामियों से मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इस महत्वपूर्ण कार्य को पारदर्शिता से पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। श्री कुमार ने विशेष रूप से भू-सर्वेक्षण से संबंधित दो महत्वपूर्ण प्रपत्रों, प्रपत्र 2 और प्रपत्र 3(1), की बारीकियों को समझाया। उन्होंने सरल भाषा में बताया कि ये प्रपत्र क्यों आवश्यक हैं और इन्हें कैसे भरा जाना चाहिए, जिससे भूस्वामियों के मन में उठ रहे संशय को दूर किया। स्वघोषण प्रपत्र भरने पर विशेष जोर मनोज कुमार ने भूस्वामियों को अपने स्वघोषण प्रपत्र को जल्द से जल्द ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से भरकर जमा करने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि समय पर प्रपत्र जमा करने से न केवल रैयतों का काम आसान होगा, बल्कि पूरी प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब से भी बचा जा सकेगा। इस शिविर की एक और महत्वपूर्ण विशेषता रैयतों की समस्याओं का तत्काल निवारण था। भूमि सर्वेक्षण से संबंधित जितनी भी शिकायतें या प्रश्न भूस्वामियों के मन में थे, उन्हें मौके पर ही उपस्थित अधिकारियों द्वारा सुना गया और उनका समाधान प्रस्तुत किया गया। इससे स्थानीय लोगों में काफी संतोष और विश्वास देखने को मिला। कई भूस्वामियों ने राहत की सांस ली कि उन्हें अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए अब सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। कार्यक्रम के दौरान, राजस्व अधिकारी राधेश्याम यादव, विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी रजौली रौशन सागर, विशेष सर्वेक्षण कानूनगो रितिक राज और अमीन रश्मि राज सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे। इन सभी ने मिलकर शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोगों का मानना है कि इस तरह के जन-केंद्रित शिविर भूमि सर्वेक्षण के कार्य को न केवल गति देंगे, बल्कि त्रुटियों को कम करने और भविष्य में भूमि विवादों को सुलझाने में भी सहायक सिद्ध होंगे। यह कदम सरकार की ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि रिकॉर्ड को आधुनिक और सटीक बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे अंततः आम जनता को ही फायदा होगा।

प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल छात्रों को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

मशाल कार्यक्रम के तहत एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में इंटर विद्यालय नारदीगंज के संकुल स्तरीय प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इंटर विद्यालय नारदीगंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 90 छात्र व छात्राओं को पुरूस्कार देकर सम्मानित किया।इस कार्यक्रम में इंटर विद्यालय नारदीगंज, उत्क्रमित मध्य विद्यालय नारदीगंज, राजकीय बुनियादी विद्यालय नारदीगंज के अलावा उत्क्रमित मध्य विद्यालय नारडीडीह के छात्र व छात्राओं ने दमखम दिखाया था।अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य कृष्णकांत ईचा गुटू ने की। इंटर विद्यालय नारदीगंज के शारिरिक शिक्षक सिमरन सिन्हा, कम्प्यूटर शिक्षक राजकिशोर प्रसाद के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने कहा यह कार्यक्रम 22 मई से 24 मई तक इंटर विद्यालय नारदीगंज के खेल मैदान में संकुल स्तरीय प्रतियोगिता हुई थी। जिसमे एथेलेटिक्स, कबड्डी, साइकिलिंग, फुटबाल, वालीबाल खेल हुआ था।

ओवरलोडेड वाहनों से वसूला 2 लाख 47 हजार रुपए का जुर्माना

निज संवाददाता | नवादा

जिले के बिहार - झारखंड सीमा के रजौली थाना क्षेत्र के समेकित जांच चौकी के समीप झारखंड की ओर से आ रही पांच फ्लाई ऐश लदे ओवरलोडेड वाहनों से परिवहन विभाग ने 2 लाख 47 हजार रुपए का जुर्माना किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी नवीन कुमार पाण्डेय ने बताया कि परिवहन नियमों के पालन एवं ओवरलोडेड वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान चितरकोली जांच चौकी से लेकर एनएच-20 पर पदाधिकारियों की मदद से लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि जांच चौकी पर तीन ओवरलोडेड ट्रकों पर कुल 1 लाख 30 हजार रुपए का जुर्माना किया गया है। वहीं ईएसआई संदीप कुमार के द्वारा फ्लाई ऐश लदे दो ओवरलोडेड ट्रकों से 1 लाख 17 हजार रुपए का जुर्माना किया गया है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि ओवरलोडेड वाहनों के कारण सड़क की आयु घट जाती है और दुर्घटना की असीम संभावना बनी रहती है। जिला में कई वाहनों द्वारा यातायात नियमों का उल्लघंन किया जाता है।इसको लेकर विभाग ने विशेष अभियान चलाया है और यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहनों पर जुर्माना किया जा रहा है। बताया कि ट्रकों एवं हाइवा पर ओवरलोडेड फ्लाई ऐश डस्ट लेकर प्रतिदिन दर्जनों गाड़ियां झारखंड से पटना की ओर जाती है।

विश्व माहवारी धर्म सुरक्षा दिवस पर नीमाटांड विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड क्षेत्र के रजौली पश्चिमी पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय नीमाटांड़ में विश्व माहवारी धर्म सुरक्षा दिवस के अवसर पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधानाध्यापक राजेश कुमार ने किया। वहीं शिक्षिका बबीता कुमारी ने कक्षा 6 से कक्षा 8 के छात्राओं को बताई कि लगभग 13 से 14 वर्ष बाद प्रत्येक 28 दिन बाद किशोरियों को मासिक धर्म आता है, इसीलिए 28 मई को मासिक धर्म दिवस के रूप में चुना गया है। शिक्षिका ने कहा कि आज भी किशोरी लड़कियां जानकारी के अभाव में शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान रहती है। साथ ही लड़कियां इस मामले में किसी से बात नहीं करती हैं, जिससे उन्हें और अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शिक्षिका ने बताई कि मासिक धर्म कोई अपराध नहीं है, बल्कि एक शारीरिक प्रक्रिया है। सही जानकारी देकर किशोरियों एवं महिलाओं को गंभीर इन्फेक्शन और जानलेवा बीमारियों से बचाया जा सकता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक्टिविटीज के द्वारा विद्यालय के युवा छात्राओं को स्वच्छता संबंधी और सेनेटरी पैड के उपयोग की जानकारी देना है। छात्राओं ने हथेली पर लाल रंग की बिंदी बनाकर स्वच्छता पर ध्यान देने की शपथ ली और कही की मासिक धर्म, शर्म नहीं सम्मान है व औरत की पहचान है। कार्यक्रम के साथ छात्राओं ने शपथ ली और पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। मौके पर विद्यालय की सभी शिक्षिका मंजू कुमारी, शिक्षक सुरेश चौधरी, अनुज दास के अलावे दर्जनों ग्रामीण महिलाएं भी उपस्थित थी।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी जाएगी सरकारी योजनाओं की जानकारी

निज संवाददाता | कैमूर (भभुआ)

कैमूर ज़िला में श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार के अंतर्गत बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड, पटना के द्वारा निर्माण श्रमिकों के निबंधन, नवीकरण तथा बोर्ड द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार - प्रसार के लिए पटने की संस्था 'घर आँगन' के कलाकार नुक्कड़ नाटक के माध्यम से इस ज़िला के प्रत्येक प्रखंड में अभियान चलाएंगे। इस अभियान की शुरुआत उप विकास आयुक्त ज्ञान प्रकाश द्वारा हरी झंडी दीखाकर किया गया। मौक़े पर उपस्थित श्रम अधीक्षक चन्दन कुमार ने जानकारी दी कि निर्माण श्रमिकों, उनके आश्रितों के लिए बोर्ड द्वारा संचालित कल्याणकारी 16 योजनाओं जैसे विवाह के लिए वित्तीय सहायता योजना, मातृत्व एवं पितृत्व लाभ योजना, शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता, साइकिल क्रय अनुदान योजना, पेंशन योजना, पारिवारिक पेंशन, मृत्युलाभ, दाह संस्कार हेतु आर्थिक सहायता, औजार क्रय अनुदान योजना, वार्षिक चिकित्सा सहायता योजना, भवन मरम्मत अनुदान योजना, विकलांगता पेंशन, लाभार्थी की चिकित्सा सहायता सरकारी योजनाओं की जानकारी ज़िला के सभी प्रखंडो के निर्धारित तीन स्थलों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी जाएगी। उक्त अवसर पर ज़िला कार्यक्रम अधिकारी राजीव रंजन कुमार, डी. आर. डी. ए. निदेशक प्रीतम आनंद व भभुआ सदर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी दिनेश कुमार केशरी आदि उपस्थित थें।

गांव-गांव जाकर कृषि वैज्ञानिक देंगे किसानों को नवीनतम तकनीक की जानकारी

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत नवादा जिला के सभी 14 प्रखंडों के चयनित 136 गाँवों में गुरुवार 29 मई से कृषक प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के बैनर तले उक्त जागरूकता कार्यक्रम 15 जून तक चलेगा। इसकी जानकारी देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ॰ जयवंत कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़कर उन्हें आवश्यक तकनीकी ज्ञान प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में नवादा जिला के सभी प्रखंडों को शामिल किया गया है। जिसके तहत किसानों को उन्नत बीज, जैविक खेती, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रीकरण, एकीकृत कृषि प्रणाली, पशुपालन, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन एवं सब्जी उत्पादन जैसी विविध कृषि तकनीक की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान आत्मा के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, स्थानीय किसान मित्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक, बिहार कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं विभागीय अधिकारी सक्रिय रूप से सहभागिता करेंगे। भारत सरकार द्वारा संचालित इस विशेष अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि को लाभकारी, आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाना है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

दो दिनों में 12,848 लोगों के बने आयुष्मान कार्ड

आरा। जिले में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी तनय सुलतानिया के निर्देश पर यह शिविर मंगलवार को सभी प्रखंडों में लगाए गए। यह अभियान सोमवार को शुरू हुआ था। दूसरे दिन भी शिविर सफलतापूर्वक चला। शिविरों में जीविका दीदी, आशा कार्यकर्ता, पंचायती राज विभाग के कार्यपालक सहायक, विकास मित्र, ग्रामीण विकास विभाग के आवास सहायक, आंगनवाड़ी सेविका और सहायिका ने सहयोग किया। इनकी मदद से पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। अब तक जिले में कुल 12,848 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। यह अभियान बुधवार को भी जारी रहेगा।

बांध पर सड़क बनाने के पहले लोगों के पुनर्स्थापन की मांग

आरा। शहर में धनुपरा से चंदवा तक गांगी नदी तटबंध पर सड़क बनेगा। सड़क निर्माण के लिए तटबंध पर से अतिक्रमण हटाने की योजना है। इस बीच आरा बांध पर बसे भूमिहीन गरीब परिवारों को उजाड़ने से पहले बसाने की मांग को लेकर मंगलवार को भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पदाधिकारी से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि बांध पर सड़क निर्माण का हम स्वागत करते हैं। लेकिन धरहरा से चौकीपुर तक बसे गरीबों को अंचल कार्यालय से मौखिक हटाने की सूचना दी गई है। बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उजाड़ना अन्याय होगा। गरीबों की सूची तैयार करने के लिए सरकारी कर्मियों को भेजा जाए। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व वार्ड पार्षद अखिलेश बिंद, चंदा देवी और राजन सिंह शामिल थे।

आज ब्रह्मपुर आएंगे केंद्रीय राज्य मंत्री

ब्रह्मपुर| शिवशक्ति पीठम् गौरीशंकर विवाह महोत्सव एवं श्री त्रिदंडी स्वामी सेवा आश्रम ब्रह्मपुर धाम में भारत सरकार के राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे का अभिनंदन समारोह ब्रह्मपुरपीठाधीश्वर आचार्य धर्मेन्द्र जी महाराज के सानिध्य में होगा। कार्यक्रम 28 मई को होगा। इस अवसर पर पंडित सत्य नारायण उपाध्याय की लिखित बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ चालीसा का विमोचन होगा।

1093 प्रारंभिक विद्यालयों में होंगी 11 परीक्षाएं

बक्सर। जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में नया सत्र शुरू हो चुका है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर विभाग ने नए-नए आदेश भी जारी किए हैं। ताकि, नए शैक्षणिक सत्र में छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराया जा सके। अगले महीने गर्मी की छुट्टी भी हो जाएगी। इससे पहले राज्य शिक्षा शोध व प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रारंभिक विद्यालयों के लिए सत्र 2025-26 का परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। जारी कैलेंडर में मासिक परीक्षा, त्रैमासिक परीक्षा, अर्द्धवार्षिक परीक्षा से लेकर वार्षिक परीक्षा का समय निर्धारित किया गया है। जिले की सभी प्रारंभिक स्कूलों में चल रहे नए शैक्षणिक सत्र में कुल 11 परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद की संयुक्त निदेशक सुषमा कुमारी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी व सर्वशिक्षा अभियान के डीपीओ को पत्र भी जारी किया गया है। सात मासिक परीक्षाएं होंगी राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा जारी किए गए कैलेंडर के अनुसार नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 7 मासिक परीक्षा का आयोजन प्रारंभिक विद्यालयों में किया जाएगा। वहीं सितंबर 2025 में अर्द्धवार्षिक परीक्षा और मार्च 2026 में वार्षिक परीक्षा होगी। जून 2025 में पहली त्रैमासिक परीक्षा व दिसंबर में दूसरी त्रैमासिक परीक्षा होगी। मासिक परीक्षा की बात करें तो पहली परीक्षा मई के बाद जुलाई, अगस्त, अक्टूबर, नवंबर 2025 में होगी। इसके बाद जनवरी, फरवरी 2026 में मासिक परीक्षा होगी। ई-शिक्षा कोष पर रहेंगे प्रश्न पत्र पत्र के अनुसार सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त प्रारंभिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की मासिक, प्रथम त्रैमासिक एवं द्वितीय त्रैमासिक परीक्षा- 2025 के प्रश्न पत्र ई-शिक्षाकोष के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। डीईओ को निर्देश किया गया है कि इसकी जानकारी सभी प्रधानाध्यापकों को उपलब्ध करायी जाए। सभी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र ई-शिक्षा कोष द्वारा उपलब्ध कराया जाना है। बता दें कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि मासिक परीक्षा के प्रश्न पत्र ई-शिक्षा कोष पर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। संबंधित विद्यालयों को प्रश्न पत्र ई-शिक्षाकोष पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। जिसका उपयोग विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों द्वारा किया जाएगा।

15 जून के बाद ही जिले की नहरों में आएगा पानी

बक्सर। रोहिणी नक्षत्र शुरू हो चुका है तथा किसान खेतों में बिचड़े डालने की तैयारी में जुटे हुए हैं। इधर जिले के गंगा पंप नहर तथा सोन पंप नहर से संचालित नहरों में तथा सबंधित वितरणियों में पानी नहीं है, जिससे किसान परेशान है। फिलहाल तेज बारिश होने की संभावना भी नहीं है। जिले के किसानों का कहना है कि रोहिणी नक्षत्र शुरू होने के साथ हीं नहरों में पानी आ जानी चाहिए, ताकि किसान आसानी से बिचड़ा गिरा सके, लेकिन किसानों को उम्मीद थी कि 1 जून से नहरों में पानी आ जानी चाहिए, लेकिन फिलहाल यह उम्मीद हीं नजर आ रही है। गंगा पंप नहर के कार्यपालक अभियंता वीरेंद्र कुमार व सोन पंप नहर के कार्यपालक अभियंता धर्मेंद्र भारती ने बताया कि कि फिलहाल नहरों में पानी आने की संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि 15 जून के बाद ही सोन नहर प्रणाली में पानी आने की संभावना है, क्योंकि विभाग के द्वारा 2-3 दिन पहले ही पत्र जारी कर जानकारी दी गयी है। बता दें कि फिलहाल नौतपा शुरू है, लेकिन नौतपा में तेज धूप नहीं हो रही है, वहीं प्री मॉनसून की बारिश की बात करें तो फिलहाल प्री मानसून की बारिश भी जिले में पर्याप्त नहीं हुई है, जिसके कारण से खेती बाड़ी में परेशानी आ रही है। खेतों में नमी भी पर्याप्त नहीं है। फिर भी जिले के किसान मोटर पंप, सबमर्सिबल पंप सेट के सहारे खेतों में बिचड़ा गिराने में जुटे हुए हैं।

राजपुर से देसी-विदेशी शराब की गयी जब्त

बक्सर| राजपुर थाना क्षेत्र के जलहरा गांव के पास से सोमवार की रात पुलिस ने देसी एवं विदेशी शराब की खेप जब्त की गयी। समकालीन अभियान के तहत पुलिस ने 239 बोतल शराब तथा एक बिना नंबर की बाइक जब्त की। तस्कर पुलिस को देखकर भाग गया। जानकारी के अनुसार बक्सर पुलिस इन दिनों अवैध शराब कारोबार के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चला रही है। सोमवार की रात राजपुर थाना पुलिस की एक टीम जलहरा गांव के पास गश्ती कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को संदेहास्पद गतिविधि का आभास हुआ और जैसे ही पुलिस वाहन वहां पहुंचा, दो युवक बाइक छोड़कर भाग खड़े हुए। मौके पर छोड़ी गई बजाज प्लैटिना मोटरसाइकिल की जब जांच की गई तो उसके पास लावारिस अवस्था में रखे गए कई बैग मिले। बैगों को खोलने पर उनमें देशी और विदेशी ब्रांड की कुल 239 बोतलें शराब पाई गईं।

बिजौली में पोल्ट्री फार्म से ढाई क्विंटल मुर्गा चोरी

बक्सर| बिजौली गांव के पास गंज संकरी मौजा में स्थित पोल्ट्री फार्म से बीती रात चोरों ने ढाई क्विंटल मुर्गा और एक इलेक्ट्रिक कांटा चुरा लिया। इस संबंध में फार्म संचालक मदन कुमार यादव ने राजपुर थाने में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना सोमवार रात की है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार श्री यादव ने बताया कि रात के अंधेरे का फायदा उठाकर चोर फार्म के पीछे की ओर से घुसे और वहां लगी तार की जाली को तोड़कर भीतर प्रवेश किया। इसके बाद फार्म के अंदर रखे मुर्गों में से लगभग ढाई क्विंटल मुर्गा और इलेक्ट्रिक कांटा चुरा लिया। मंगलवार की सुबह जब फार्म संचालक मुर्गों को चारा-पानी देने पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। उन्होंने आसपास के इलाकों में इसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला।

भोजपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने कार में मारी टक्कर

आरा। बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत 6 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरौल गांव के पेट्रोल पंप के पास का है। दूल्हा-दुल्हन की हालत गंभीर है। बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया है। घायलों की पहचान इनरपतपुर निवासी दुल्हन ललिता देवी(21), इसी गांव के ऋतिक कुमार(14), रंजमडीहल निवासी दूल्हा मोनू कुमार(25), रिश्तेदार प्रतिमा कुमारी(8), शिवानी कुमारी(7) और ड्राइवर सोनू सिंह के तौर पर हुई है।

बक्सर ट्रिपल मर्डर केस, पीड़ित परिवार से मिले पप्पू यादव

निज संवाददाता | बक्सर

बक्सर के अहियापुर गांव में हुए त्रिपल मर्डर केस को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। रविवार को पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। पीड़ितों की हालत देखकर सांसद भावुक हो गए। उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "सिंदूर की इज्जत कीजिए, इसका सौदा मत कीजिए।" सांसद जैसे ही मृतकों के घर पहुंचे, वहां का दृश्य बेहद भावुक हो गया। विधवा महिलाएं और मासूम बच्चे पप्पू यादव के पैर पकड़कर फूट-फूट कर रोने लगे। कुछ महिलाएं बेहोश तक हो गईं, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरातफरी मच गई। इतने गहरे दुख और पीड़ा को देखकर पप्पू यादव खुद भी रो पड़े।

मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग: पप्पू यादव ने कहा कि जब तक अपराधियों को फांसी की सजा नहीं होती, वे चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने सरकार से प्रत्येक पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपए मुआवजा, एक-एक सरकारी नौकरी और परिवार की पूर्ण सुरक्षा देने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा, "हम सात बार सांसद बने हैं, लेकिन कभी किसी माफिया या डॉक्टर से वोट

मांगने नहीं गए। राजनीति का यह सौदागरी रूप बर्दाश्त नहीं करेंगे।"

केंद्र सरकार पर तीखा हमला: पप्पू यादव ने इस मौके पर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि, "यह देश अब सिंदूर के सौदागरों के हाथ में है। वे महिलाओं की हिफाजत नहीं कर सकते, बस वोट लेते हैं और राजनीति का गंदा खेल खेलते हैं।" महिलाओं ने भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब देश के भीतर भी जरूरी है।

बिहार सरकार को बताया 'धृतराष्ट्र': पप्पू यादव ने बिहार सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उसे धृतराष्ट्र कहा, जबकि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को विभीषण की संज्ञा दी। उन्होंने कहा, "जिन पांच लोगों को दिन-दहाड़े गोली मार दी गई, क्या वे यादव नहीं थे? इतनी बड़ी घटना पर सत्ता और विपक्ष दोनों की चुप्पी आतंक को स्थापित करने जैसा है।" उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि "क्या यादव होने की वजह से इंसाफ नहीं मिलेगा? सत्ता पक्ष के नेता कहां हैं? अगर यह परिवार यादव है, तो क्या इन्हें मर जाने दिया जाएगा?" पप्पू यादव ने यह भी कहा, "मैं विपक्ष से भी पूछना चाहता हूं – ये लोग आपके हैं या नहीं? अगर यादव और गरीब न हों, तो आपके दरवाजे पर एक कुत्ता भी नहीं भौंकेगा।" पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि जिन लोगों पर हत्याकांड का आरोप है, मनोज और संतोष। उनके खिलाफ वे चार साल पहले भी बक्सर आए थे। "एक बार सतेंद्र की घटना में और दूसरी बार एक और हत्याकांड में इनका नाम सामने आया था," उन्होंने कहा कि ये पहले से हीं कुख्यात है।

मृत्युंजय सिंह का बेटा करता है मर्डर: पटना में अपराध की स्थिति का हवाला देते हुए पप्पू यादव ने कहा, "जब अपराधियों से पटना सुरक्षित नहीं है, तो पूरे बिहार की क्या स्थिति होगी?" उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बोरिंग रोड पर मृत्युंजय सिंह का बेटा एडीजी के सामने गोली चलाता है और अगले दिन फिर हत्या कर देता है।

भोजपुर में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर के नवादा थाना क्षेत्र में पिता की डांट से नाराज होकर छात्र ने फांसी लगा ली। अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में मौत हो गई। मृतक निखिल कुमार(20) बक्सर के भदारा गांव का रहने वाला था। परिवार के साथ किराए के घर में जैन कॉलेज के पास रहता था।

पिता ने दोस्तों के सामने डांटा था: मृतक की मां ने बताया कि बेटा आईपीएल में सट्टा लगाता था। काफी पैसा हार चुका था। घर के लोग बहुत परेशान थे। मंगलवार देर शाम मोहल्ले में अपने दोस्त के साथ बैठा था। इस दौरान उसके पिता ने दोस्तों के सामने उसे बहुत डांटा। कुछ देर बाद घर आया। मेरे से

◆ आईपीएल में सट्टा लगाता था, दोस्तों के सामने पिता ने डांटा था, कहा- आज के बाद तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा

खाना मांगकर खिया। पिता ने दोबारा फटकार लगाते हुए कहा कि आज के बाद तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा। खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। काफी देर बाद कमरे के अंदर झांककर देखा तो फंदे से लटक रहा था। आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर हुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

भोजपुर पहुंचा आईआरबी जवान का पार्थिव शरीर

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र निवासी आईआरबी जवान सुधीर की सोमवार देर शाम सड़क हादसे में मौत हो गई। ड्यूटी खत्म होने के बाद घर लौटते समय मुसाबनी-घाटशिला मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। साइकिल से घर लौट रहे थे। आइआरबी-टू चाईबासा में पोस्टिंग थी। बुधवार को पार्थीव शरीर के घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी नेहा कुमारी बार-बार बेहोश हो जा रही थी। सुधीर की मां एतबारो देवी और पिता राम लड्डू सिंह के भी आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहा है। पूरे गांव में गम का माहौल है। लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

किसे पता था, बेटा लौटकर घर नहीं आएगा: अंतिम विदाई देने के लिए पूरा गांव उमड़ पड़ा है। संदेश के पूर्व विधायक अरुण यादव ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। पिता राम लड्डू सिंह ने बताया कि फरवरी में

भतीजी की शादी में बेटा घर आया था। शादी खत्म होते ही ड्यूटी पर लौट गया था। उसके बाद से मेरी बात नहीं हो पाई थी। कुछ समझ में नहीं आ रहा है क्या हो गया। मां एतबारो देवी की भी हालत काफी खराब है। उन्होंने बताया कि फरवरी में बेटा जब घर आया था, तब अच्छे से बात हुई थी। उसके बाद नहीं हो सकी। किसे पता था वो अब लौटकर घर नहीं आएगा।

तेज रफ्तार ट्रक ने रौंद दिया: आईआरबी के दरोगा शशि भूषण सिंह ने बताया कि 26 मई को सुधीर मैगजीन गार्ड की ड्यूटी पर थे। ड्यूटी खत्म कर शाम 4:00 बजे नीचे उतर गए थे। 4 बजकर 20 मिनट पर हथियार, गोली जमा करके घर के लिए निकले थे। सात मिनट बाद ही सूचना मिली कि ट्रक ने उन्हें कुचल दिया।

राजपुर में ट्रेलर-ऑटो की टक्कर, ड्राइवर की मौत

निज संवाददाता | बक्सर

बक्सर में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना राजपुर थाना क्षेत्र के करेला गांव के पास हुई। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों समेत आठ यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने ऑटो को मारी टक्कर: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तेज रफ्तार ट्रेलर ट्रक ने सामने चल रहे ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पलट गया और उसमें सवार सभी यात्री सड़क पर जा गिरे।मृतक ऑटो चालक की पहचान शंभू नाथ बैठा (50 वर्ष), निवासी वैदाहा के रूप में हुई है।

घायलों में एक ही परिवार के 4 लोग: हादसे में घायल यात्रियों में से चार एक ही परिवार

से हैं, जिनमें कृष्णा सिंह (50), कुमारी रीता (30), नीतू कुमारी (20) और अभिषेक कुमार (21) हैं। सभी सखुआना गांव के निवासी हैं। अन्य घायलों में नीरज कुमार (13) बघेलवा गांव, ज्वाला कुमार (23) देआदहा रोहतास शामिल हैं। वहीं, दो अन्य घायलों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

स्थिति गंभीर, हायर सेंटर के लिए रेफर: सभी घायलों को पहले राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें बक्सर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।डॉ. एस सी मिश्रा ने बताया कि सभी की हालत गंभीर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर भेजा जाएगा।

प्रशासन मौके पर, ट्रक चालक फरार: राजपुर थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेजा गया है।हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।राजपुर बीडीओ सिद्धार्थ कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

स्पीड ब्रेकर और ट्रैफिक निगरानी की मांग: घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। उनका कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की तेज गति और लापरवाही के चलते अक्सर हादसे होते हैं। उन्होंने प्रशासन से सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने और ट्रैफिक निगरानी की व्यवस्था करने की मांग की है। यदि आप चाहें, तो मैं इस रिपोर्ट का वीडियो स्क्रिप्ट, रेडियो बुलेटिन संस्करण, या सोशल मीडिया के लिए शॉर्ट हेडलाइंस भी तैयार कर सकता हूँ।

भतीजे ने चाचा समेत 2 लोगों को मारी गोली

निज संवाददाता | आरा

भोजपुर में जमीन विवाद में भतीजे ने चाचा समेत 2 लोगों को गोली मार दी। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 5 कट्ठा जमीन को लेकर पिछले छह महीने से चाचा-भतीजे के बीच विवाद चल रहा था। घायलों की पहचान गजेंद्र कुमार(35) और सिंटू कुमार(38) के तौर पर हुई है। गजेंद्र को दाहिने हाथ और सिंटू को कमर में गोली लगी है। घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र के अहिले गांव की है।

जान से मारने की धमकी मिली थी: गजेंद्र ने बताया कि पिछले साल 25 दिसंबर को मां की मौत हो गई थी। उसके बाद से भाभी लीलावती देवी और भतीजे संजीत, सुजीत परेशान कर रहे हैं। जमीन में हिस्सा मांग रहे हैं। ये लोग अक्सर मेरे साथ मारपीट भी करते हैं। मंगलवार को इसी विवाद में संजीत ने मारपीट की थी। गुस्से

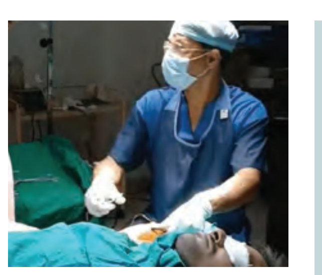

में उसे थप्पड़ मार दिया था। उसने जान से मारने की धमकी दी थी। देर शाम गांव में शिव मंदिर के पास खड़ा होकर किसी से बात कर रहा था। मेरे साथ सिंटू भी था। इस दौरान दोनों भाई कट्टा लेकर पहुंचा और फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली मुझे लगी है। भागने के दौरान सिंटू को भी कमर में गोली लगी है। आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे।

ऑपरेशन करके बुलेट निकाला: वहीं, डॉक्टर विकास सिंह ने बताया कि ऑपरेशन करके बुलेट निकाल दिया गया है। दोनों मरीज की हालत फिलहाल ठीक है। अभी

◆ भोजपुर में 5 कट्ठा जमीन का चल रहा था विवाद, एक दिन पहले जान से मारने की धमकी दी थी

ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा। घबराने की कोई बात नहीं है।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी: वहीं, नारायणपुर थाना के दरोगा अमित कुमार ने बताया कि मंगलवार की सुबह देवर-भाभी में झगड़ा हुआ था। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। दोनों पक्ष को समझा-बुझाकर शांत करा दिया गया था। कुछ देर बाद सूचना मिली को दो लोगों को गोली मार दी गई है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

अहियापुर तिहरे हत्याकांड में लापरवाही

निज संवाददाता | बक्सर

बक्सर के राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में हुए तिहरे हत्याकांड के मामले में थानाध्यक्ष संतोष कुमार पर गाज गिर गई है। आरोपों की जांच के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। डीआईजी शाहाबाद रेंज के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। सोमवार को उन्हें लाइन क्लोज कर पद से हटाया गया था, जिसके बाद मंगलवार को औपचारिक निलंबन आदेश जारी किया गया। राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में

थानाध्यक्ष पर लगाए गए गंभीर आरोप: तिहरे हत्याकांड के बाद पीड़ित परिवारों ने पुलिस पर सवाल खड़े करते हुए थानाध्यक्ष की भूमिका को संदिग्ध बताया था। परिजनों का आरोप था कि संतोष कुमार अक्सर आरोपियों के घरों में देखे जाते थे, और वहां पार्टी करने की भी बातें सामने आईं। पीड़ितों ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने की मांग की थी।

जांच में पुष्टि के बाद कार्रवाई: घटना के बाद एसपी शुभम आर्य ने मामले की जांच कराई। जांच रिपोर्ट में संतोष कुमार की भूमिका स्पष्ट नहीं पाई गई और व्यवहार को लापरवाहीपूर्ण व संदिग्ध माना गया। इसके आधार पर उन्हें निलंबित करने की अनुशंसा की गई थी, जिसे डीआईजी ने मंजूरी दे दी।

ज्ञानप्रकाश को सौंपी राजपुर थाना की कमान: राजपुर थाने की नई जिम्मेदारी अब ज्ञानप्रकाश को दी गई है, जो इससे पहले धनसोई

◆ बक्सर के राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार निलंबित, ज्ञानप्रकाश को मिली कमान

थाना में तैनात थे। वे अपनी कड़क कार्यशैली और निष्पक्ष छवि के लिए जाने जाते हैं। उम्मीद है कि उनके आने से क्षेत्र में पुलिसिंग में सुधार आएगा और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलने की प्रक्रिया तेज होगी।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल: अहियापुर कांड के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश था। थाने की निष्क्रियता और पक्षपात के आरोपों से पुलिस की साख पर सवाल उठे थे। थानाध्यक्ष के निलंबन को लोग पीड़ित परिवारों की नैतिक जीत के रूप में देख रहे हैं। इस कदम को पुलिस विभाग में जवाबदेही और पारदर्शिता की दिशा में एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

महंगाई-बेरोजगारी से मुक्ति के लिए कांग्रेस ने चलाया अभियान

निज संवाददाता | आरा

बिहारी मिल रोड में रविवार को सामुदायिक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने की। उन्होंने कहा, देश और प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बेलगाम हो गया है। आम लोगों को न्याय नहीं मिल रहा। लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। इन समस्याओं से मुक्ति के लिए कांग्रेस से जुड़ना जरूरी है। अशोक यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सरकारी नौकरियों में स्थायी नियुक्ति के लिए प्रयास करेगी। अग्निवीर जैसी योजना को खत्म किया जाएगा। बैठक में बिहार बार काउंसिल के सदस्य पन्नग कुमार त्रिपाठी ने कहा, भारत के लोकतंत्र पर एक नया तंत्र हावी हो रहा है। यह आने वाले समय के लिए खतरनाक है। सामुदायिक एकता को नफरत के जरिए तोड़ा जा रहा है। ऐसे लोगों से सावधान रहना होगा। राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश सचिव आनंद तिवारी ने कहा कि देश में बेरोजगारी बढ़ी है। शिक्षा नीति बर्बाद हो चुकी है। गरीबों के बच्चों को समुचित शिक्षा नहीं मिल पा रही। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार जिम्मेदार है।

पीएम का बीच में सीजफायर करना गलत : श्वेता सिंह

निज संवाददाता | आरा

झारखंड की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन की माई बहन मान योजना जन-कल्याणकारी है। जिस प्रकार झारखंड में सरकार की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना है। बिहार में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बाद माई बहन मान योजना लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाना है। इस योजना के तहत महिलाओं को हर माह 2500 की सहायता राशि दी जाएगी। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी। वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकेंगी। छोटी-छोटी जरूरत के लिए वह दूसरों पर निर्भर नहीं रहेंगे। विधायक श्वेता सिंह मंगलवार को भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला कार्यालय शहीद भवन में प्रेस-वार्ता में बोल रही थीं। वे झारखंड में बोकारो विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान विधायक हैं। श्वेता

ने आगे कहा; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ बातें बनाते हैं। प्रधानमंत्री ने पहलगाम घटना के बाद कहा कि सेना को पूरी छूट दे दिया गया है। लेकिन बीच में ही सीजफायर कर दिया। बिहार में कांग्रेस रोजगार के सवालों को प्रमुखता से उठाएगी। राजद विधायक तेज प्रताप यादव के बारे सवालों पर श्वेता ने कहा कि यह उनका निजी मामला है। मैं यहां सिर्फ विकास की बात करने आई हूं। जिलाध्यक्ष अशोक राम ने कहा कि माई बहन मान योजना की जानकारी और लाभों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है।कांग्रेस पार्टी इस अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रही है। कोई भी पात्र महिला योजना से वंचित नहीं रहेगी। प्रेस वार्ता में जिला प्रवक्ता डॉ. अमित कुमार द्विवेदी ने कहा कि आज भोजपुर जिले में माई बहन मान योजना को लांच किया गया है। प्रेस-वार्ता में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सचिव रीता सिंह, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह, उपेंद्र कुमार सिंह, श्रीधर तिवारी और अन्य थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि मनाया मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 61 वीं पुण्यतिथि भोजपुर जिला कांग्रेस कमेटी ने श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कांग्रेस कार्यालय के सभागार में काफी संख्या में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में कार्यकर्ता आए हुए थे। अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक राम ने की। मुख्य अतिथि झारखंड की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि भारत के निर्माण और विकास में पंडित जवाहरलाल नेहरू का बहुमूल्य योगदान है। इस मौके पर कांग्रेस की प्रदेश सचिव रीता सिंह, जिला प्रवक्ता अमित कुमार द्विवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह, बीरेंद्र मिश्रा, राजेंद्र ओझा, डॉ. श्रीधर तिवारी, प्रो. अरुण सिंह, पन्नग त्रिपाठी, अमिता पांडेय, संतोष पांडेय, घनश्याम उपाध्याय, अशोक यादव, श्यामसुंदर पांडेय उर्फ बिजली बाबा, मुकेश चंद्रवंशी, शिव शशंकर चौबे, रामानुज दुबे, रिपुंजय ओझा, राकेश त्रिपाठी, नर्वदेश्वर ओझा, प्रभा सिंह यादव, रंजीत यादव, अरविंद कुमार सिंह, अमरनाथ पासवान, गजेंद्र चौधरी, अजय कुमार पासवान, उदय कुमार, घनश्याम चौधरी, आनंद तिवारी, बीरेंद्र सिंह और अन्य थे।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

डीबीए में चल रहे निर्माण कार्य को निगम ने रोका

भागलपुर। नगर निगम ने जिला विधिज्ञ संघ (डीबीए) में हो रहे निर्माण कार्य को रोक दिया है। नगर आयुक्त ने इसका पत्र जारी कर डीबीए के महासचिव को जमीन से जुड़े डॉक्यूमेंट लेकर 29 मई को अपना पक्ष रखने को कहा है। पत्र में कहा गया कि यह निर्माण कार्य बिना अनुमति के कराने की शिकायत मिली थी। इसकी जांच सहायक टाउन प्लानर से कराई गई। जांच रिपोर्ट में 2650 वर्ग फीट में बिना नक्शा पास कराए निर्माण कार्य कराए जाने की बात कही गई है। इस निर्माण कार्य को तुरंत बंद कर दें और जमीन के स्वामित्व से जुड़े डॉक्यूमेंट के साथ अपना पक्ष रखें। मामले को लेकर डीबीए के महासचिव अंजनी कुमार दुबे ने कहा कि डीबीए में तीन हजार से अधिक अधिवक्ता हैं। यह निर्माण कार्य उनके बैठने की व्यवस्था के लिए कराया जा रहा था। पूर्व में भी कई मौकों पर निर्माण कार्य होते रहे हैं, लेकिन इस बार हो रहे निर्माण कार्य को लेकर एक-दो अधिवक्ता परेशान थे और उन्होंने इसकी शिकायत की थी। ये वैसे अधिवक्ता हैं जो विधिक कार्य में भी शामिल नहीं रहते हैं। डीबीए जमीन से जुड़े सभी डॉक्यूमेंट के साथ नगर निगम में अपना पक्ष रखेगा। इधर डीबीए बचाओ संघर्ष समिति के महासचिव कपिलदेव कुमार ने कहा कि उनलोगों ने डीबीए के अध्यक्ष को पूर्व में ही बताया था कि निर्माण कार्य गलत हो रहा है। इसलिए अधिवक्ता कोष की राशि का दुरूपयोग रोका जाए। इस जमीन पर टाइटल सूट लंबित है।

एक्यूप्रेशर एक्ट बनाकर बीएवाईसी के सानिध्य में विधानसभा में होगा हर काम

भागलपुर। बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज, भारतीय एक्यूप्रेशर योग परिषद और स्वास्थ्य जागरूकता मिशन ने 32वें राष्ट्रीय एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर सम्मेलन संयुक्त रूप से अधिवेशन भवन पटना में किया। मुख्य अतिथि विधान सभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने कहा कि एक्यूप्रेशर एक्ट बनाकर बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज के सानिध्य में हर काम विधान सभा में बीएएसी के माध्यम से पूरा होगा। एक्यूप्रेशर चिकित्सा को पौराणिक तथा उपयोगी बताते हुए सम्मेलन के सह संयोजक और कॉलेज के सचिव डॉ. अजय प्रकाश की सराहना की। पर्यावरण मंत्री प्रेम कुमार, पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री रामकृपाल यादव, अश्विनी कुमार चौबे ने एक्यूप्रेशर विधा की प्रशंसा की। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए एक्यूप्रेशर चिकित्सक डॉ. सर्वदेव प्रसाद गुप्त ने कहा कि वर्तमान में असाध्य समझे जाने वाले रोग, अन्तःस्त्रावी ग्रंथि जनित रोग जैसे फैटी लीवर, डायबिटीज, ब्लडप्रेशर की सफल चिकित्सा एक्यूप्रेशर से की जाती है। संयोजक डॉ. अजय प्रकाश ने बताया कि समाज के अन्तिम व्यक्ति तक एक्यूप्रेशर चिकित्सा का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। श्रीलंका ओपेन यूनिवर्सिटी के डॉ. श्रीप्रकाश बरनवाल ने बताया कि एक्यूप्रेशर भारत से ही सम्पूर्ण विश्व में गया है। बीएवाईसी कॉलेज के माध्यम से सात देशों में संस्थान स्थापित कर शिक्षण एवं चिकित्सा कार्य संचालित किया जा रहा है। एक्यूप्रेशर जनक डॉ. चन्द्रमा प्रसाद गुप्त की 104वीं जयंती पर आयोजित महासम्मेलन में 26वां व्याख्यानमाला उनके परपोता सर्वप्रकाश द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ. सर्वदेव प्रसाद गुप्त और डॉ. अजय प्रकाश द्वारा लिखित मधुमेह, बुजुर्ग रोग, मानसिक रोग, मानव शरीर एवं पंच महाभूत नामक चार पुस्तकों, डॉ. एलपी सिंह लिखित ह्यूमन फिजियोलॉजी पुस्तक व आयुष्मान भवः स्मारिका का विमोचन किया गया। देश-विदेश के 45 चिकित्सकों को एक्यूप्रेशर रत्न एंव गोल्ड से सम्मानित किया गया।

उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय सोनूडीह परिसर की बोरिंग फेल, हैंडपंप भी खराब

गोराडीह। प्रखंड के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय सोनूडीह में पानी की किल्लत है। विद्यालय परिसर में कराई गई बोरिंग तीन साल पहले ही फेल हो गई थी। अब एम माह से हैंडपंप भी खराब पड़ा है। इससे विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीने तथा एमडीएम बनाने के लिए रसोइया करीब 200 मीटर दूर मध्य विद्यालय से पानी ढोकर लाता है। मध्य विद्यालय परिसर में लगाए गए हैंडपंप भी खराब हो गया है। अगर बिजली नहीं रहती है तो वहां से भी पानी नहीं मिल पाता है। इस विद्यालय में 273 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक पंकज कुमार ने बताया कि बोरिंग तो पहले से ही फेल है। अब हैंडपंप खराब होने के बाद पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। बोरिंग और हैंडपंप को ठीक कराने के लिए कई बार विभाग के अधिकारियों को आवेदन दिया। लेकिन, अब तक इस समस्या का समाधान नहीं हुआ है। फिलहाल किसी तरह मध्य विद्यालय से पानी लाकर काम चलाया जा रहा है। पीएचईडी इस समस्या से अनजान बना हुआ है। इस संबंध में पूछे जाने पर पीएचईडी के जेई ने कहा कि मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है। अगर बोरिंग और हैंडपंप दोनों खराब है तो इसकी मरम्मत कराई जाएगी। शिक्षकों ने बताया कि स्कूल की स्थापना 2013 में हुई थी। परंतु 12 वर्ष बीत जाने के बाद भी विद्यालय की चहारदीवारी नहीं बनाई गई है।

शराबबंदी की आड़ में महिलाएं हो रहीं प्रताड़ित

भागलपुर। बिहार में शराबबंदी की आड़ में पुलिस महिलाओं का उत्पीड़न कर रही है। अगर शराब पकड़ने के मामले में किसी को गिरफ्तार करना है तो पुलिस को स्वयं पर कार्रवाई करनी चाहिए। जब शराब राज्य में बननी नहीं तो आती कहां से है। पड़ोसी राज्यों के साथ साझा होने वाले सीमा क्षेत्रों से शराब अंदर कैसे आ जाता है। नीतीश कुमार की सरकार में शराबबंदी पूरी तरह से फेल है। यह बातें पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद रेणु कुशवाहा ने प्रेसवार्ता में कही। 26 मई को नयाचक (पुराना शंकर रेस गोदाम) के पास पुलिस ने जमीन कारोबारी राजकुमार रंजन के घर पर छापेमारी की थी। देर रात हुई छापेमारी में पुलिस को शराब की खाली बोतलें सहित आधी बोतल शराब भी मिली थी। हालांकि पुलिस को जमीन कारोबारी नहीं मिला था। पुलिस ने जमीन कारोबारी की पत्नी को हिरासत में लेकर बाद में जेल भेज दिया था। पत्नी के साथ उसके नाबालिग बच्चे को जेल में रखा गया। मामले ने राजनीतिक रूप ले लिया है। निजी कार्यक्रम से शहर पहुंची पूर्व सांसद और मंत्री रेणु कुशवाहा ने बताया कि पुलिस की ये ज्यादती है। कहा कि जब पुलिस ने कारोबारी की पत्नी को हिरासत में लिया तो महिला पुलिस बल नहीं थी। पुरुष सिपाहियों ने ही महिला को गिरफ्तार किया। रेणु देवी ने पुलिस पर आरोप लगाया कि बेसमय पुलिस ने कारोबारी की पत्नी को हिरासत में लिया। उन्होंने राज्य में शराबबंदी कानून फेल होने का आरोप सरकार पर लगाया। इसका ठीकरा उन्होंने पुलिस पर ही फोड़ा। आरोप लगाते हुए रेणु कुशवाहा ने कहा कि शराबबंदी की आड़ में पुलिस महिलाओं का उत्पीड़न कर रही है। रेणु देवी के साथ सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता में बैठे बीपीएल पार्टी के एडवोकेट सुनील कुमार ने कहा कि मामले को लेकर वे सब हाइकोर्ट जाएंगे, जहां पुलिस की मनमानी और महिलाओं से दुर्व्यवहार की बात कोर्ट के सामने रखी जाएगी। जेपी सेनानी रहे वीके कुशवाहा ने कहा कि शराब के आने का सोर्स पुलिस को पकड़ना चाहिए। अगर पुलिस ये करती है तो राज्य में शराब घुस नहीं सकती है। शराब पुलिस की उगाही का सबसे बड़ा हथियार है।

बारिश के मौसम में सड़क की हालत खराब ग्रामीणों को नहीं मिल रहा शुद्ध पीने का पानी

डीडीसी को शिकायत की

निज संवाददाता | भागलपुर

भागलपुर के बिहपुर प्रखंड स्थित हरियो गांव में विकास की स्थिति ठीक नहीं है। गांव में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। यहां न तो पक्की सड़क है और न ही शुद्ध पेयजल की व्यवस्था है। स्थानीय निवासियों के अनुसार बरसात के मौसम में गांव पूरी तरह से कट जाता है। आंगनबाड़ी केंद्र नियमित रूप से नहीं खुलते, जिससे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पोषण नहीं मिल पाता है। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से ग्रामीणों को इलाज के लिए कई किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना की स्थिति भी गांव में खराब है। पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन या तो पानी आता नहीं है या गंदा पानी आता है। कई घरों में अभी तक नल कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। ग्रामीण अब भी पीने के पानी के लिए कुओं और तालाबों पर निर्भर हैं।

गरीबों को नहीं मिल रहा फायदाः स्वास्थ्य केंद्र और उपकेंद्र या तो बंद रहते हैं या वहां चिकित्सा कर्मी नहीं आते। इससे गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं का फायदा नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीण सुभाष चौधरी, रतन चौधरी, विश्वजीत चौधरी का कहना है कि विकास योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित हैं।

गांव वालों का फूटा गुस्सा, डीडीसी को सौंपा गया आवेदनः समस्याओं से तंग आकर गांववासियों ने एकजुट होकर भागलपुर के डीडीसी (उप विकास आयुक्त) प्रदीप कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अपनी व्यथा बताते हुए मांग की कि गांव को जल्द से जल्द बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाएं। गांव के एक बुजुर्ग ग्रामीण ने बताया, "हमने कई बार स्थानीय वीडियो (ग्राम विकास पदाधिकारी) से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब उम्मीद है कि जिला स्तर पर बात पहुंचने से कुछ हल निकलेगा। डीडीसी प्रदीप कुमार सिंह ने इस मामले में तत्काल संज्ञान लेते हुए भरोसा दिलाया कि बहुत जल्द एक टीम गांव का दौरा करेगी और सभी समस्याओं की रिपोर्ट बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि "हरियो गांव को जल्द ही सड़क, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। ्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है।" साथ ही उन्होंने कहा कि बहुत जल्द एक पांच सदस्य टीम बनाई जाएगी और यह भी विचार किया जाएगा कि आखिर अभी तक इस गांव में किसी भी तरह की मूलभूत सुविधाएं क्यों उपलब्ध नहीं है।

सरकारी दावों और जमीनी सच्चाई में फर्कः हरियो गांव की स्थिति यह दर्शाती है कि सरकारी योजनाएं कागजों पर तो पूरी होती हैं। लेकिन असल जिंदगी में उनका असर नहीं दिखता। मामला केवल हरियो गांव का नहीं है, बल्कि बिहार के कई इलाकों में ऐसी ही विकासहीनता देखने को मिलती है। सरकार को चाहिए कि वह ऐसी परियोजनाओं की केवल उद्घाटन नहीं करे, बल्कि उनकी निगरानी और निष्पादन पर भी ध्यान दे, ताकि योजनाओं का असली फायदा ग्रामीणों तक पहुंच सके।

टीएमबीयू के कुलपति अब नीतिगत फैसले नहीं ले सकेंगे

निज संवाददाता | भागलपुर

◆ नियुक्ति और ट्रांसफर पर रोक, फैसला लेने से पहले कुलाधिपति से लेना होगा आदेश

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (TMBU) के कुलपति अब नीतिगत फैसले नहीं ले सकेंगे। राज्यपाल सह कुलाधिपति के निर्देश पर कुलपति के अधिकारों पर रोक लगा दी गई है। अब कुलपति किसी भी प्रकार की नई नियुक्ति, ट्रांसफर, वित्तीय दायित्व से जुड़ी नई योजना, कार्य का निर्धारण या क्रियान्वयन नहीं कर पाएंगे।

फैसला लेने से पहले आदेश लेना अनिवार्यः इस संबंध में राज्यपाल के अपर सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को एक लेटर जारी किया है। जिसमें स्पष्ट किया गया है यदि किसी विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के हित में कोई नीतिगत फैसला लेना आवश्यक हो, तो इसके लिए पहले कुलाधिपति से अनुमति लेनी होगी। तभी आगे की कार्रवाई की जा सकेगी। अपर सचिव ने इस आदेश का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। इस आदेश के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन के बीच हलचल तेज हो गई है।विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में चल रहे प्रशासनिक कार्यों पर इसका असर पड़ सकता है।

महागठबंधन में पंचायत स्तर तक बनेगी कमेटी, विधानसभा चुनाव को लेकर बैठक

निज संवाददाता | भागलपुर

सभी घटक दलों ने लिया हिस्सा

भागलपुर में आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन ने बैठक की है। जवारीपुर स्थित वृंदावन हॉल में महागठबंधन की ओर से प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। मीटिंग जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद आयोजित की गई। जिसमें प्रखंड, पंचायत, बूथ और प्रस्तावित स्तर तक कमेटियों के गठन पर चर्चा की गई। बैठक में महागठबंधन के सभी घटक दलों के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। सभी दलों ने मिलकर आगामी चुनाव में एकजुट होकर रणनीति बनाने और कार्यकर्ताओं को जोड़ने पर जोर दिया। राजद के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर यादव ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान इन्होंने कहा कि, "हम लोग पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के फैसले का सम्मान करते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता को देखते हुए पूरा महागठबंधन एकजुट है। जिला स्तरीय कमेटी का गठन कर लिया गया है। प्रखंड, पंचायत, बूथ और प्रकोष्ठ स्तर की कमेटियों का गठन तेजी से किया जाएगा।" उन्होंने कहा कि गठबंधन के सभी घटक दल एकजुट होकर बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। सभी को विश्वास है कि इस बार जीत महागठबंधन की ही होगी।

कार्यकर्ताओं को दी गई जिम्मेदारीः बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को क्षेत्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच महागठबंधन की नीतियों को पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि जनसंपर्क अभियान और बूथ स्तर पर सक्रियता को बढ़ाया जाएगा। बता दें कि महागठबंधन की ओर से लगातार जिला व प्रखंड स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि संगठन को नीचे तक मजबूत किया जा सके। सभी घटक दलों की सक्रियता इस बार विधानसभा चुनाव को लेकर गंभीर तैयारी का संकेत देती है।

रक्षादीप अस्पताल मेदांता लखनऊ से जुड़ा

मुंगेर के ई-आईसीयू में 24 घंटे लखनऊ के विशेषज्ञों की निगरानी, हाई-टेक सुविधाओं से लैस

निज संवाददाता | मुंगेर

मुंगेर के बेकापुर स्थित रक्षादीप अस्पताल ने मेदांता लखनऊ के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के बाद यह रक्षादीप-मेदांता ई-आईसीयू के रूप में कार्यरत है। अस्पताल में हड्डी, नस-जोड़, स्त्री रोग, प्रसव और जनरल सर्जरी की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अस्पताल में कई जांच सुविधाएं उपलब्धः अस्पताल में एक्स-रे, पैथोलॉजी और अल्ट्रासाउंड जैसी जांच सुविधाएं मौजूद हैं। टीएमटी, ईसीजी, ईईजी और ईएमजी की सेवाएं भी दी जा रही हैं। मरीजों के लिए एसी-नॉन एसी रूम, स्पेशल वार्ड और जनरल वार्ड की व्यवस्था है।

मेदांता लखनऊ से होता है ई-आईसीयू का संचालनः मॉड्यूलर ओटी में आधुनिक बेहोशी मशीन, सी-आर्म्स और लेप्रोस्कोपिक सुविधाएं हैं। अर्थोस्कोपिक, स्पाइन सर्जरी, नी और हिप रिप्लेसमेंट की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। ई-आईसीयू का संचालन मेदांता लखनऊ से होता है। हृदय, मस्तिष्क, श्वास या पेट संबंधी गंभीर मरीजों को भर्ती करते ही मेदांता की टीम तत्काल उपचार शुरू कर देती है।

एचएल-7 तकनीक से लैस हैं सभी मॉनिटरः अस्पताल के प्रोपराइटर डॉ. संजीव कुमार के अनुसार, ई-आईसीयू के सभी मॉनिटर एचएल-7 तकनीक से लैस हैं। मरीज के पल्स, बीपी, ऑक्सीजन और ईसीजी की जानकारी सेंट्रल नर्सिंग सिस्टम पर दिखाई देती है। हाई स्पीड इंटरनेट के माध्यम से यह डेटा मेदांता लखनऊ को भेजा जाता है। मुंगेर और लखनऊ के डॉक्टर एक साथ मरीजों की निगरानी करते हैं। हाई डेफिनेशन ऑडियो-वीडियो कैमरों के जरिए लखनऊ के विशेषज्ञ 24 घंटे मरीजों की देखभाल करते हैं।

चार बच्चों की मां प्रेमी के साथ फरार बेटा बोला- मम्मी नानी के घर भाग गई

निज संवाददाता | भागलपुर

भागलपुर में चार बच्चे की मां अपने प्रेमी संग फरार हो गई। मामला जोगसर थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड शंकर टॉकीज के समीप का है। मामले को लेकर पति रामचंद्र तूरी ने बताया कि उसकी पत्नी बिना देवी का छोटी साहेबगंज निवासी टिंकू चौधरी के साथ विगत वर्षों से प्रेम प्रसंग प्रसंग चल रहा था। टिंकू चौधरी से इससे पूर्व में विवाद भी हुआ था, हालांकि आसपास के मोहल्लेवासियों द्वारा समझाने पर मामला शांत करा दिया गया था। रामचंद्र ने बताया कि पत्नी ने भी दोबारा अपने प्रेमी से संपर्क न रखने का वादा किया था। लेकिन वह अक्सर अपने प्रेमी के संपर्क में रहती थी। परिजन का आरोप है कि रामचंद्र के गैर मौजूदगी में टिंकू चौधरी उसके घर आता-जाता था। जब रामचंद्र को ये बात पता चली, तो उसने विरोध किया। इसके बाद टिंकू चौधरी ने उसके साथ मारपीट की और धमकी भी दी। पीड़ित ने जोगसर थाने में फरार पत्नी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। रामचंद्र ने बताया कि मेरी शादी 18 साल पहले हुई थी और बिना देवी से चार बच्चे हैं, जिनमें तीन लड़की और एक लड़का है। पिता के साथ थाना पहुंचे बेटे ने बताया कि मां नानी के घर फरार हो गई है। उसने आरोपी का नाम भी लिया। मामले की जानकारी के बाद स्थानीय वार्ड पार्षद संजय सिंह मौके पर पहुंचे और रामचंद्र के परिवार वालों को समझा बुझाकर शांत कराया। उन्होंने बताया कि इस वार्ड के इलाके में नशा चरम पर है। लोग नशे के आदि बन चुके हैं, जिसके कारण वे लोग कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। पार्षद ने बताया कि कमाई के सारे पैसे लोग नशे में खर्च कर देते हैं।

पूर्व रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. 31, 32 एवं 52, दिनांक 21.05.2025 (सिविल एवं अन्य कार्य), मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, मालदा ऑफिस बिल्डिंग, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैः **क्रम सं. 1, निविदा सं. 31-एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम :** वरिष्ठ मंडल अभियंता-III/पूर्व रेलवे/मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/एल/जमालपुर के अधीन वरिष्ठ शाखा अभियंता/पी.वे-II/जमालपुर की शाखा में जमालपुर-किऊल (छोड़कर) डबल लाइन (किमी 356/315-402/545 अप और डाउन/लाइन) के ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और विभिन्न प्रकार की ट्रैक गतिविधियों जैसे रेल-स्लीपर-स्विच-एसईजे का कैजुअल नवीनीकरण, ट्रैक की टैंपिंग, डीप स्क्रीनिंग, फिटिंग्स का कैजुअल नवीनीकरण, ट्रैक मशीन को सहयोग आदि के साथ अन्य सहायक कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 1,08,77,184.16, **क्रम सं. 2, निविदा सं. 32- एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम :** वरिष्ठ मंडल अभियंता/III/पूर्व रेलवे/मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/एल/जमालपुर के अधीन वरिष्ठ शाखा अभियंता/पी.वे-I/जमालपुर की शाखा में भागलपुर (छोड़कर)-जमालपुर (छोड़कर) डबल लाइन (किमी 307/0-356/315 अप और डाउन/लाइन) के ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और विभिन्न प्रकार की ट्रैक गतिविधियों जैसे रेल-स्लीपर-स्विच-एसईजे का कैजुअल नवीनीकरण, ट्रैक की टैंपिंग, डीप स्क्रीनिंग, फिटिंग्स का कैजुअल नवीनीकरण, ट्रैक मशीन को सहयोग आदि के साथ अन्य सहायक कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 1,07,83,384.16, **क्रम सं. 3, निविदा सं. 52- एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम :** वरिष्ठ मंडल अभियंता-III/पूर्व रेलवे/ मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/लाइन/जमालपुर के अंतर्गत नाथनगर और अकबरनगर स्टेशनों के बीच छीटमकंदपुर हॉल्ट पर आईबीएस के प्रावधान के कार्य के लिए खुली ई-निविदा । **निविदा मूल्य:** रु. 51,99,998.03, **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 12.06.2025 को 15.30 बजे (क्रम सं. 1 से 3 हेतु)। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट : www.ireps.gov.in/** मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय/मालदा टाउन । निविदाकारों से अनुरोध है कि वे वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना और कागजात देखें।

MLD-69/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

बर्खास्त रेलकर्मी ने सीबीआई ऑफिसर को मारा तीर, 25 साल से कर्ज में डूबा परिवार

निज संवाददाता | मुंगेर

लखनऊ में शुक्रवार को CBI के ASI पर धनुष-बाण से हमला किया गया था। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया था, जिसके बाद आरोपी की पहचान बिहार के मुंगेर के खड़कपुर का रहने वाले दिनेश के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में दिनेश ने बताया- मैं रेलवे में नौकरी करता था। साल 1993 की घटना है- एक कर्मचारी के घूस लेने की शिकायत मैंने अधिकारियों से कर दी थी। सीताराम गुप्ता नाम के रेलवे कर्मचारी को उसने 200 रुपए घूस लेते पकड़वाया था। उसकी जांच में कई मामले और खुले। इस गुस्से में उस दोषी कर्मचारी ने मुझे भी केस में घसीट लिया। मामले की जांच CBI करने लगी। इसके कारण मेरी नौकरी चली गई। उसके बाद मेरे पास कुछ नहीं बचा। हरकुंडा गांव में दिनेश की पत्नी और बेटियां रहती हैं। दिनेश की पत्नी रिपिया देवी ने बताया कि 1993 में रिश्वत लेने के आरोप में रेलवे की नौकरी से मेरे पति को बर्खास्त कर दिया गया था। बर्खास्तगी के बाद से वह मानसिक तनाव में रहते थे। उन्हें कोर्ट के चक्कर काटने पड़े। जौनपुर और दिल्ली के तिहाड़ जेल में भी समय बिताना पड़ा। मुकदमे की कार्रवाई ने परिवार को आर्थिक रूप से तबाह कर दिया है। परिवार में तीन बेटे और दो बेटियां हैं। प्रदीप(35), दिव्यांग बेटा शिवेंदू(26) और सूरज(15) के अलावा बेटी शारदा की शादी हो चुकी है। वर्तमान में दिव्यांग बेटे शिवेंदू के सहारे घर चल रहा है।पिछले 25 सालों से परिवार कर्ज लेकर गुजारा कर रहा है। स्थिति यह है कि अब दुकानदार भी उधार देने से मना कर रहे हैं। परिजन ने बताया कि गुरुवार को दिनेश बिना किसी को बताए घर से निकल गया था। न उसके पास फोन था, न हमें जानकारी थी की वो कहां गया है। गुरुवार रात तक जब वो घर नहीं आए तो लगा कि वो किसी रिश्तेदार के यहां चले गए होंगे सुबह वापस घर आ जाएंगे। शुक्रवार को भी वो घर नहीं आए। इसके बाद हमारी चिंता बढ़ने लगी। हमने अलग-बगल वालों से पूछताछ शुरू कर दी। लेकिन किसी को कोई जानकारी नहीं थी। शनिवार को हमें जानकारी मिली की वो लखनऊ में है। उनका एक वीडियो आया है, जो गांव के कुछ लोगों ने उन्हें दिखाया। पत्नी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वह तीर मेरे पति के पास कहां से आया, वो यहां से कुछ नहीं लेकर निकले थे।

परिवार फटेहाल जीवन में जी रहाः ग्रामीणों ने बताया कि दिनेश मुर्मू की रेलवे से बर्खास्तगी के बाद परिवार फटेहाल जीवन जी रहा है। गांव में दिनेश मुर्मू का ही एक ऐसा परिवार है जिसके बच्चे बेरोजगार है और अबतक शादी नहीं हुई थी। एक मात्र बेटी शारदा की ही शादी हुई है जबकि कविता की शादी नहीं हुई है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 26.05.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई-निविदाएँ ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा सं.: टीएन-39-25-26, कार्य का नाम:** रेल मीनार में: सहायक अभियंता (वर्क्स)/II/सियालदह के कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ शाखा अभियंता (वर्क्स)/जजेस कोर्ट रोड के अधीन कार्बन रैपिंग द्वारा आरसीसी कॉलम का सुदृढ़ीकरण एवं सभी अन्य सहायक कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 1,33,19,133.59, **बयाना राशि :** रु.2,16,600/-, **निविदा कागजात का मूल्य (अप्रतिदेय) :** शून्य, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 20.06.2025 को 15.00 बजे। **कार्य की समापन अवधि:** 08 (आठ) माह। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 20.06.2025 को 15.30 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

SDAH-67/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

अभिजीत सिन्हा ने संभाला दुमका के उपायुक्त का पद, समाहरणालय का किया निरीक्षण

निज संवाददाता | दुमका

जिले में हाल ही में पदभार ग्रहण करने वाले नए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बुधवार को अपनी जिम्मेदारियों का विधिवत रूप से निर्वहन आरंभ करते हुए समाहरणालय परिसर का दौरा किया। उन्होंने समाहरणालय में स्थित विभिन्न विभागों के कार्यालयों का निरीक्षण कर वहां की कार्यशैली और व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। नए डीसी ने इस दौरान प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता, कार्य कुशलता और स्वच्छता को प्राथमिकता देने की मंशा जाहिर की। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने एक-एक कर सभी विभागों के कार्यालयों में पहुंचकर वहां कार्यरत प्रधान लिपिकों और अन्य कर्मियों से उनके कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने संचिकाओं के संधारण की मौजूदा स्थिति को देखा और स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी दस्तावेज और फाइलें सुव्यवस्थित और सुसंगठित तरीके से रखी जाएं ताकि आवश्यकतानुसार किसी भी फाइल को तुरंत खोजा और उपयोग में लाया जा सके। उन्होंने विशेष रूप से पुराने और महत्वपूर्ण अभिलेखों को सुरक्षित रखने की बात कही तथा कहा कि सरकारी दस्तावेजों का रखरखाव किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था की नींव होता है। उपायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि कार्यालयों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण न केवल कर्मचारियों के लिए अनुकूल कार्यस्थल बनाता है बल्कि आम नागरिकों के बीच प्रशासन के प्रति सकारात्मक छवि भी बनाता है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि समय की मांग है कि सरकारी कार्यालय भी आधुनिक कार्य संस्कृति को आत्मसात करें जहां दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही प्रमुख हों। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अनुमंडल कार्यालय का भी दौरा किया और अनुमंडल न्यायालय की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने वहां लंबित पड़े मामलों के शीघ्र निष्पादन की आवश्यकता जताते हुए अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे मामलों के निस्तारण में तेजी लाएं ताकि आमजन को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने आम नागरिकों के बैठने की व्यवस्था पर भी ध्यान केंद्रित किया और निर्देश दिया कि समाहरणालय परिसर में आने वाले लोगों के लिए मूलभूत सुविधाओं– जैसे पीने का पानी, बैठने की समुचित व्यवस्था और स्वच्छ शौचालय आदि – सुनिश्चित की जाएं। उपायुक्त ने अपने निरीक्षण के दौरान यह भी आदेश दिया कि समाहरणालय परिसर में लगे होर्डिंग्स में जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों से संबंधित फ्लेक्स लगाए जाएं, जिससे बाहर से आने वाले लोग दुमका की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत से परिचित हो सकें। उनका मानना है कि प्रशासनिक भवन न केवल सरकारी कामकाज के केंद्र होते हैं, बल्कि यह भी दर्शाते हैं कि एक जिला अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक धरोहरों को किस हद तक महत्व देता है। निरीक्षण के समय उपायुक्त के साथ संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और प्रशासनिक पदाधिकारी भी मौजूद थे। सभी ने उपायुक्त की सक्रियता और कार्य के प्रति गंभीर दृष्टिकोण की सराहना की। इस निरीक्षण से यह स्पष्ट संकेत मिला कि आने वाले समय में दुमका जिले में प्रशासनिक स्तर पर सुधार, गति और जवाबदेही को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे आम जनता को अधिक सुगम और पारदर्शी सेवाएं मिल सकेंगी।

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

निज संवाददाता | दुमका

समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले के सभी विभागों के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि "हमारा कार्य लोगों को दिखाई देना चाहिए, योजनाओं को कागज से निकालकर धरातल पर लाना हम सभी का कर्तव्य है।" उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे टीम भावना के साथ कार्य करें और यदि किसी भी स्तर पर कोई समस्या उत्पन्न हो तो उसकी जानकारी शीघ्र दें, ताकि समाधान समय पर किया जा सके। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की बारीकी से समीक्षा की गई। कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने विशेष बल देते हुए कहा कि साइकिल वितरण कार्यक्रम को मिशन मोड में क्रियान्वित किया जाए। शिकारीपाड़ा, रामगढ़, जामा, मसलिया, काठीकुंड, सरैयाहाट और गोपीकांदर प्रखंडों में साइकिल वितरण की प्रगति को प्राथमिकता के आधार पर तेज करने का निर्देश दिया गया। बिरसा आवास योजना के अंतर्गत भुगतान तभी किया जाएगा जब लाभार्थी का आवास पूर्ण रूप से तैयार हो चुका हो इस संबंध में भी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। उद्योग विभाग की समीक्षा में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत लंबित आवेदनों को प्राथमिकता से निपटाने और पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार स्वीकृति देने का आदेश दिया गया। उपायुक्त ने मौके पर ही कई लंबित आवेदनों को स्वीकृति प्रदान कर कार्य की गति को दर्शाया। पशुपालन विभाग के संदर्भ में उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि लाभ सिर्फ उन्हीं को दिया जाए जो इसके लिए वास्तविक रूप से योग्य हैं, और लाभुकों की पहचान पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से की जाए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने विद्यालयों में पेयजल, शौचालय और विद्युतीकरण जैसे मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए।

पत्नी और दो मासूम बच्चों की निर्मम हत्या करने वाला रवि लोहरा गिरफ्तार

निज संवाददाता | रांची

पत्नी और दो मासूम बच्चों की बर्बर हत्या कर फरार हुआ हत्यारा रवि लोहरा आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गया। पत्थर की सिलवट से तीनों की बेरहमी से हत्या करने के बाद आरोपी खुद भी आत्महत्या करने की फिराक में था, लेकिन इससे पहले ही उसे रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घटना रांची जिले के मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के धमधमिया गांव की है, जहां सोमवार की रात रेणु देवी, उनका बेटा आयुप कुमार और बेटी आरोही कुमारी को उनके ही पिता और पति ने मौत के घाट उतार दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या के बाद रवि लोहरा ने खुद को खत्म करने की दो बार कोशिश की। पहले उसने पत्थर से खुद के सिर पर वार किया, लेकिन जब उसमें सफलता नहीं मिली तो वह 25 फीट गहरे धमधमिया माइंस में कूद गया। वहां से किसी तरह वह बच निकला और अंधेरे जंगल में छिप गया, लेकिन खलारी डीएसपी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने महज 8 घंटे में उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी रवि लोहरा मूलत गढ़वा जिले का निवासी है और मजदूरी कर परिवार चलाता था। वह एक साल से ससुराल में ही रह रहा था, क्योंकि उसके भाइयों से हुए विवाद के कारण उनका पुश्तैनी घर क्षतिग्रस्त हो गया था। आरोपी चाहता था कि उसकी पत्नी उसके साथ गांव में एक झोपड़ी बनाकर रहे, लेकिन पत्नी रेणु देवी ससुराल जाने को तैयार नहीं थी। इसके अलावा, पुलिस की मानें तो रेणु देवी पति पर शक किया करती थी, जिससे उनका दांपत्य जीवन तनावपूर्ण हो चुका था। मानसिक रूप से टूटे रवि ने एक रात खाना खाने के बाद पत्नी और बच्चों के साथ सोने का नाटक किया, और रात के अंधेरे में पत्थर की सिलवट से तीनों की निर्मम हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और खून से सना सिलवट जब्त किया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के भाई चंदन कुमार की तहरीर पर आरोपी रवि लोहरा के खिलाफ मैक्लुस्कीगंज थाना में मामला दर्ज किया गया है। डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने खुद प्रेस वार्ता कर बताया कि यह जघन्य घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम बनाई, जिसने आठ घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

बीडीओ ने की आवास योजनाओं की समीक्षा बैठक

ठाकुरगंगटी (गोड्डा) (नि.सं.)। प्रखंड सभागार कक्ष में अबुआ आवास योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार मंडल ने की। इस समीक्षा बैठक में सभी पंचायत सचिव, पंचायत सहायक एवं रोजगार सेवक शामिल हुए। बैठक की शुरुआत में बीडीओ ने प्रखंड अंतर्गत आने वाले सभी 16 पंचायतों में वर्ष 2023-24 के दौरान अबुआ आवास योजना के क्रियान्वयन की स्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने बारी-बारी से प्रत्येक पंचायत सचिव से योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट ली और कार्यों की वास्तविक स्थिति से अवगत होने का प्रयास किया। बीडीओ विजय मंडल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गरीब और बेघर लोगों को छत मुहैया कराने की दिशा में चलाई जा रही अबुआ आवास योजना अत्यंत संवेदनशील और जनकल्याणकारी पहल है, जिसे लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

होटल संचालकों के साथ एसडीओ ने की बैठक

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले में संचालित होटलों के पंजीकरण को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव की अध्यक्षता में मंगलवार को एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य झारखंड राज्य में पर्यटन व्यवसाय से जुड़ी इकाइयों के बीच पंजीकरण की अनिवार्यता को लेकर जागरूकता फैलाना और पंजीकरण प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना था। बैठक में एसडीओ ने स्पष्ट किया कि झारखंड पर्यटन विकास और पंजीकरण अधिनियम 2015 के तहत राज्य में संचालित सभी होटल, ट्रैवल एजेंसी, टूर ऑपरेटर, बोट ऑपरेटर, मनोरंजन से जुड़ी इकाइयाँ तथा अन्य पर्यटन इकाइयों के लिए विभागीय पंजीकरण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा इस प्रक्रिया को डिजिटल रूप दिया गया है, जिससे इच्छुक व्यवसायी अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन देकर पंजीकरण करा सकते हैं। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि पर्यटन क्षेत्र में सरकारी सहयोग और सुविधाएं भी सुगमता से मिल सकेंगी। बैठक के दौरान जिला खेल सह पर्यटन नोडल पदाधिकारी डॉ. प्राण महतो ने पंजीकरण से मिलने वाले लाभों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विभागीय मान्यता प्राप्त इकाइयों को सरकारी योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रचार-प्रसार और अन्य सहायताओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिया जाता है। उन्होंने होटल संचालकों से अपील की कि वे शीघ्र विभागीय वेबसाइट पर जाकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करें। जिला पर्यटन विशेषज्ञ आलोक कुमार ने पोर्टल के उपयोग और पंजीकरण प्रक्रिया की तकनीकी जानकारी साझा की और बताया कि यदि किसी को आवेदन में परेशानी होती है तो जिला पर्यटन कार्यालय की ओर से सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक में शहर के प्रमुख होटल प्रबंधकों की भागीदारी भी रही। इसमें महबूब अली, अक्षय कुमार, बिक्रेश कुमार, मनोज भारती, रतन कुमार, सुमित कुमार सहित अन्य होटल प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने पर्यटन व्यवसाय में पारदर्शिता और सुदृढ़ प्रबंधन के लिए पंजीकरण को एक सकारात्मक पहल बताया।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

गोड्डा (नि.सं.)। परियोजना निदेषक, झारखण्ड महिला विकास समिति, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार, राँची के निर्देश के आलोक में बुधवार को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन दिवस का आयोजन पूर्णिमा कुमारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के द्वारा बालिकाओं, किशोरियों एवं महिलाओं को मासिक धर्म के बारे में जागरूकता बढ़ाने एवं मासिक धर्म स्वच्छता से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने को कहा गया। वहीं सुरक्षित माहवारी न होने से कई तरह के जटिल बिमारी और संक्रमण का खतरा बना रहता है। साथ ही साथ इस कार्यक्रम को और गतिशील बनाने के लिए सेनिटरी पैड, उनके सही उपयोग, इस्तेमाल के वक्त हाथ धोने की व्यवस्था और सेनिटरी पैड के सुरक्षित निस्तारण कैसे किया जा सकता है।

हरिहरगंज पूर्वी की आंगनबाड़ी सेविका के प्रमाण-पत्रों की जांच की मांग, पूर्व सेविका ने उठाए गंभीर सवाल

निज संवाददाता | हरिहरगंज (पलामू)

हरिहरगंज प्रखंड के हरिहरगंज पूर्वी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की वर्तमान सेविका मीना कुमारी के स्थानीयता व शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पूर्व आंगनबाड़ी सेविका मधु कुमारी ने मीना कुमारी की नियुक्ति को संदेहास्पद बताते हुए उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी पारितोष प्रियदर्शी को सौंपे गए आवेदन में मधु कुमारी ने आरोप लगाया है कि वर्तमान सेविका मीना कुमारी ने फर्जी तरीके से स्थानीय प्रमाण-पत्र बनवाकर अपने को पोषक क्षेत्र की निवासी दर्शाया है, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। उन्होंने यह भी कहा है कि मीना कुमारी ने जिस शैक्षणिक सत्र 2013-14 में एमए और बीएड की डिग्री एक साथ प्राप्त करने का दावा किया है, वह प्रक्रिया शैक्षणिक नियमों के विपरीत और संदेह के घेरे में है।

पूर्व सेविका मधु कुमारी ने बताया कि वह स्वयं ग्राम सभा की अनुशंसा पर चयनित होकर उक्त आंगनबाड़ी केंद्र पर छह वर्षों तक सेविका के रूप में कार्यरत थीं। इस दौरान उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से किया। किंतु विभागीय स्तर पर बिना कोई ठोस कारण बताए और बिना किसी पूर्व सूचना के उन्हें पद से मुक्त कर दिया गया, जो न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि पारदर्शिता की भावना के विपरीत भी है। मधु कुमारी ने यह भी उल्लेख किया है कि उन्होंने इस मामले को केवल प्रखंड स्तर पर ही नहीं, बल्कि पूर्व में पलामू के उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी और छतरपुर अनुमंडल पदाधिकारी के समक्ष भी उठाया है। सभी अधिकारियों को लिखित आवेदन के माध्यम से इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की गई है। बावजूद इसके अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पूर्व सेविका ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि संबंधित विभाग द्वारा इस पूरे मामले की गहराई से जांच नहीं करवाई गई और दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो वे न्याय के लिए उच्च न्यायालय तक जाने को बाध्य होंगी। इस पूरे घटनाक्रम से आंगनबाड़ी सेविका की नियुक्ति प्रक्रिया, पारदर्शिता और स्थानीयता की शर्तों को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों में भी इसे लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस शिकायत को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या वाकई जांच के आदेश दिए जाते हैं या यह मामला भी फाइलों में ही दबकर रह जाएगा।

ग्रामीणों की सेहत के लिए रात्रि रक्त संग्रह शिविर आयोजित

निज संवाददाता | महागामा (गोड्डा)

ग्रामीण इलाकों में मलेरिया और अन्य रक्तजन्य बीमारियों की रोकथाम और समय पर पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महागामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से परसा गांव में बुधवार की रात विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर खासतौर पर रात्रि के समय रक्त संग्रह (ब्लड स्लाइड कलेक्शन) के लिए लगाया गया था, ताकि मच्छरों के सक्रिय समय में नमूने लिए जा सकें और बीमारियों की सटीक जांच संभव हो सके। शिविर का उद्घाटन पंचायत के मुखिया मोहम्मद मुस्ताक ने किया। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कई अधिकारी और कर्मी सक्रिय रूप से मौजूद थे, जिनमें एलटी अब्दुल मन्नान, एमटीएस चंदन कुमार, साइन प्रवेज, एसआई ब्रिज नयन कुमार, एमपीडब्ल्यू मुकेश कुमार, अब्दुल हक, असलम रिजवी, हजरत अली, रसीद आलम, गुलाम मुर्तजा, एएनएम रीता कुमारी और सहिया शामिल रहीं। शिविर के दौरान एमपीडब्ल्यू मुकेश कुमार ने बताया कि मलेरिया, फाइलेरिया और अन्य संक्रामक रोगों की पहचान के लिए इस प्रकार के शिविरों का आयोजन अत्यंत जरूरी है, विशेषकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में जहां नियमित जांच की पहुंच सीमित है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में करीब 100 ग्रामीणों के रक्त सैंपल लिए गए हैं, जिनकी जांच से शुरुआती लक्षणों को पहचाना जा सकेगा और समय पर दवाइयों से उनका उपचार संभव हो सकेगा। स्वास्थ्यकर्मियों ने इस अवसर पर ग्रामीणों को फाइलेरिया, मलेरिया व अन्य रक्तजन्य रोगों के लक्षण, कारण, बचाव के उपाय और उपचार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि रात में मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें, घर के आसपास जलजमाव न होने दें और बुखार या सूजन जैसी स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं। एमपीडब्ल्यू शाहीन ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष लहठी और गढ़ी गांव में आयोजित शिविर में 600 लोगों के रक्त नमूने लिए गए थे, जिसमें से 16 लोगों में फाइलेरिया की पुष्टि हुई थी। उन्होंने बताया कि इन सभी मरीजों का समय पर इलाज कर उन्हें स्वस्थ किया गया। स्वास्थ्य विभाग की यह पहल न केवल बीमारियों की पहचान के लिए कारगर साबित हो रही है, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने और समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीणों ने भी इस शिविर को सराहा और स्वास्थ्य विभाग का आभार जताया।

हाइटेंशन तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति झुलसा

बसंतराय (नि.सं.)। प्रखंड अंतर्गत रेशंबा गांव में एक व्यक्ति 11 हजार हाइटेंशन तार की चपेट में आने का मामला प्रकाश में आया है। वहीं मिली जानकारी के अनुसार इस हादसे में बसंतराय के रेशंबा गांव निवासी गनौरी साह की जान बाल-बाल बच गयी है। गनौरी साह का सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया गया है। जानकारी के अनुसार गनौरी साह किसी दूसरे की छत पर काम करने गया था। उसी छत से सटे 11 हजार का हाइटेंशन तार गुजरा हुआ था, जिसमें हाइवोल्टेज करंट प्रवाहित हो रहा था। इसी दौरान गनौरी साह तार की चपेट में आ गया, जिससे गनौरी का गला व सिर बुरी तरह झुलस गया। करंट लगने के बाद गनौरी काफी दूर फेंका गया। अगर ऐसा नहीं होता तो गनौरी की जान चली जाती।

बीएसएल के सीएसआर के तहत परिक्षेत्रीय में निःशुल्क मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | बोकारो

बुधवार को बीएसएल के सीएसआर के तहत बालीडीह के परिक्षेत्रीय गाँव बिशुनपुर में एक निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में कुल 225 मरीजों का का इलाज किया गया। कैंप में मरीज़ों का मधुमेह, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, मलेरिया इत्यादि की निःशुल्क जाँच की गई तथा दवा का वितरण किया गया। कैंप में चौदह (14) मरीज़ों को नेत्र परीक्षण के उपरांत मोतियबिंद के ऑपरेशन हेतु बीएसएल के बोकारो जनरल हॉस्पिटल में रेफर किया गया। कैंप में बोकारो जनरल हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ साकेत मिश्रा, डॉ असित, डॉ नितेन्द्र, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ ममता, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ जया, डॉ शीतल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ सुशील कुमार एवं डॉ अनुपमा शर्मा, दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ नीलम, डॉ मधुमिता श्रीवास्तव, कान, नाक तथा गला विभाग से डॉ अमरेंद्र कुमार, सर्जरी विभाग से डॉ. मो. अफसार आलम एवं डॉ सौरभ तथा चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ विनोद उपस्थित थे। इस कैंप के सफल आयोजन में बीएसएल के सी एस आर विभाग के महाप्रबंधक (सीएसआर) बी बनर्जी एवं उनके सहयोगी एस सी तिवारी, संजीव सिंह, संतोष कुमार तथा पीरामल स्वास्थ्य के मोबाइल मेडिकल टीम का काफी सराहनीय योगदान रहा।

गोड्डा के नये पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने संभाला पदभार, अपराध नियंत्रण होगी सर्वोच्च प्राथमिकता

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले में कानून व्यवस्था की बागडोर अब नए हाथों में आ गई है। मंगलवार को मुकेश कुमार ने गोड्डा के नये पुलिस अधीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण किया। समाहरणालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित औपचारिक समारोह में उन्होंने निवर्तमान एसपी अनिमेष नैथानी से पदभार प्राप्त किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के कई वरीय अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण करने के बाद अपने पहले संवाद में एसपी मुकेश कुमार ने जिलेवासियों को विश्वास दिलाया कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता गोड्डा को अपराधमुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में समय-समय पर सामने आने वाले आपराधिक मामलों की गहन समीक्षा की जाएगी और गंभीर अपराधों पर तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। नए पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हर प्रकार के अपराध चाहे वह चोरी, लूट, साइबर क्राइम, महिला हिंसा या नशा तस्करी से जुड़ा हो किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पुलिसिंग को जवाबदेह और संवेदनशील बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। जनता से संवाद और सहयोग बढ़ाने के लिए थानों में जनसुनवाई की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जाएगा। मुकेश कुमार ने कहा कि लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए विशेष रणनीति बनाई जाएगी। इसके साथ ही आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि थाना क्षेत्रों में गश्ती व्यवस्था को मजबूत करें और सूचना तंत्र को सक्रिय रखें। नए एसपी ने यह भी संकेत दिया कि तकनीक आधारित निगरानी, विशेषकर सीसीटीवी और साइबर निगरानी को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा सके। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस अवसर पर निवर्तमान पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने गोड्डा में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए और नये पुलिस अधीक्षक को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि गोड्डा की कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मुकेश कुमार सफल होंगे।

मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में एबीबी ड्राइव्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता | बोकारो

मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में "ए बी बी ड्राइव्स (एसीएस -880)" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 28 -30 मई तक के लिए बी एस एल के अनुभवी फ़ैकल्टी के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से कुल 20 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए हैं। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत्) देवाशीष सरकार, मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुनीता बा, महाप्रबंधक (ई टी एल) हरिहर राउत उपस्थित थे। सर्वप्रथम जय नारायण यादव, प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत्) देवाशीष सरकार ने अपने सम्बोधन में कहा कि औद्योगिक प्रयोग में लाये जाने वाले मोटर को स्मार्ट, सुरक्षित और कुशल तरीके से नियंत्रित करना संयंत्र के उत्पादन प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल प्रशिक्षणार्थियों को इसके बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी।

मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुनीता बा ने सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम को अन्तः क्रियात्मक बनाकर अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा अपने अर्जित ज्ञान को विभाग के लोगों के साथ साझा करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन जय नारायण यादव, प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने किया। कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ऑपरेटर नवनीत कुमार सिंह, तथा ओ सी टी टी भीम प्रसाद का योगदान सराहनीय रहा।

कुड़मी समुदाय के लोगों ने रहइन परब मनाकर की कृषि कार्य की शुरुआत

निज संवाददाता | गोड्डा

प्रखंड अंतर्गत पीपरा पंचायत के होपनाटोला गांव में कुड़मी समुदाय ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ 'रहइन परब' मनाकर कृषि कार्य का शुभारंभ किया। टोटेमिक कुड़मी विकास मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार महतो ने बताया कि रहइन परब कुड़मी समुदाय में विशेष महत्व रखता है और यह पर्व झारखंड के साथ-साथ बंगाल, उड़ीसा, आसाम जैसे अन्य राज्यों में भी बड़े उत्साह से मनाया जाता है। यह पर्व जेठ महीने के तेरहवें दिन मनाया जाता है, जिसमें खेतों की जुताई के बाद बीज बोने का शुभारंभ किया जाता है। कुड़मी समुदाय के लिए "आखाइन जातरा" के दिन 'अढ़ाई-पाक' की जुताई कर नए कृषि वर्ष का आरंभ होता है, और इस जुताई के खेतों में प्रथम बीज बोना ही रहइन पर्व कहलाता है। रहइन शब्द कुड़माली भाषा का है, जिसका शाब्दिक अर्थ "रहना" या "होना" होता है। इस दिन से अगले छह महीने तक खेत में धान उगाया जाता है। रहइन के दिन खेत से मिट्टी उठाकर भूत पींढ़ा नामक स्थान पर रखी जाती है, जो पारंपरिक विश्वासों के अनुसार क्षेत्र की समृद्धि का प्रतीक होती है। इस पर्व के बाद किसान, विशेषकर कुड़मी जनजाति, अपने खेतों में पूरी तरह व्यस्त हो जाते हैं। खेतों में काम के दौरान निकलने वाले कीड़ों-मकोड़ों से बचाव के लिए और चोट लगने की संभावनाओं को कम करने के लिए पूर्वजों ने इस दिन आषाढ़ी फल खाने की परंपरा स्थापित की है, जो टीटनस से सुरक्षा प्रदान करता है। साथ ही, घर से जो बिहन धान (धान की बीज की गांठ) बुनने ले जाते हैं, उसके ऊपर रहइन मिट्टी का एक ढेला रखा जाता है, जो उस वर्ष की खेती की सफलता का प्रतीक माना जाता है। कुड़मी समुदाय की युवती सोनी महतो ने इस अवसर पर सभी नेग नियमों का पालन करते हुए पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार यह आयोजन सम्पन्न कराया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

लालू की चुनौती

लालू प्रसाद यादव का अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निष्कासित करना डैमेज कंट्रोल की एक कोशिश है। हालांकि इस पूरे प्रकरण से बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आरजेडी के लिए एक नई मुसीबत तो खड़ी ही हो गई है। भले यह मामला तेज प्रताप के निजी जीवन से जुड़ा हो, लेकिन उन पर जिस तरह का एक्शन हुआ, उससे जाहिर है कि इसकी परछाई लालू परिवार और उसकी सियासत पर पड़ने का भी डर है। तेज प्रताप ने 2015 में पहला चुनाव लड़ा था और नीतीश सरकार में स्वास्थ्य व पर्यावरण मंत्री बने थे। तब से अभी तक वह कई बार असहज स्थिति पैदा कर चुके हैं और हर बार परिवार–पार्टी को उनके बचाव में उतरना पड़ा। लेकिन, उनकी कुछ हरकतों ने आरजेडी के परंपरागत समर्थक वर्ग को भी नाराज किया था। बिहार के पूर्व सीएम दरोगा राय की पौत्री के साथ उनकी असफल शादी और अब तलाक का केस पूरे परिवार की किरकिरी करा चुका है। आरजेडी में अपनी भूमिका और कद को लेकर तेज प्रताप कभी संतुष्ट नहीं दिखाई दिए। लालू के उत्तराधिकार के लिए दोनों भाइयों के बीच होड़ की खबरें आती रहीं और यह लड़ाई 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उस समय सतह पर आ गई, जब तेज प्रताप ने एक अलग मोर्चा ही बना दिया। 2020 के विधानसभा चुनाव में यह स्पष्ट हो गया कि लालू ने अपना उत्तराधिकारी तेजस्वी को चुन लिया है। इस बार आरजेडी का पूरा जोर है कि चुनावी मैदान में उतरने से पहले महागठबंधन की तरफ से सीएम पद का चेहरा तेजस्वी को घोषित कर दिया जाए। हालांकि इसके लिए सभी सहयोगी दलों के बीच सहमति बनाना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में 75 सीटों के साथ आरजेडी राज्य में सबसे बड़ा दल बनकर उभरा था। पार्टी अपना वही दबदबा गठबंधन के भीतर भी कायम रखना चाहती है, जबकि कांग्रेस ने संकेत दिए हैं कि उसे पिछलग्गू नहीं, बराबरी का दर्जा चाहिए। पिछले दिनों अपनी राज्य इकाई में बदलाव कर उसने यह मेसेज दे दिया था। आरजेडी के सामने सीट बंटवारे की चुनौती है। उस पर कांग्रेस ही नहीं, वामदल और मुकेश सहनी की वीआईपी जैसे घटक दलों का भी दबाव है। महागठबंधन की तुलना में एनडीए में फिलहाल ज्यादा सामंजस्य नजर आ रहा है। भाजपा ने साफ कर दिया है कि चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ा जाएगा। ऐसा नहीं है कि यहां सीट बंटवारे का फॉर्म्युला फिक्स हो चुका है, लेकिन अगर कोई परेशानी है भी तो वह सतह पर नजर नहीं आई है।

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

(ललित गर्ग)

> ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं। जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं। देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए। नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं। यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है। जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है। नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है।

सर्वोच्च न्यायालय का सवाल, कोटा में ही छात्र क्यों कर रहे हैं आत्महत्याभोपाल, बुधवार

राजस्थान के कोटा शहर में विद्यार्थियों की आत्महत्या अब इस कदर चिंता का कारण बन चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट को भी इसमें दखल देना पड़ा है। यों कोटा में पढ़ाई के तनाव और दबाव के कारण खुदकुशी की लगातार घटनाओं पर पिछले कई वर्षों से सवाल उठते रहे हैं और इसका कोई ठोस समाधान खोजने पर बल दिया जाता रहा है, लेकिन यह समस्या और जटिल होती गई है। इस मसले पर न तो कोचिंग संस्थानों को अपनी नीति और तौर–तरीके बदलने की जरूरत महसूस हो रही है और न सरकार की कोई पहल कारगर हो पा रही है। कोचिंग संस्थान अपने मुनाफे के लिए इस समस्या की अनदेखी कर रहे हो सकते हैं, सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान सरकार के इसी रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा है कि एक राज्य के तौर पर आप क्या कर रहे हैं। अदालत ने यह भी पूछा कि छात्र कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं और क्या आपने इस पर कोई विचार किया है। दरअसल, एक मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने यह पाया कि कोटा के एक छात्र के खुदकुशी कर लेने पर कोई प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की गई। यह समझना मुश्किल है कि कोटा में इंजीनियरिंग और चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटना के एक बड़ी समस्या का रूप ले लेने के बावजूद सरकार की नजर में यह इस हद तक अनदेखी करने लायक मसला क्यों है। यह छिपी बात नहीं है कि हर वर्ष कोटा के कोचिंग संस्थानों में सख्त नियम–कायदों, पढ़ाई के तनाव और अपने माता–पिता की महत्त्वाकांक्षाओं का दबाव कई विद्यार्थी नहीं झेल पाते और खुदकुशी कर लेते हैं। मामूली विफलता या इसके डर का स्रोत क्या है कि बच्चों के भीतर नया रास्ता खोजने का साहस नहीं पैदा हो पाता और जान दे देना उन्हें आसान लगता है।

जड़ से डायबिटीज का इलाज करेगा मंदिर

(सपना सिंह)

डायबीटीज आज के समय में औरत से लेकर पुरुषों तक एक आम समस्या बन गई है, और अगर ये बढ़ जाए तो इंसान के शरीर को अंदर से खोखला बना देती है। हड्डियों से लेकर नसों तक हर जगह से तोड़ देती है। आप चाहे कितना भी इलाज करवालें लेकिन जिंदगीभर की दवाई आपका पीछा नहीं छोड़ती। लेकिन वो कहते हैं ना, अगर किसी चीज पर विश्वास रखों तो दवा क्या ऊपर वाला भी आपके हर दुख को दूर कर देता है। भारत में वैसे तो कई मंदिर आपने सुने होंगे जो इच्छा पूर्ती से लेकर बीमारियों को ठीक करने की बात करते हैं, लेकिन शायद डायबीटीज को जड़ से खत्म करने वाला मंदिर कभी नहीं सुना होगा। तमिलनाडु के तिरुवरूर के पास स्थित वेन्नी करुंबेश्वरर मंदिर स्थित है, जो लाखों लोगों की शुगर की समस्या को ठीक करने के लिए जाना जाता है। इन्फ्लुएंसर के मुताबिक, यहां लाखों लोगों की डायबीटीज ठीक हुई है, अगर आप यहां जाना चाहते हैं, तो पहले जान लें इस मंदिर के बारे में। टेम्पल गर्ल से फेमस इन्फ्लुएंसर का कहना है, अगर आप डायबिटीज से परेशान हैं, तो तमिलनाडु के इस मंदिर में जरूर जाएं। ये मंदिर तिरुवरूर के पास स्थित वेन्नी करुंबेश्वरर मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहां का शिवलिंग गन्ने की बंधी हुई लकड़ियों से बना हुआ है और भगवान को 'करुंबेश्वरर' यानी गन्ने के भगवान के नाम से जाना जाता है। डायबिटीज से जूझ रहे लोग भगवान के चरणों में चीनी चढ़ाते हैं और भगवान से सिर्फ एक ही प्रार्थना करते हैं कि उन्हें शुगर से राहत मिले। लाखों भक्तों का कहना है कि इस मंदिर में दर्शन करने के बाद उनका ब्लड शुगर लेवल कम हुआ है, तो कुछ का कहना है दवाइयों की मात्रा घटी है और कुछ मामलों में तो पूरी तरह ठीक भी हो गया है। मतलब विश्वास रखो तो आप अपनी बीमारी तक ठीक कर सकते हैं। सोशल मिडिया पर मिली एक और पोस्ट के मुताबिक, डायबिटीज आजकल की बड़ी बीमारियों में से एक है। कहा जाता है कि भगवान शिव को रवा और चीनी का एक खास भोग चढ़ाया जाता है जिससे डायबिटीज के असर को कम किया जा सके। इस मिश्रण को मंदिर के आस-पास बिखेर दिया जाता है ताकि चींटियां इसे खा सकें। मान्यता है कि जैसे-जैसे चींटियां चीनी को खाती हैं, वैसे-वैसे हमारी शरीर का शुगर लेवल भी कम होता है। भारत का ये एक ऐसा अनोखा मंदिर है जो डायबिटीज जैसी बीमारी को ठीक करता है। ये मंदिर तमिलनाडु के अम्मापेट्टी गांव में स्थित है। इस मंदिर में 5000 साल पुराना शिवलिंग है, और कहा जाता है कि इसे खुद भगवान श्रीकृष्ण ने स्थापित किया था। इसी कारण लोगों को विश्वास है कि इस मंदिर में चमत्कारी शक्ति है। यहां सिर्फ भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं और अपनी डायबिटीज से छुटकारा पाते हैं। मंदिर के इस चमत्कार पर वैज्ञानिकों ने भी रिसर्च की है। उन्होंने टेस्ट और ठीक हुए लोगों की जानकारी लेकर ये साबित किया है कि यहां सच में कुछ अनोखा है। इस चमत्कार को देखकर वैज्ञानिक भी हैरान हैं। ऐसा कहा जाता डॉक्टर खुद इस बात की जांच करने यहां पहुंचेज और वो भी हैरान रह गए जब उन्होंने देखा कि चींटियों के चीनी चखने के बाद जिस व्यक्ति को डायबिटीज है, उसकी बॉडी में शुगर लेवल कम हो गया। सिर्फ इतना ही नहीं, डॉक्टरों ने भी माना कि ये चमत्कार सच है, क्योंकि शुगर में वाकई में कमी आई थी। इस मंदिर की चींटियों को 'भगवान की चींटियां' कहा जाता है। मान्यता है कि जब मुगल शासक इस मंदिर पर हमला करने आए थे, तब इन्हीं चींटियों ने मंदिर की रक्षा की थी। मंदिर के दर्शन का समय सुबह 8.00 से दोपहर 12.00 बजे तक और शाम 5.00 से रात 8.00 बजे तक है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5745

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5744

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

वर्ग पहेली 5745

1	2	■	3	4	5		6
7		■	8			■	
	■	9			■	10	
11	12	■		■	13		
14		15	■	16			■
■	17				■	18	19
20	■		■	21	22	■	
23				■	24		

संकेत: बाएं से दाएं

1. अफ्रीका का यह देश एक प्रजातंत्र राज्य है जिसे 1 जुलाई 1960 को गणराज्य घोषित किया गया (2)
3. जम्मू-कश्मीर में 4054 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हिंदुओं का तीर्थ स्थल (5)
7. ऐसा वाद्य जिसमें तार लगे हो, वही, वह, उस, उसी (2)
8. सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
9. मन की कल्पना, विचार, ख्याल (3)
10. पुराणानुसार एक दैत्य का नाम जिसे श्रीकृष्ण ने अपनी बाल्यावस्था में मारा था, बगला नामक पक्षी (2)
11. फन, हुनर (2)
13. बुहारना, पोछना, चलता करना (3)
14. सिख संप्रदाय के आदि गुरू (3)
16. लहर, उमंग, तरंग, झूमने का भाव (3)
17. उत्पात, उपद्रव, खलबली (4)
18. इंसाफ, फैसला (2)
21. मध्यप्रदेश का एक प्रसिद्ध रेलवे जंक्शन, प्रसिद्ध अभिनेता प्रदीप कुमार की अभिनेत्री बेटी (2)
23. चप्पू (4)
24. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण यमुना नदी का एक नाम (3)

ऊपर से नीचे(2)

1. हमला करने का अवसर देखना (5)
2. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
3. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि (4)
4. रगड़ना, घिसना (3)
5. अत्यंत महीन कण, सूजी (2)
6. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना (4)
10. दूल्हा-दुल्हन को यह भी कहा जाता है (4)
12. तिरस्कारपूर्ण बात, भर्त्सना, धिक्कार (3)
13. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
15. शास्त्रीय संगीत में एक ताल (4)
16. छिछली गोल तथा छोटी थाली (3)
19. हरजत मूसा के धर्म का अनुयायी (3)
20. स्वयं, स्वतः, खुद (2)
22. किसी नगर या कस्बे में प्रवेश द्वार (2)

वर्ग पहेली 5744 का हल

उ	त	र	प्र	दे	श	■	वा
प	■	म	जा	■	म	द	न
न	■	क	■	द	शा	■	र
य	मु	ना	■	ल	द	ना	■
न	■	■	लू	■	बे	टा	■
सं	ता	न	■	सा	ग	■	ब
स्का	■	म	र	ह	म	■	हु
र	ह	न	■	स	■	भा	त

आज का राशिफल

मेष

आज लाभ का दिन है और करियर में स्थिरता का अनुभव होगा। वरिष्ठ अधिकारियों से मेल-मुलाकात या उनकी सिफारिश से आपके लिए तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं। कारोबारी वर्ग के लिए सरकारी योजनाओं से लाभ मिलने की संभावना है। धन आगमन की स्थिति बेहतर रहेगी, लेकिन साथ ही अनावश्यक खर्चों से बचना होगा।

वृष

आज दिन पेशेवर दृष्टिकोण से मध्यम रहेगा और आपके लिए धन लाभ के योग बने हैं। आपने जो नेटवर्क और सामाजिक संबंध बनाए हैं, वे आपके करियर में सकारात्मक भूमिका निभाएंगे। दोपहर तक आर्थिक दबाव कुछ हद तक कम होगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में मानसिक तनाव बना रह सकता है। निवेश से जुड़े निर्णयों में सावधानी रखें।

मिथुन

आज भाग्य साथ दे रहा है। कार्यक्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से चली आ रही परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होने लगेंगी। किसी पुराने क्लाइंट से फिर से संपर्क स्थापित हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों को अपने बॉस से असंतोषजनक प्रतिक्रिया मिल सकती है, लेकिन धैर्य से काम लें।

तुला

आज दिन धन के लिहाज से आपके पक्ष में रहेगा। पुराने निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है और कारोबार विस्तार के नए अवसर भी सामने आएंगे। यदि आप साझेदारी में व्यापार कर रहे हैं, तो त्रिपक्षीय समझौते का प्रस्ताव लाभदायक रहेगा, बशर्ते सभी शर्तें स्पष्ट हों। नौकरीपेशा लोगों को बॉस से सराहना मिलेगी, जिससे प्रमोशन की संभावना बन रही है।

वृश्चिक

आज दिन परेशानियों से भरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। ऑफिस या व्यापारिक गतिविधियों में मन नहीं लगेगा। नौकरीपेशा लोग वर्कलोड से घबराएंगे और काम की गति धीमी रहेगी। जिससे आर्थिक तनाव बना रहेगा। दोपहर बाद हालात थोड़े सुधरेंगे लेकिन धन प्राप्ति के मामले में कोई विशेष राहत नहीं दिखती। बेहतर रहेगा कि जोखिम न लें और पुराने काम निपटाएं।

धनु

आज करियर में लाभ होगा। आपकी बुद्धिमता और वाणी आपके सबसे बड़े हथियार होंगे। कोई ऐसा कार्य आपको करना पड़ सकता है जो दूसरों को असुविधाजनक लगें, लेकिन इससे आपको करियर में पहचान मिल सकती है। कार्यस्थल पर कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। स्वतंत्र पेशेवर या फ्रीलांसर्स को क्लाइंट्स से जुड़ी बातों में संयम रखना चाहिए।

कर्क

आज दिन बेहद व्यस्त रहेगा और काम के बोझ से थोड़ा थकावट महसूस हो सकती है। परन्तु आर्थिक लाभ के योग बने हुए हैं। कोई क्लाइंट आपके काम से प्रभावित होकर बड़ा प्रॉजेक्ट दे सकता है। यदि आप नया व्यापार शुरू करना चाहते हैं, तो आपकी प्लानिंग फलीभूत हो सकती है। कार्यस्थल पर ईर्ष्यालु लोग आपकी प्रगति में बाधा डाल सकते हैं।

सिंह

आज भाग्य साथ देगा और धन के मामले में आपको अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता है। दिन की शुरुआत में कामों का बोझ अधिक रहेगा और मानसिक तनाव बढ़ सकता है। आर्थिक नुकसान की आशंका है, इसलिए निवेश सोच-समझकर करें। साझेदारी में काम करने वाले जातकों को मतभेद का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

आज दिन सफलता से भरा होगा और आपके लिए विशेष उपलब्धि के योग बने हैं। कोई पुराना कॉन्ट्रैक्ट या कार्य जिसे लेकर आप आशान्वित थे, अच्छे परिणाम दे सकता है। आपके ज्ञान और सलाह को महत्व मिलेगा, जिससे आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर

आज करियर में निर्णायक पल आ सकता है। किसी इंटरव्यू, मीटिंग या कॉन्ट्रैक्ट साइन करने का अवसर मिलेगा, जिसमें आपको सफलता मिल सकती है। आर्थिक दृष्टिकोण से दिन अच्छा है, कोई रुका हुआ भुगतान मिलने की संभावना है। नौकरी में परिवर्तन की सोच रहे लोगों के लिए विचार करने का अच्छा समय है। यदि आप फ्रीलांसर हैं तो नया क्लाइंट जुड़ सकता है।

आज जीवन सफलता से भरा होगा। आपको कार्यक्षेत्र में कुछ ऐसे निर्णय लेने पड़ सकते हैं जिनका असर भविष्य में स्पष्ट होगा। किसी करीबी सहकर्मी से धोखा मिलने की संभावना है, इसलिए गोपनीय बातों को साझा करने से बचें। व्यापार में अचानक आए उतार-चढ़ाव आपकी योजना को प्रभावित कर सकते हैं। धन के मामले में दिन मिश्रित है; कोई बकाया भुगतान मिलने से राहत हो सकती है।

मीन

आज हर काम बहुत सोचकर करने की सलाह है। करियर में आप कुछ ऐसे लोगों से घिर सकते हैं जो आपकी सफलता से ईर्ष्या रखते हैं। इसलिए चापलूसों से सतर्क रहें। पैसों को लेकर कोई बड़ा फैसला न लें, विशेषकर अगर वह किसी और की सलाह पर आधारित हो। व्यापारी वर्ग को क्रेडिट पर लेन-देन में सतर्क रहना चाहिए। ऑफिस में आपकी छवि अच्छी बनी रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

संक्षिप्त समाचार

धनबाद में जमीन बंटवारे को लेकर विवाद:बहनोई ने साले को मारी गोली, भाई-बहन ने की मारपीट

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के निरसा स्थित मदनपुर गांव में सोमवार की रात पारिवारिक संपत्ति विवाद में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। घायल मो. रहमान (40) को धनबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रहमान पत्थर काटने का काम करता है और अपने हिस्से की जमीन की मांग कर रहा था। सोमवार की शाम जब वह गांव में था, तब उसके बहनोई अब्दुल्ला ने उस पर पिस्टल से गोली चला दी। इस दौरान उसके भाई इस्माइल और बहन ने भी उस पर हमला किया। स्थानीय लोगों ने तुरंत रहमान को अस्पताल पहुंचाया। निरसा थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा और एमपीएल ओपी प्रभारी सुमन कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने आरोपियों से हथियार जब्त किए, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की।पुलिस ने अस्पताल में रहमान का बयान दर्ज किया है। रहमान की पत्नी और पुत्र ने भी पुष्टि की है कि यह हमला संपत्ति विवाद के कारण हुआ। मुख्य आरोपी अब्दुल्ला के घर पर छापेमारी की गई, लेकिन वह फरार हो चुका था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

खूंटी में नक्सलियों ने रोड रोलर को फूंका, घटनास्थल पर छोड़ा धमकी भरा पर्चा

खूंटी, एजेंसी। पीएलएफआई नक्सलियों ने सड़क निर्माण कार्य में लगी रोड रोलर को आग के हवाले कर दिया. नक्सलियों ने घटना को अंजाम देने के बाद सड़क निर्माण एजेंसी से पैसे वसूलने की बात कही है. यह घटना खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर रनिया थाना क्षेत्र के रायकेरा के पास की है. घटना की जानकारी पाकर रनिया पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया हालांकि तब तक रोड रोलर जलकर राख हो चुका था। पुलिस के अनुसार तोरपा कोलेबिरा मुख्य मार्ग का निर्माण एक एजेंसी के द्वारा कराया जा रहा है. रोड रोलर में आग लगने की घटना रात के समय हुई है. नक्सलियों ने घटनास्थल के पास खड़ी अन्य वाहन पर वसूली के लिए एक पर्चा भी छोड़ा, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि गाड़ी के ऊपर हाईटेंशन तार गिरा था. पुलिस ने आशंका जताई है कि तार गिरने के कारण आग लगी होगी, लेकिन घटनास्थल पर बरामद हुए पर्चा से पुलिस ने इस घटना के पीछे पीएलएफआई का हाथ होने की आंशका जताई है. गौरतलब है कि 28 नवंबर 2024 को भी एक अन्य कंपनी के द्वारा कतारी मोड़ से सोनपुरगढ़ भाया सुंदारी मार्ग का निर्माण कराया जा रहा था. इस दौरान भी पीएलएफआई के नक्सलियों ने रोड रोलर में आग लगा दी थी. इस मामले में कुछ नक्सलियों की गिरफ्तारी भी हुई थी।

अब ओएमआर शीट पर नहीं होगी सरकारी स्कूलों में 5वीं और 8वीं क्लास की परीक्षा, बदल गया पैटर्न

रांची, एजेंसी। अगले वर्ष से सरकारी स्कूलों की परीक्षाओं में कई बदलाव किए जाएंगे। जिसमें पांचवी कक्षा और आठवीं बोर्ड की परीक्षा अब ओएमआर शीट पर नहीं होगी। अब इसकी परीक्षा लिखित रूप से होगी, जिसमें लघु, मध्यम व दीर्घ स्तर के प्रश्न पूछे जाएंगे। वहीं परीक्षा का आयोजन झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) नहीं करेगा बल्कि झारखंड शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् (जेसीईआरटी) करेगा। इसकी घोषणा स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने जैक सभागार की। शिक्षा सचिव ने कहा कि जैक में परीक्षाओं का बोझ देखते हुए आठवीं बोर्ड की परीक्षा जेसीईआरटी को सौंपी जा रही है। 2026 से पांचवीं और आठवीं में ओएमआर शीट पर परीक्षा नहीं होगी।इसके अलावे पहली और दूसरी क्लास की मौखिक परीक्षा होगी। इसके साथ ही पहली से सातवीं कक्षा की परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर ही होगा। स्कूल और शिक्षकों को ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर रिजल्ट अपलोड करना होगा।मालूम हो कि आठवीं व पांचवी कक्षा की परीक्षा में करीब आठ लाख बच्चे शामिल होते हैं। सचिव ने स्कूलों में हर महीने होने वाली रेल परीक्षा का परिणाम एक सप्ताह के अंदर ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर रिजल्ट अपलोड करने का निर्देश दिया। ताकि औसत से कम बच्चों की कमियों को दूर किया जा सके।

मैट्रिक परीक्षा के बाद अब आगे करेंगे कमाल, टॉपरों में कोई एएसआई तो किसी को बनना है डॉक्टर

लोहरदगा, एजेंसी। मैट्रिक परीक्षा में लोहरदगा के टॉपर ऊंची उड़ान पाना चाहते हैं। इनकी डॉक्टर और इंजीनियर बनने की चाहत है। साथ ही देश सेवा का जज्बा भी है। सभी ने कठिन परिस्थितियों में भी सफलता पाई है।

लोहरदगा शहरी क्षेत्र के दुबे कॉलोनी निवासी लातेहार शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य उत्तम मुखर्जी और बरनाली मुखर्जी की पुत्री अन्वेशा मुखर्जी को माध्यमिक परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। अन्वेशा को परीक्षा में कुल 475 अंक मिले।

अन्वेशा जिला टॉपर हैं। वह डॉक्टर बनना चाहती है और समाज की सेवा करना चाहती है। वहीं नंदलाल उवि अरू सेन्हा की ज्योति कुमारी को 94.60 प्रतिशत अंक के साथ जिले में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। सेन्हा अरू चौक निवासी रविंद्र साहू और कांती देवी की पुत्री ज्योति कुमारी आगे चल कर डॉक्टर बन कर समाज की सेवा करना चाहती हैं। वह कड़ी मेहनत कर अपने परिवार के सपने को पूरा करना चाहती है।

संत स्तानिसलास उवि कैमो पतराटोली के छात्र मनीष उरांव की चाहत इंजीनियर बनने की है। मनीष ओयना निवासी बालक राम भगत और मालती देवी का पुत्र है। बालक राम भगत बिजली वायरिंग करने का काम करते हैं, जबकि मालती देवी एक निजी विद्यालय में काम करती हैं। पुष्पा कुमारी को परीक्षा में 93.4 प्रतिशत अंक मिले हैं। कुडू प्रखंड के गरभु टोली सलगी निवासी केवल महतो ट्रक ड्राइवर हैं। वहीं पुष्पा की माता राजो देवी गृहणी हैं। पुष्पा आगे चल कर प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हैं।

प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय मक्का का अबरार अंसारी माध्यमिक परीक्षा में जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया है। वह आगे चलकर प्रशासनिक क्षेत्र में जाना चाहते हैं। अबरार प्रारंभ से ही मेहनती छात्र रहा है। विपरीत परिस्थितियों के बाद भी अबरार ने जीवन में सफलता पाई है।

पाखर लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा के उपाध्यक्ष सैयद आरिफ हुसैन बबलू एवं एडवोकेट मोमिना खातून के पुत्र सैयद शारिब हुसैन ने जैक द्वारा आयोजित दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। शारिब को देश सेवा में रुचि है, और वह नेशनल डिफेंस एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद देश की सेवा करना चाहता है। शारिब अपनी सफलता का श्रेय स्वर्गीय दादी, माता-पिता एवं शिक्षकों को देते हैं, जिन्होंने उनका मार्गदर्शन किया है।

गौसिया मिश्कात बालिका उवि लोहरदगा की छात्रा है। रिजल्ट को लेकर वह स्कूल के सभी शिक्षक और माता-पिता को श्रेय देती हैं। वह डॉक्टर बनना चाहती हैं और लोहरदगा की गरीब जनता की सेवा करना चाहती हैं। शहर के गिरवर शिशु सदन विद्यालय की छात्रा दीपाली वर्मा की माता शिक्षिका हैं। दीपाली दुर्गा बाड़ी लेन की रहने वाली है। दीपाली एनडीए की तैयारी करना चाहती हैं। जिले के पांचवी टॉपर अदिति कुमारी के पिता एक किसान हैं। लोहरदगा तिवारी दुरा निवासी आनंद कुमार व माता अनिता देवी की पुत्री अदिति शिक्षिका बनना चाहती है। उन्होंने सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है।

भवनाथपुर प्रखंड की गीतांजलि ने गांव का नाम किया रोशन, राज्य में किया टॉप

भवनाथपुर (गढ़वा), एजेंसी। झारखंड बोर्ड 10वीं में गढ़वा जिला अंतर्गत सुदूरवर्ती क्षेत्र भवनाथपुर प्रखंड के मकरी के गीतांजलि कुमारी ने पूरे राज्य में टॉप किया है। गीतांजलि को 98.60 प्रतिशत अंक मिले हैं। उसकी इस सफलता से पूरे प्रखंड और गांव में हर्ष का माहौल है। उसके घर पहुंचकर उनके माता पिता को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

फिलहाल गीतांजलि राजस्थान कोटा में रहकर नीट की तैयारी में जुटी हुई है। उसका सपना डॉक्टर बनने की है। गीतांजलि ने सेल डीएवी भवनाथपुर से कक्षा एक से पांच तक की पढ़ाई की।

इसके बाद उसने इंट्रेस परीक्षा पास कर 2020 में इंदिरा गांधी बालिका उच्च विद्यालय हजारीबाग में कक्षा छह में एडमिशन ली तथा उसी विद्यालय से मैट्रिक की परीक्षा में शामिल हुई, जहां मैट्रिक की परीक्षा में उसने 98.6 प्रतिशत अंक लाकर पूरे राज्य में टॉप किया। उसने अपनी सफलता से जिला, प्रखंड और गांव को गौरवान्वित किया है।

मैट्रिक में स्टेट टॉप करने वाली गीतांजलि के पिता उमेश पाल पेशे से सहयोगी शिक्षक है, जो नवप्राथमिक विद्यालय मकरी में कार्यरत है। जबकि माता पम्मी देवी गृहणी है।

उसके पिता उमेश पाल ने बताया कि उसकी प्रारंभिक शिक्षा कक्षा एक से पांच तक डीएवी पब्लिक स्कूल में पढ़ने के बाद वह आगे पढ़ाई करने इंदिरा गांधी बालिका उच्च विद्यालय हजारीबाग चली गई।

वहीं से मैट्रिक की परीक्षा में सम्मिलित हुई जिसमें वह 98. 6 अंक प्राप्त कर पूरे झारखंड स्टेट टॉपर बनीं। अपनी बेटी की सफलता पर खुशियां व्यक्त करते हुए उन्होने कहा कि वह पढ़ने में शुरू से ही मेधावी थी, उसका सपना डॉक्टर बनकर गरीबों की सेवा करने का है।

माता पम्मी देवी ने बताया कि मेरी बेटी शुरू से पढ़ाई में अव्वल आती रही है। उसका मन सिर्फ पढ़ाई में लगा रहता था। शिक्षा के प्रति उसकी मेहनत और लगन को देख मुझे विश्वास था कि वह मैट्रिक की परीक्षा में जरूर टॉप करेगी।

बुंडू में हर दिन बेची जा रही है 6 लाख की अवैध लॉटरी

रांची, एजेंसी। रांची जिले में बुंडू में एक बार फिर अवैध लॉटरी का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। पुलिस को भी इसकी जानकारी है, लेकिन लॉटरी के इन धंधेबाजों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। लॉटरी माफिया हर दिन 6 से 7 लाख रुपए की लॉटरी बेच रहे हैं और मुनाफा कमा रहे हैं। जबकि झारखंड में लॉटरी बेचने पर प्रतिबंध है। लॉटरी माफिया हर दिन बंगाल व नगालैंड से आने वाली लॉटरी अहले सुबह 5.30 बजे से ही बेचना शुरू कर दे रहे हैं। लॉटरी टिकट बेचने का यह धंधा बुंडू के मेन बाजार में चल रहा है। लॉटरी का ड्रॉ हर दिन शाम में होता है।

लॉटरी का ये धंधा पूरी तरह से बंगाल व नगालैंड में चलने वाली लॉटरी पर निर्भर रहता है। क्योंकि वहीं से यह डेली लॉटरी बुंडू पहुंच रहा है। माफिया लॉटरी का एक हफ्ते का लॉट एक ही बार में लाकर विक्रेताओं को दे देते हैं। जब एक लॉट बिक जाता है, उसके बाद दूसरा लॉट लाकर दिया जाता है। बुंडू थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा का कहना है कि इस मामले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। कुछ माह पूर्व भी लॉटरी बेचने वाले 5 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

झारखंड में लॉटरी का कारोबार प्रतिबंधित है। देश के सिर्फ कुछ ही राज्य हैं, जहां लॉटरी का कारोबार वैध है। इनमें अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, सिक्किम और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। शेष राज्यों में राज्य सरकार ने लॉटरी बेचने पर प्रतिबंध लगा रखा है। लेकिन प्रतिबंध वाले राज्यों में भी लॉटरी माफिया इसे चोरी छिपे बेचते ही हैं।

बुंडू में अवैध लॉटरी बेचने के इस कारोबार में 40 एजेंट अलग-अलग जगहों पर लगाए गए हैं। जो तय जगहों व घरों में ही लॉटरी के टिकट बेचते हैं। लॉटरी खरीदने वालों को पता रहता है कि किस जगह बिक्री हो रही है। सुबह से लॉटरी की बिक्री इस लिए शुरू हो जाती है, क्योंकि दिन के एक बजे हर दिन लॉटरी का ड्रॉ होता है। लॉटरी 120 रुपए में 10 व 60 रुपए में 5 बेची जाती है। लॉटरी के इस धंधे में बुंडू व तमाड़ के ही दो मुख्य माफिया हैं।

झारखंड में इन जिलों के लिए भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी, अगले 5 दिनों तक गर्मी से मिल सकती है राहत

रांची, एजेंसी। झारखंड पर मौसम की मेहरबानी बरकरार है। अप्रैल माह के शुरुआती दिनों में गर्मी की तीव्रता देखकर जयेष्ठ माह को लेकर चिंता लाजमी थी। लेकिन मई माह में मौसम का तेवर बदल गया। मई माह के शुरुआती दिनों में राज्य के किसी न किसी जिले या स्थान पर बारिश, मेघ गर्जन और तेज हवा चलती रही। एक-दो दिन छोड़कर कोई ऐसा दिन नहीं था, जब लोग गर्मी की वजह से बेचैन दिखे। इस मामले में एक और अच्छी खबर है। मौसम केंद्र रांची का पूर्वानुमान है कि अगले कुछ दिनों तक झारखंडवासियों का सामना प्रचंड गर्मी से नहीं होने वाला है।

इसकी वजह है उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र डेवलप होना है। इसकी वजह से 28 मई को राज्य के दक्षिणी (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला और सिमडेगा) क्षेत्र के अलावा निकटवर्ती भागों में भारी बारिश की आशंका जताई गई है। इसी तरह 29 मई को राज्य के उत्तर पूर्वी और दक्षिण पूर्वी भाग में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई गई है। रांची मौसम केंद्र ने बताया कि 30 मई को राज्य में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की संभावना है। इस दिन राज्य के उत्तर पूर्वी भागों मसलन देवघर, धनबाद, गोड्डा, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इस माह के अंतिम दिन यानी 31 मई को भी राज्य में कहीं-कहीं मेघ गर्जन और वज्रपात की संभावना जताई गई है।

28 मई से 30 मई तक मौसम केंद्र रांची ने झारखंड के ज्यादातर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। 28 मई को खूंटी, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला, 29 मई को पाकुड़, गोड्डा, देवघर, दुमका, साहिबगंज और जामताड़ा के अलावा पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं 30 मई को गिरिडीह, धनबाद, साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, दुमका, देवघर और जामताड़ा में भारी बारिश की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में कई स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ बारिश रिकॉर्ड हुई है। इस दौरान सबसे ज्यादा तापमान सरायकेला में 37 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। जबकि न्यूनतम तापमान गुमला में 21।6 डिग्री सेल्सियस रहा है।

शराब घोटाला मामले में एसीबी एक्शन का बढ़ा दायरा-विनय चौबे, उनकी पत्नी सहित 8 लोगों की संपत्ति जांच शुरू

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला के आरोप में जेल में बंद आईएएस अधिकारी विनय चौबे की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। वहीं एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अपनी जांच का दायरा भी बढ़ा दिया है। एसीबी ने रांची के सभी निबंधन कार्यालयों को पत्र लिखकर आईएएस विनय चौबे और उनके परिवार के सदस्यों के नाम खरीदी गई संपत्ति की जानकारी मांगी है। जानकारी के मुताबिक एसीबी जिन लोगों की संपत्ति की जांच शुरू की है, उसमें आईएएस विनय चौबे, उनकी पत्नी सहित आठ लोग शामिल हैं।

एसीबी सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी ने निबंधन कार्यालय को चौबे व परिवार के सदस्यों का पैन नंबर भी उपलब्ध कराया है, ताकि खरीद-बिक्री की गई संपत्ति डिटेल निकालने में आसानी होगी। एसीबी ने संपत्ति से जुड़े दस्तावेज की सर्टिफाइड कॉपी भी मांगी है। संपत्ति का डिटेल मिलने के बाद संपत्ति की कीमत का मूल्यांकन किया जाएगा। इस दौरान जांच एजेंसी देखेगी कि चौबे की आय और खरीदी गई संपत्ति पर खर्च हुई राशि में कोई अंतर है या नहीं। दरअसल, विनय चौबे के परिवार के नाम तीन से चार संपत्ति के दस्तावेज रजिस्टर्ड हुए है। हालांकि, कुछ दस्तावेज ऐसे हैं जो उनके करीबी के नाम पर हैं।

एसीबी ने उत्पाद विभाग के पांच अफसरों को नोटिस भेजा है। इनमें धनंजय कुमार, उमाशंकर सिंह, शीपिज त्रिवेदी, विनय कुमार सिंह और उपेंद्र शर्मा शामिल हैं। इनसे 38 करोड़ रुपए के राजस्व घोटाले के संबंध में पूछताछ की जाएगी। एसीबी पूर्व सचिव विनय चौबे, संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार व प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन के प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को गिरफ्तार कर चुका है। एसीबी ने फर्जी बैंक गारंटी की वजह से सरकार को 38.44 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान होने की प्राथमिकी दर्ज की है। जिसमें 13 पर नामजद व अन्य पर केस दर्ज किया गया। एसीबी को जांच में जानकारी मिली है कि विनय चौबे और गजेंद्र सिंह ने पद का दुरुपयोग कर ऐसी प्लेसमेंट एजेंसियों को ठेका दिया, जिन्होंने फर्जी बैंक गारंटी दी। इससे झारखंड सरकार को 38.44 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

शराब घोटाले में इससे पहले 7 सितंबर 2024 को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसमें विनय चौबे, गजेंद्र सिंह के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के अधिकारी अनिल टुटेजा, अरुण पति त्रिपाठी, कारोबारी अनवर ढेबर, प्लेसमेंट एजेंसी सुमित फैसिलिटीज सहित अन्य को आरोपी बनाया गया था। इस केस में ईडी ने नया ईसीआईआर दर्ज किया था।इसके बाद 29 अक्टूबर 2024 को ईडी ने झारखंड और छत्तीसगढ़ में 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इन ठिकानों से उत्पाद नीति 2022 से जुड़े कई अहम दस्तावेज, मोबाइल फोन और कई अन्य कागजात जब्त किए गए थे। ईडी इस मामले में जांच कर ही रहा था कि एसीबी झारखंड ने 20 मई को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए दो बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अगले दिन 21 मई को फिर तीन लोगों की गिरफ्तारी की गई।

जमीन पर कब्जा के लिए तीन लाख की सुपारी देकर करवा दी थी ऑटो चालक की हत्या!

पलामू, एजेंसी। 16 डिसमिल जमीन पर कब्जे के लिए तीन लाख की सुपारी देकर एक युवक की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। अपराधियों ने जमीन के कब्जे के लिए युवक के पिता को भी गोली मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद पिता काफी दिनों तक घर से फरार हो गए। दरअसल, 18 मई को पलामू के पड़वा थाना क्षेत्र में रंजीत कुमार मेहता नामक एक ऑटो ड्राइवर का शव बरामद हुआ था। रंजीत की पत्थर से कूच कर हत्या की गई थी। मामले में रंजीत की पत्नी के आवेदन के आधार पर छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पलामू पुलिस ने रंजीत कुमार हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या में शामिल दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में सोनू कुमार उर्फ रोहित और संतोष कुमार शामिल हैं। सोनू कुमार टाउन थाना क्षेत्र के निमिया का रहने वाला है, जबकि संतोष कुमार पटेल नगर सुदना का रहने वाला है।

पड़वा के थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने बताया कि दोनों आरोपियों ने मिलकर जमीन के विवाद में तीन लाख की सुपारी लेकर रंजीत कुमार मेहता की हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि रंजीत कुमार मेहता और अमन सिंह नामक व्यक्ति की बीच जमीन का विवाद चल रहा था। 16 डिसमिल जमीन पर अमन सिंह कब्जा करना चाहता था, लेकिन पूरे परिवार में रंजीत कुमार मेहता सबसे मुखर था और विरोध करता था। थाना प्रभारी ने बताया कि रंजीत कुमार मेहता को रास्ते से हटाने के लिए अमन सिंह की तरफ से तीन लाख रुपये की सुपारी दोनों आरोपियों को दी गई थी।

सरना धर्म कोड को लेकर कांग्रेस, झामुमो पर बरसे रघुवर, पूछा- 60 वर्षों तक केंद्र में शासन रहा, तब क्यों नहीं किया था लागू

लातेहार, एजेंसी। सरना कोड की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा राज्य में आंदोलन चल रहा है. परंतु भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस मामले में हेमंत सोरेन सरकार की नीति और नीयत पर ही सवाल उठा दिया है. उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर आदिवासी विरोधी होने और आदिवासियों के नाम पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि केंद्र में 60 वर्षों तक कांग्रेस की सरकार रही. उस समय सरना कोड लागू क्यों नहीं कर दिया था? दरअसल झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास लातेहार में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम में भाग लेने आए थे. कार्यक्रम के समापन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन आदिवासियों के नाम पर सिर्फ गंदी राजनीति करते आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि आज झारखंड पूछ रहा है कि जब केंद्र में कांग्रेस की 60 वर्षों तक सरकार थी तो आखिर देश में सरना कोड लागू क्यों नहीं किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र में जब पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार थी तो शिबू सोरेन केंद्र सरकार में कोयला मंत्री थे. उस समय तत्कालीन भाजपा के सांसद सुदर्शन भगत ने संसद में मामला उठाया था और मांग की थी कि देश में सरना कोड लागू किया जाए तो संसद में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार ने कहा था कि देश में सरना कोड लागू नहीं किया जा सकता. इसीलिए आज झारखंड पूछ रहा है कि उस समय सरना कोड लागू क्यों नहीं कर दिया था? पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हेमंत सोरेन सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार का साढ़े पांच वर्ष से अधिक समय हो गया. परंतु आज तक पेसा कानून लागू नहीं किया गया. भगवान बिरसा मुंडा ने ग्राम स्वशासन के लिए संघर्ष किया. यही अबुआ राज्य का उद्देश्य भी था. परंतु हेमंत सोरेन की सरकार ग्राम स्वशासन को लागू करने के बदले आदिवासियों के नाम पर गंदी राजनीति कर रही है. सरना कोड के माध्यम से आदिवासियों को दिग्गभ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है. आज तक ग्राम सभा को अधिकार नहीं मिल पाया. ग्राम सभा को अधिकार देने के बदले हेमंत सोरेन और उनकी सरकार आदिवासियों का ध्यान भटकाने के लिए इस प्रकार का मुद्दा उठा रहे हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भाजपा द्वारा आयोजित अहिल्याबाई होल्कर की जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया. कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार झारखंड को लूट रही है. झारखंड को बचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता कमर कस लें. मौके पर सांसद कालीचरण सिंह, विधायक प्रकाश राम, जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, राजधानी यादव, महामंत्री वंशी यादव, अमलेश सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मजदूर की बेटी सलोनी ने रचा इतिहास, 10वीं में 96.60प्रतिशत अंक लाकर बनी गोड्डा टॉपर

गोड्डा, एजेंसी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल की मैट्रिक परीक्षा में गोड्डा जिले के नीमाकाला गांव की सलोनी ने जिलेभर में टॉप कर नया कीर्तिमान रच दिया है। सिद्धू कान्हू सरस्वती विद्या मंदिर ललमटिया की छात्रा सलोनी को 500 में से 483 अंक मिले हैं। बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली सलोनी की इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है।

पिता प्रमोद पंडित करते हैं मजदूरी : सलोनी के पिता प्रमोद पंडित मजदूरी करते हैं और इसी आमदनी से अपने दो बच्चों की पढ़ाई और पूरे परिवार का खर्च उठाते हैं। सलोनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और खुद की मेहनत को दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार की आर्थिक स्थिति कभी उनकी पढ़ाई में बाधा नहीं बनी, बल्कि हमेशा प्रेरणा बनी रही।

सलोनी की दिनचर्या बेहद अनुशासित रही। वह रोज सुबह 4 बजे उठ जाती थीं और पढ़ाई में जुट जाती थीं। स्कूल और कोचिंग के अलावा घर पर भी रोजाना 5 से 6 घंटे की पढ़ाई करती थीं। उन्होंने बताया कि मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर फोकस किया।

नीट की करेंगी तैयारी, बनेगी डॉक्टर : भविष्य की योजना के बारे में सलोनी ने बताया कि वह डॉक्टर बनकर अपने गांव और आसपास के इलाकों में स्वास्थ्य सेवा देना चाहती हैं। इसके लिए अब वह नीट की तैयारी ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से करेंगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर कैंपों में लौटने लगे आतंकी, पीओके में हुए ऐक्टिव, बीएसएफ अलर्ट

जम्मू, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल ने मंगलवार को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी लॉन्चपैड्स और ट्रेनिंग कैंपों में आतंकियों की फिर से वापसी हो रही है। बीएसएफ के इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) शशांक आनंद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों से आतंकियों की घुसपैठ की संभावनाओं के इनपुट मिल रहे हैं, जिनसे सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

- **घुसपैठ की कोई तय तारीख नहीं, लेकिन तैयारी जोरों पर-** आईजी शशांक आनंद ने कहा, फिलहाल हमारे पास किसी खास दिन की जानकारी नहीं है जब आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन हमें लगातार सूचना मिल रही है कि आतंकी संगठन एक्टिव हैं। वे फिर से अपने कैंपों में लौटे हैं, ट्रेनिंग ले रहे हैं, और ऐसे रास्तों से घुसपैठ की कोशिश करेंगे जहां उन्हें सुरक्षा में ढील महसूस होगी। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों में एलओसी और आईबी पर खुफिया एजेंसियों से लगातार इनपुट मिल रहे हैं, इसलिए हर इलाके में सुरक्षा बलों को अलर्ट मोड में रहना होगा।
- **100 से ज्यादा आतंकियों का सफाया, ऑपरेशन सिंदूर की सटीक स्ट्राइक-** भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके और पाकिस्तान में मौजूद 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया। इसके अलावा पाकिस्तानी ड्रोन हमलों की कोशिशों को भी नाकाम किया गया। 13 मई को ऑपरेशन केलर के तहत चार लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को मार गिराया गया और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

- **ड्रोन हमले में तीन जवान शहीद, पोस्ट को मिलेगी वीरता की पहचान-** 10 मई की सुबह पाकिस्तान ने जम्मू के सांबा सेक्टर में बीएसएफ की पोस्ट्स पर ड्रोन के जरिए हमला किया। इस हमले में बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार शहीद हो गए। आईजी आनंद ने कहा, हम इन शहीदों की बहादुरी को सम्मान देने के लिए दो पोस्ट्स का नामकरण उनके नाम पर करने का प्रस्ताव रख रहे हैं, और एक पोस्ट का नाम 'सिंदूर' रखा जाएगा, जो ऑपरेशन सिंदूर की याद दिलाएगा।
- **पाकिस्तान की गोलीबारी का माकूल जवाब-** उन्होंने यह भी बताया कि 7 मई को जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ था, तब यह आशंका थी कि पाकिस्तान जवाब में फायरिंग करेगा। बीएसएफ ने इस आशंका को ध्यान में रखते हुए जम्मू के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र पर चौकसी बढ़ा दी थी। जब पाकिस्तान ने अकारण गोलीबारी की, तो बीएसएफ ने उसका करारा जवाब दिया।

उन्होंने बताया, हमारे निगरानी उपकरणों में यह सब रिकॉर्ड हुआ है। हमने पाकिस्तान में मौजूद तीन आतंकी लॉन्चपैड्स को भी निशाना बनाकर नष्ट किया है। यह संदेश स्पष्ट है - भारत किसी भी आतंकी घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं करेगा। बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) शशांक आनंद ने कहा कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि कई 'लॉन्च पैड' नष्ट हुए हैं तथा सटीक हमलों के दौरान आतंकवादियों और पाकिस्तानी रेंजर्स में से कई की मौत हो गई। आईजी ने कहा, ''चिकन नेक क्षेत्र के सामने लश्कर-ए-तैयबा के लॉन्च पैड को 9-10 मई की रात को एक विशेष हथियार प्रणाली का उपयोग करके नष्ट कर दिया गया।''

'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया

बीएसएफ ने बताया कि उसने उन तीन 'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया, जहां से आतंकवादियों के घुसपैठ की आशंका थी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा 60 भारतीय चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर भारी गोलीबारी और बमबारी शुरू करने के बाद हुई, जिसका मकसद कथित तौर पर 40-50 आतंकवादियों को सीमा पार घुसपैठ कराना था। बीएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) चित्रपाल सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''पाकिस्तान ने हमारी 60 सीमा चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की। जवाब में हमने उनकी 76 चौकियों और 42 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की।'' सिंह ने बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा सुंदरबनी सेक्टर के पास संचालित एक प्रमुख 'आतंकी लॉन्च पैड' को नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''अब उस क्षेत्र से कोई हलचल नहीं देखी गई है।''

संक्षिप्त समाचार

घरवालों से बात करने को तड़प रहा जेल में बंद तहव्वुर राणा

अदालत का खटखटाया दरवाजा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा ने अपने परिवार से बात करने की इजाजत मांगी है। इसके लिए उसने मंगलवार को नई दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर की। राणा के वकील के माध्यम से दायर आवेदन पर बुधवार को विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह के समक्ष सुनवाई होने की संभावना है। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई व्यवसायी राणा फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमले के मुख्य षड्यंत्रकारी डेविड कोलमैन हेडली उर्फ ??दाऊद गिलानी के करीबी सहयोगी राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया है। सीनियर वकील दयान कृष्णन और विशेष लोक

अभियोजक नरेंद्र मान राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (हृद्ब) की ओर से पेश हुए। कार्यवाही शुरू होने से पहले अदालत ने राणा से पूछा कि क्या उसके पास कोई वकील है। राणा ने बताया कि उसके पास कोई वकील नहीं है। इस पर अदालत ने बताया कि दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उसे वकील मुहैया कराया जा रहा है। इसके बाद वकील पीयूष सचदेवा को उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया गया।

हाफिज सईद, साजिद मीर को भी सौंपने की मांग- दूसरी ओर, इजरायल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने कहा है कि जैसे अमेरिका ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से तहव्वुर हुसैन राणा को भारत को सौंपा था, उसी तरह पाकिस्तान को प्रमुख आतंकवादियों हाफिज सईद, साजिद मीर और जकीउर रहमान लखवी को भारत को सौंप देना चाहिए। सिंह ने आतंकवाद को वैश्विक खतरा बताते हुए इसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने का भी आह्वान किया। इजराइली टीवी चैनल आई24 को सोमवार को दिए गए साक्षात्कार में सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर रोका गया है, यह खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने इस संबंध में घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी कि भारत को कार्रवाई क्यों करनी पड़ी और कहा कि यह अभियान पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठनों के खिलाफ था।

सांप्रदायिक तनाव भड़काने के आरोप में पुलिस ने विहिप नेता को गिरफ्तार किया

मंगलुरु, एजेंसी। मंगलुरु में इस महीने के शुरू में एक हिन्दूवादी नेता की हत्या के बाद भड़काऊ भाषण देने, सांप्रदायिक तनाव भड़काने और सार्वजनिक शांति भंग करने के आरोप में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता शरण पंपवेल को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गत एक मई को बाजपे थाना क्षेत्र में विहिप कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद उनके शव का पोस्टमार्टम ए.जे. अस्पताल के शवगृह में किया गया था। आरोप है कि अस्पताल परिसर के बाहर हिंदू संगठन के नेता शरण पंपवेल ने मीडिया से बातचीत में शेट्टी की हत्या में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई और 'जिहादी इस्लामी आतंकवादियों' के शामिल होने का दावा करते हुए भड़काऊ बयान दिया था।

उन्होंने दो मई को जिले में बंद का आह्वान भी किया था। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि जब जनता ने बंद का समर्थन नहीं किया तो पंपवेल के बयान से भड़के उनके समर्थकों ने मंगलुरु के विभिन्न हिस्सों में तोड़फोड़ की और जबरन दुकानें एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करवाने के लिए अशांति पैदा की जिससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा, सांप्रदायिक तनाव बढ़ा और सार्वजनिक शांति भंग हुई। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद मंगलुरु पूर्व पुलिस थाने में पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। मंगलुरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि जांच के दौरान आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए तथा शरण पंपवेल को पूछताछ के लिए दो नोटिस दिए गए लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया।

नड्डा टटोलेंगे संगठन की नब्ज! 31 मई को आएंगे जयपुर, कुछ यूं रहेगा कार्यक्रम

जयपुर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 31 मई को जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। हालांकि, यह दौरा महज़ एक महिला केंद्रित कार्यक्रम में शिरकत तक सीमित नहीं रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार, नड्डा प्रदेश संगठन की स्थिति को भी परख सकते हैं और इसके लिए एक अहम अनौपचारिक बैठक आयोजित की जा सकती है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि नड्डा दोपहर बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सकते हैं। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सहित अन्य प्रमुख चेहरे मौजूद रह सकते हैं। प्रदेश कार्यालय में तैयारियां तेज़ कर दी गई हैं, हालांकि अभी तक भाजपा की ओर से बैठक का कोई आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

माना जा रहा है कि यह बैठक संगठनात्मक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। नड्डा आगामी महीनों में चलाए जाने वाले विभिन्न संगठनात्मक अभियानों की रूपरेखा पर चर्चा कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी को लेकर प्रारंभिक चर्चा की भी संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर से फीडबैक लिया जाएगा कि कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद और समन्वय कैसा चल रहा है।

सूत्रों के अनुसार, नड्डा इस दौरान यह भी जानने की कोशिश करेंगे कि प्रदेश सरकार और संगठन के बीच तालमेल किस स्तर का है। हाल ही में हुई बैठकों और घटनाक्रमों के आधार पर स्थानीय स्तर पर उभरे गुटबाजी और मतभेदों की रिपोर्ट भी उनके समक्ष रखी जा सकती है। यह बैठक भले ही अनौपचारिक हो, लेकिन इसके दूरगामी राजनीतिक असर माने जा रहे हैं।

इसके अलावा, नड्डा निकट भविष्य में होने वाले निकाय चुनावों को लेकर भी नेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दे सकते हैं। यह दौरा जहां एक ओर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से जनसंपर्क की रणनीति को बल देगा, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक कसौटी पर नेताओं की भूमिका और सक्रियता को भी परखेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, यह दौरा राजस्थान भाजपा के लिए आत्मविश्लेषण और सुधार की दिशा में एक निर्णायक मोड़ हो सकता है। आने वाले समय में यदि संगठन में कोई बड़ा बदलाव होता है तो उसकी झलक इस बैठक में देखी जा सकती है। नड्डा का यह दौरा न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए संदेशवाहक होगा, बल्कि आने वाले राजनीतिक समीकरणों का संकेत भी बन सकता है।

संजय राउत के बयान पर महाराष्ट्र सरकार ने जताया कड़ा ऐतराज

महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान

मुंबई, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताने पर महाराष्ट्र सरकार ने कड़ा ऐतराज जताया है। महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कदम ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताना गलत है। हमारे देश के जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया। आज तक पाकिस्तान में किसे ने ऐसी कार्रवाई नहीं की थी। पूरी दुनिया को पता है कि पाकिस्तान आतंकियों का हब है, उस पर हमला करने की हिम्मत भारत ने दिखाई। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर आप देश की बदनामी पूरी दुनिया में कर रहे हो। मुझे लगता है कि अगर आप सपोर्ट नहीं कर सकते तो कम से कम चुप बैठना चाहिए। ऐसी मानसिकता को सड़ा हुआ दिमाग ही कहेंगे।%

दरअसल, राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताया था। शिवसेना यूबीटी नेता का यह बयान तब आया जब भारतीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजा गया है। साथ ही, विपक्षी नेता पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे है। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक की भी मांग की है। राउत ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर विफल रहा। हालांकि, राष्ट्रहित में विपक्ष इस पर ज्यादा बात नहीं करना चाहता। पहलगाम में आतंकवादियों की ओर से 26 निर्दोष लोगों की हत्या के कारण ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ। हमले के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार थे और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। पीएम मोदी को अमित शाह को मंत्रिमंडल से हटा देना चाहिए।%

ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए 100 से अधिक आतंकी- ऑपरेशन सिंदूर भारत की ओर से 6-7 मई की रात शुरू किया गया सैन्य अभियान था। यह 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था, जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों के शिविर नष्ट किए गए। इस अभियान में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी हथियारों और तकनीक का उपयोग हुआ, जिसमें नूर खान और रहीमयार खान जैसे पाकिस्तानी एयरबेस को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, लेकिन भारत के मजबूत वायु रक्षा तंत्र ने इसे नाकाम कर दिया।

संस्कृत में सम्भाषण से राष्ट्रीय संस्कृति का होगा विकास

विशेष संवाददाता | वाराणसी

सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान वाराणसी के संस्थापक संस्कृत के मूर्धन्य विद्वान् आचार्य वासुदेव द्विवेदी शास्त्री जी की पुण्य स्मृति में भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सभागार में विद्वत्सम्मान एवं कविसम्मेलन का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के पूर्व अध्यक्ष आचार्य नागेन्द्र पाण्डेय जी ने की। समारोह में विषय प्रवर्तन आचार्य कृष्ण कान्त शर्मा ने किया। मुख्यातिथि के रूप में डा सिंहासन पाण्डेय तथा विशिष्टातिथि के रूप में विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान तथा भारत अध्ययन केन्द्र के संयुक्त संयोजन में कार्यक्रम सम्पन्न

हुआ।विद्वत्सम्मान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के डॉ सिंहासन पाण्डेय तथा विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा को आचार्य वासुदेव द्विवेदी शास्त्री जी की स्मृति में संस्कृत सेवा सम्मान प्रदान किया गया।मंच का संचालन प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी ने तथा स्वागत प्रो शरविन्दु कुमार त्रिपाठी ने किया। सभी वक्ताओं ने संस्कृत भाषा को सरलरुप से जनमानस तक पहुंचाने के लिए आचार्य वासुदेव द्विवेदी शास्त्री द्वारा किए गए प्रयासों का विस्तार से उल्लेख किया। अध्यक्षीय भाषण में प्रो ० नागेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि आचार्य वासुदेव द्विवेदी शास्त्री एक अद्वितीय संस्कृत सेवक थे। किसी भी शासकीय पद को न स्वीकारते हुए उन्होंने अपने सत्प्रयासों से आजीवन संस्कृत भाषा का प्रचार किया। वे देश की सभी क्षेत्रीय भाषाओं की लिपि के ज्ञाता थे। मुख्यातिथि डॉ सिंहासन पाण्डेय ने कहा कि उनके द्वारा रचित अद्यापि संस्कृत महाकाव्य में सम्पूर्ण भारत का स्वरूप वर्णित है, जो उन्होंने भारतवर्ष की यात्रा के समय स्वयं देखा था। विशिष्टातिथि डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कहा कि आचार्य वासुदेव द्विवेदी हास्य विनोद की विधि से संस्कृत कथाओं को प्रस्तुत कर बालकों में संस्कृत भाषा को दृढ़ता के साथ प्रस्तुत किया। संस्कृत भाषा को सरलरुप में बोलने की आवश्यकता है। संस्कृत कवि सम्मेलन में प्रो सिंहासन पाण्डेय, प्रो ०शरदिव्यन्दु कुमार त्रिपाठी, प्रो गोपबंधु मिश्र, प्रो कृष्ण कान्त शर्मा, शैलेश कुमार तिवारी, अरविंद कुमार तिवारी प्रो संतोष चतुर्वेदी सहित अनेक संस्कृत कवियों ने संस्कृत कविता की मधुर गंगा बहाई। कवि सम्मेलन का संचालन प्रो शैलेश तिवारी ने किया।

देश भर से आएं लोग, खत्म हो गया कश्मीर में डर का माहौल; फारूक अब्दुल्ला की पहलगाम से अपील

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ फारूक अब्दुल्ला का कहना है कि कश्मीर में अब डर का माहौल काफी हद तक खत्म हो गया है। उन्होंने देश भर के लोगों से आग्रह किया कि वे कश्मीर में खूबसूरती का आनंद लेने के लिए आएं। अब्दुल्ला ने विदेश मंत्रालय से आग्रह किया कि वह जम्मू-कश्मीर की यात्रा के खिलाफ कुछ देशों की ओर से जारी निगेटिव ट्रैवल गाइडलाइन को रद्द कराने का प्रयास करे। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन प्रभावित हुआ है। इस आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी।

अब्दुल्ला ने कहा, यहां (पहलगाम हमला) जो हुआ वह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए था। लोग यहां खुशी-खुशी आ रहे थे। लोग अपने काम में व्यस्त थे, वे सरकारी नौकरी नहीं मांग रहे थे। पहलगाम में स्थिति ऐसी थी कि यहां कमरे उपलब्ध नहीं थे।सीनियर लीडर ने पर्यटक रिसॉर्ट का दौरा किया और कुछ मित्रों के साथ पहलगाम गोल्फ कोर्स में गोल्फ खेला। उन्होंने कहा कि हालांकि हमले से भय का माहौल पैदा हुआ है, लेकिन सरकार ने घाटी में सुरक्षा स्थिति सुधारने के लिए कुछ कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा, यहां डर का माहौल था, लेकिन मुझे लगता है कि अब डर का माहौल काफी हद तक कम हो गया है। आप देख सकते हैं कि कितने लोग पहलगाम आ रहे हैं। मैं गुलमर्ग में था, वहां 400-500 पर्यटक थे। उन्होंने कहा, अल्ला का शुक्र है कि अब डर खत्म हो रहा है। सरकार ने भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। मुझे लगता है कि लोगों को आगे आना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने केंद्र से अपील की कि वह उन देशों से बातचीत करे, जिन्होंने अपने नागरिकों को जम्मू कश्मीर नहीं जाने के लिए परामर्श जारी किया है, ताकि ये पाबंदियां हटाई जा सकें।

उन्होंने स्पष्ट रूप से पाकिस्तान का हवाला देते हुए कहा, मैं केंद्र सरकार और विदेश मंत्री से भी अनुरोध करता हूं कि अब समय आ गया है कि विदेशों द्वारा भारत आने पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए जाएं। दोनों देशों में शांति आ गई है और हम आशान्वित हैं कि शांति बनी रहेगी। उन्हें भी यहां आने की अनुमति मिलनी चाहिए क्योंकि वे भी इस जगह को देखना चाहते हैं। इनमें से कई गोल्फ खिलाड़ी हैं, मैं आशा करता हूं कि वे आएंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि बहुत से लोग गोल्फ खेलते हैं और इस खेल को अब खेलो इंडिया गेम्स में भी जगह मिल गई है। उन्होंने कहा, यह खेल ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में खेला जाता है, इसलिए अब इसे हर जगह खेले जाने की जरूरत है। मेरा मानना ??है कि हमारे लोगों को बड़ी संख्या में यहां आना चाहिए और इस खेल को खेलना चाहिए ताकि भारत को इन खेलों में पदक मिल सके। कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, इस मौसम और सुंदरता को देखिए, मैंने दुनिया भर में विभिन्न स्थानों की यात्रा की है, लेकिन मैंने कहीं भी ऐसी सुंदरता नहीं देखी है। मुझे उम्मीद है कि आपके चैनल को देखने वाले लोग बड़ी संख्या में यहां आएंगे, इस सुंदरता को देखेंगे और देश को मजबूत बनाएंगे। हमें डरना नहीं चाहिए, अगर हम डर गए, तो हम मर चुके हैं।

अमरनाथ यात्रा पर बोले- यह अहम है, भोले नाथ के होंगे दर्शन- अब्दुल्ला ने तीन जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के बारे में कहा कि यह तीर्थयात्रा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, यह कई वर्षों से जारी है। मुझे उम्मीद है कि अधिक से अधिक तीर्थयात्री यहां आएंगे और शंकर भगवान, भोले नाथ के दर्शन करेंगे तथा अपने घर जाकर लोगों को बताएंगे कि यह स्थान कितना सुंदर है।

जितेश की पारी IPL के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है: टॉम मूडी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है।

कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली।

मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच मारी बाजी, बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। भइया अब तो कहना ही पड़ेगा, वैभव सूर्यवंशी जैसा कोई नहीं. अब जिस नन्हें खिलाड़ी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारी हो, उसके बारे में ऐसा नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे? 58 बल्लेबाजों के बीच अपने दबदबे की कहानी लिख 14 साल के वैभव सूर्यवंशी नंबर 1 भी बन गए हैं. अब आप सोच रहे हैं कि वैभव सूर्यवंशी ने कारनामा किया कहां? और कब किया? तो इन सवालों का जवाब आईपीएल से ही जुड़ा है.

इन 58 बल्लेबाजों के बीच वैभव सूर्यवंशी छाए: सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वो 58 बल्लेबाज हैं कौन, जिनके बीच वैभव सूर्यवंशी ने अपने नाम का डंका पीटा है. वो सभी बल्लेबाज आईपीएल में धूम मचा चुके हैं. दरअसल, ये उन बल्लेबाजों की संख्या है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल में शतक जड़ा है. और, वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में शतक लगाने वाले उन सारे बल्लेबाजों के बीच नंबर वन पर हैं.

वैभव सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड तोड़ा: अब अगर बाउंड्री पर्सेन्टेज निकालें तो वैभव सूर्यवंशी ने 93 प्रतिशत रन अपनी सेंचुरी के दौरान सिर्फ चौके-छक्के लगाकर बनाए थे, जो कि एक रिकॉर्ड है. वैभव सूर्यवंशी ने इस मामले में अपने ही टीममेट और ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड को तोड़ा है. यशस्वी जायसवाल ने जब आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक जड़ा था तो उसमें 90 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे.

सनथ जयसूर्या नंबर 3, गिलक्रिस्ट चौथे नंबर पर: वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बाद तीसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व ओपनर सनथ जयसूर्या हैं. उन्होंने आईपीएल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जमाए अपने शतक में 89 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे. जबकि उसी आईपीएल सीजन में एडम गिलक्रिस्ट ने जब मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक लगाया था तो उसमें 88 प्रतिशत रन बाउंड्री से मारे थे.

इस मामले में नंबर 1 बने वैभव सूर्यवंशी

अब वैभव सूर्यवंशी नंबर वन तो हैं मगर किस मामले में? क्योंकि, ना ही उनका शतक सबसे तेज है और ना ही उनका बनाया स्कोर सबसे बड़ा. वैभव सूर्यवंशी जिस मामले में 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारने में कामयाब रहे हैं, वो है उनकी सेंचुरी में मौजूद बाउंड्री पर्सेन्टेज. 14 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़ दिया था. वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों पर 265.78 की स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाए थे, जिसमें 7 चौके और 11 छक्के शामिल रहे थे. मतलब उन्होंने अपनी संचरी में 94 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए थे.

भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा: ज्योफ्री बॉयकॉट

लंदन, एजेंसी। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी।

क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी। इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था।

बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

लखनऊ, एजेंसी। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए।

उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं। लखनऊ के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, 'जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा।

जोकोविच ने मैकडोनाल्ड के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को अपने 2025 रौलां गैरो अभियान की शुरुआत अपने ट्रेडमार्क अंदाज में की, उन्होंने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर पहले दौर में आत्मविश्वास और संयम के साथ प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। यह जीत जोकोविच द्वारा जिनेवा ओपन में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के ठीक तीन दिन बाद मिली।

मैकडोनाल्ड के खिलाफ अपना पहला एटीपी हेड2हेड मैच खेलते हुए, जोकोविच एक घंटे, 58 मिनट के मुकाबले में पूरे नियंत्रण में थे। मैच की शुरुआत में हवा की स्थिति ने कुछ अप्रत्याशितता पैदा की, लेकिन बारिश के कारण दूसरे सेट के बीच में छत बंद हो गई। तब तक, सर्बियाई खिलाड़ी ने पहले ही गति पकड़ ली थी, उन्होंने शुरुआती सेट में 2-2 से सात में से छह गेम जीत लिए थे।

इस जीत ने रौलां गैरो के पहले दौर के मैचों में जोकोविच के शानदार रिकॉर्ड को 20-0 तक पहुंचा दिया है। 2010 के बाद से उन्होंने क्ले-कोर्ट मेजर में ओपनर में एक भी सेट नहीं गंवाया है, जब उन्होंने चार सेटों में एवगेनी कोरोलेव को हराया था। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में फ्रेंच में कहा, ÷मैं इस बेहद खास और खूबसूरत कोर्ट पर हर पल का लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं।मैं यहां अच्छा महसूस कर रहा हूँ, जाहिर है, और भी ज्यादा क्योंकि मैं पिछले साल के ओलंपिक की

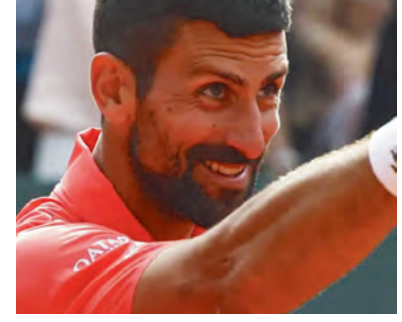

यादों को फिर से जी रहा हूं, पिछली बार जब मैंने इस कोर्ट पर खेला था। वे खूबसूरत भावनाएं हैं। मैकडोनाल्ड ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संघर्ष किया और दूसरे सेट में अंतर को कम करने के लिए सर्विस का एक ब्रेक हासिल किया, लेकिन जोकोविच ने तुरंत वापसी की और इसे बंद कर दिया। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने नौ में से पांच ब्रेकपॉइंट को कन्वर्ट किया और मैकडोनाल्ड के आक्रमण को रोकने के लिए बेसलाइन से लगातार शॉट्स में गहराई बनाए रखी।

एटीपी रैंकिंग में नंबर 6 पर काबिज जोकोविच 2024 में रौलां गैरो में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, इससे पहले कि घुटने की चोट के कारण उन्हें वापस हटना पड़ा। उन्होंने उसी कोर्ट पर ओलंपिक स्वर्ण जीतने के लिए साल के अंत में वापसी की। इस खेल में इतिहास ने मुझे मेरे जीवन में सब कुछ दिया है, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं हमेशा जहां भी संभव हो इतिहास बनाने की कोशिश करता हूं... मैं जितने भी टूर्नामेंट खेलता हूं, जितने भी अभ्यास करता हूं, जितने भी मैच खेलता हूं, और खासकर दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट के दौरान। सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, ÷मेरे पास और अधिक इतिहास रचने का अवसर है और यह प्रतियोगिताओं के लिए मेरी सबसे बड़ी प्रेरणाओं में से एक है, ताकि मैं काम करना जारी रख सकूं और खुद को बेहतर बना सकूं। जोकोविच का सामना अब दूसरे दौर में कोरेंटिन मौटेट या क्वालीफायर क्लेमेंट टैबूर से होगा।

गुकेश की नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार, दूसरे राउंड में अर्जुन ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश की नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 में शुरुआत बेहद खराब रही। उन्हें शुरुआती दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को खेले गए दूसरे राउंड में उन्हें हमवतन अर्जुन एरिगैसी ने हराया। इस हार के बाद गुकेश स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

तीसरे राउंड में हिकारू से भिड़ेंगे गुकेश इस जीत से अर्जुन दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। टॉप पर अमेरिका के हिकारू नाकामुरा हैं। एक अन्य मुकाबले में हिकारू ने मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। तीसरे राउंड में गुकेश का सामना हिकारू से होगा। कौन हैं डी गुकेश? गुकेश डी का पूरा नाम डोम्माराजू गुकेश है। वह चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था। उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं।

गुकेश मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था।

गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए। गुकेश ने चेस ओलिंपियाड भी जिताया था 10 से 23 सितंबर तक पिछले साल बुडापेस्ट में चेस ओलिंपियाड का आयोजन हुआ था। भारत ओपन और विमेंस दोनों कैटेगरी में चैंपियन बना था।

रेसलिंग की जगह मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे जॉन सीना

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई को जॉन सीना जैसा गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) शायद कभी नहीं मिलता। एक समय ऐसा था जब जॉन सीना रेसलिंग में आने ही नहीं वाले थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई बड़े सितारे हुए हैं जिन्होंने अलग-अलग दौर में अपना नाम बनाया है।

जॉन सीना भी उनमें से एक हैं। अनसीन 17 प्रोफेशनल रेसलिंग में बहुत बड़ा नाम है और डब्ल्यूडब्ल्यूई का चेहरा भी रहे हैं। लेकिन, अगर जॉन सीना ने कोई और रास्ता चुना होता तो कंपनी को ऐसा GOAT कभी नहीं मिल पाता। दरअसल, जॉन सीना एक समय मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे। उसी समय उन्हें कुश्ती का भी ऑफर मिला।

जॉन सीना ने कैसे चुनी रेसलिंग

जॉन सीना ने स्टेफनी मैकमैहन के नए शो स्टेफनी प्लेसेस पर अपने संघर्ष के दिनों की एक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि शारीरिक गतिविधियों में रुचि होने के बाद वे मरीन कॉर्प्स में जाना चाहते थे। उन्हें लगता था कि यह उनके लिए सही रहेगा। जॉन सीना ने मरीन में भर्ती होने का फैसला कर लिया था। लेकिन, उसी हफ्ते उनके एक दोस्त ने उन्हें ऑरेंज काउंटी में एक ट्रेनिंग सेशन के लिए बुलाया। द फेस दैट रन्स द प्लेस ने वहां जाने का फैसला किया। रिंग देखकर उन्हें रेसलिंग से प्यार हो गया। फिर उन्होंने हफ्ते में एक नौकरी करने और वीकेंड पर रेसलिंग करने का फैसला किया। अगर जॉन सीना उस वीकेंड मरीन में भर्ती होने चले जाते, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई को उनका एक बड़ा नाम कभी नहीं मिलता। रेसलिंग की दुनिया भी बहुत अलग होती। लेकिन, सीना ने उस ट्रेनिंग सेशन में जाने का फैसला किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई में शामिल हो गए। 25 साल बाद, उन्हें गोट के रूप में जाना जाता है। वे 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन रह चुके हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में सीना का योगदान काफी अहम

जॉन सीना की कहानी प्रेरणादायक है। यह हमें सिखाती है कि हमें अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हमें हमेशा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। डब्ल्यूडब्ल्यूई में जॉन सीना का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं।

न्यूज बाइट्स

पुलिस टीम पर हमला

नवीनगर (औरंगाबाद) (नि.सं.)। शराब के खिलाफ कार्रवाई करने गई पुलिस की टीम पर हमला हुआ है। पुलिस की पिटाई का वीडियो बुधवार को सामने आया है। इसमें एसआई सुमित चंद्र बंधे हुए नजर आ रहे हैं। लोगों की पिटाई में एसआई सुमित चंद्र समेत अन्य 3 पुलिस कर्मी घायल हो गए। मामला माली थाना क्षेत्र के चरण गांव का है। घायलों का इलाज नवीनगर रेफरल अस्पताल में कराया गया है। वायरल वीडियो में कुछ ग्रामीण एसआई सुमित चंद्र को घेरकर बहस बाजी करते दिख रहे हैं। इस मामले में 11 नामजद और 60 अज्ञात लोगों पर एफआईआर हुआ है। एसआई सुमित चंद्र ने बताया कि 25 मई की सुबह 8:20 बजे वे महिला चौकीदार सोनपुल देवी के बेटे फुलेन्द्र पासवान के साथ चरण बाजार गए थे। सूचना मिली कि धनंजय सोनी अपने घर के सामने अवैध शराब बेच रहा है।

ट्रेन में हुई जान-पहचान ने लिया प्यार का रूप, निकाह के वादे से मुकरा आशिक

गोह (औरंगाबाद) (नि.सं.)। यह मामला गोह प्रखंड के बंदेया थाना क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा है, जहां ट्रेन में शुरू हुई एक मुलाकात ने पहले मुहब्बत का रूप लिया और फिर निकाह के वादों में बदलकर धोखे की एक दर्दनाक कहानी बन गई। पीड़िता ने अब पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि उसे इंसाफ दिलाया जाए। पीड़िता बेंगलुरु की एक निजी कंपनी में कार्यरत है। उसने बताया कि 1 जनवरी 2024 को जब वह ट्रेन से बेंगलुरु लौट रही थी, तो सफर के दौरान एक युवक से उसकी मुलाकात हुई। बातचीत में युवक ने बताया कि वह भी बेंगलुरु की ही एक कंपनी में काम करता है। इसी दौरान दोनों ने आपस में नाम-पता और मोबाइल नंबर साझा किया। यात्रा खत्म होने के बाद मोबाइल पर बातों का सिलसिला शुरू हुआ और जल्द ही यह जान-पहचान मुहब्बत में बदल गई। युवती ने आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान युवक ने उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो भी बना लीं। जब उसने इस पर ऐतराज जताया, तो युवक ने कहा कि वह उससे निकाह करेगा और यह सब उसके प्यार की निशानी है। युवती जब रिश्ते को आगे बढ़ाना चाही तो युवक ने खुद उसे कहा कि वह अपने पिता को उसके घर भेजे, ताकि बात पक्की हो सके।

बिक्रमगंज की सभा को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी में जुटा एनडीए, औरंगाबाद में हुआ शक्ति प्रदर्शन

प्रधानमंत्री के दौरे में किसी भी तरह की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए : ललन सिंह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित बिक्रमगंज जनसभा को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल बुधवार को औरंगाबाद पहुंचे। यहां ब्लॉक मोड़ स्थित सम्राट अशोक भवन में एनडीए, कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की गई, जिसमें सभा की तैयारियों की समीक्षा के साथ-साथ महागठबंधन के खिलाफ चुनावी रणनीति पर भी चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष व पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक सिंह ने किया। ललन सिंह और दिलीप जायसवाल ने कार्यकर्ताओं से बिक्रमगंज की सभा में सुबह 9 बजे तक ही पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होगा, लेकिन कुछ जगहों पर गलती से 11 बजे लिखा गया है। ऐसे में समय को लेकर भ्रम न हो, यह सभी की जिम्मेदारी है। दोनों नेताओं ने प्रत्येक विधानसभा से कम से कम 10,000 कार्यकर्ताओं को लाने के लिए वाहन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि गर्मी को देखते हुए लोग जल्द आएं और कार्यक्रम के बाद आसानी से घर लौट सकें। बैठक में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा, देश और राज्य में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास की फसल बो दी है। अब यह जनता की जिम्मेदारी है कि इस फसल को काटें और उसे बिक्रमगंज तक पहुंचाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे में किसी भी तरह की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। वाहन, पेयजल, छाया आदि की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2005 के पहले बिहार की पहचान जंगलराज, अपहरण उद्योग और भ्रष्टाचार से होती थी। लेकिन नीतीश कुमार के नेतृत्व में यह स्थिति पूरी तरह बदल गई है। अब कोई आधी रात को भी औरंगाबाद से पटना सुरक्षित जा सकता है। हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ा गया है, बिजली की उपलब्धता 700 मेगावाट से बढ़कर 6800 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। स्कूलों, अस्पतालों और कानून-व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार हुए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सभा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह सभा औरंगाबाद, अरवल और जहानाबाद की जनता के लिए गौरव का क्षण होगा। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी वही नेता हैं, जिन्होंने आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मारा। पिछली बार पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर सौ से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। इस बार फिर बिहार की धरती से नया संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साथ मंच साझा करेंगे।

इस बैठक में एमएलसी दिलीप कुमार सिंह,जदयू नेता सह रफीगंज पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह, जदयू के पूर्व विधायक नवीनगर बीरेंद्र कुमार सिंह,पूर्व एमएलसी राजन कुमार सिंह,भाजपा नेता सह समाजसेवी सतीश कुमार सिंह , लोजपा नेता चंद्रभूषण सिंह सहित भाजपा, जदयू, रालोसपा, हम से जुड़े पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री का बिहार दौरा होगा ऐतिहासिक साबित

इस दौरान पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने अपने बयान में कहा कि 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार दौरा ऐतिहासिक साबित होगा। विक्रमगंज की जनसभा में सैकड़ों की संख्या में औरंगाबाद समेत आस-पास के जिलों से एनडीए कार्यकर्ता भाग लेंगे। यह सभा केवल एक राजनैतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बिहार की तस्वीर और तकदीर बदलने वाला कदम होगा।

यह दौरा बिहार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

भाजपा जिला महामंत्री सह समाजसेवी सतीश कुमार सिंह ने कहा कि यह दौरा बिहार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी बिहार के विकास को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और उनकी उपस्थिति हर कार्यकर्ता को नया जोश देती है। औरंगाबाद से भारी संख्या में लोग इस जनसभा में भाग लेंगे।

पीएम की सभा बिहार की राजनीति को देगी नई दिशा

भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य गोपाल शरण सिंह ने भी कहा कि 'मोदी की सभा में लाखों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। यह सिर्फ एक सभा नहीं बल्कि बिहार की राजनीति में एक नई दिशा देने वाला कदम होगा। कार्यकर्ता पूरे जोश और ऊर्जा के साथ इस जनसभा को सफल बनाने में जुटे हैं।

दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

जिले के नवीनगर प्रखंड अंतर्गत तेतरिया रोड स्थित भूसौली मोड़ के पास बुधवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है और गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है।

जानकारी के अनुसार, मृत युवक की पहचान गोलू कुमार, पिता अरुण सिंह, निवासी सिमरी जैतीया गांव के रूप में हुई है। गोलू पुणे की एक निजी कंपनी में काम करता था और तीन दिन पहले ही वह छुट्टी में घर लौटा था। बुधवार को वह तेतरिया बाजार सेविंग कराने जा रहा था, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों पर सवार युवक सड़क किनारे जा गिरे।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत तीनों घायलों को उठाकर नवीनगर रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद रेफर कर दिया। सदर अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने गोलू कुमार को मृत घोषित कर दिया। जबकि रिशु सिंह और अंशु सिंह, दोनों गंभीर रूप से घायल पाए गए, जिन्हें गोपाल नारायण सिंह मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, जमुहार रेफर किया गया है।

सूचना पर नगर थाना के दारोगा चंदन कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। मृतक गोलू दो भाइयों में बड़ा था और उसके पिता गांव में खेती करते हैं। बेटे की असमय मौत से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। घर में मां का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव के लोग इस घटना से बेहद दुखी हैं। नवीनगर थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों बाइकों को जब्त कर लिया गया है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है, लेकिन मामले की जांच जारी है। परिजनों ने जिला प्रशासन से आपदा राहत मुआवजे की मांग की है।

पुलिस ने अवैध बालू लदा ट्रेलर जब्त

अंबा (औरंगाबाद)(नि.सं.)। रिसियप थाना क्षेत्र के बुमरू गांव के पास से पुलिस ने अवैध बालू लदा एक ट्रेलर जब्त किया है। चालक विशाल कुमार इंजन लेकर भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष निशा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

आयुष्मान भारत योजना के विशेष शिविर का 30 मई तक बढ़ी पंजीकरण की तिथि

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

आयुष्मान भारत योजना के तहत गोह प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में विशेष पंजीकरण शिविरों का आयोजन किया गया है। पहले यह शिविर 26 से 28 मई तक निर्धारित थे, लेकिन आम लोगों की सुविधा को देखते हुए अब इसकी समय सीमा 30 मई तक बढ़ा दी गई है। इन शिविरों में ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड बनाकर निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दी जा रही है। प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार दिनकर व अन्य पदाधिकारियों की निगरानी में यह शिविर चलाए जा रहे हैं। दधपी पंचायत सरकार भवन पर 200 से अधिक लोगों का ऑन-स्पॉट पंजीकरण कर आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है। शिविरों में हर पंचायत के सरकार भवन, वार्ड व गांवों में जाकर कर्मी दस्तावेज की जांच कर मौके पर ही कार्ड बना रहे हैं। इन शिविरों में बीपीएल धारकों, राशन कार्डधारियों, व 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को केवल आधार कार्ड के आधार पर आयुष्मान कार्ड जारी किया जा रहा है। चाहे वे पेंशनधारी हों या नहीं, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि अब तक जिन लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिला है, वे अपने दस्तावेजों के साथ शिविर में आकर जरूर पंजीकरण करवाएं। विशेष अभियान के तहत प्रशासन ऐसे वरिष्ठ नागरिकों की पहचान कर रहा है, जिन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पाया है।

विश्व साइकिल दिवस से पर्यावरण दिवस तक चलेगा विशेष एसवीईईपी अभियान, वोटिंग और पर्यावरण पर एक साथ होगा जोर

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से त्रिदिवसीय विशेष एसवीईईपी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसको लेकर बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने की। उन्होंने कहा कि यह अभियान सिर्फ एक औपचारिकता नहीं बल्कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने और नागरिकों को उनके अधिकार व कर्तव्यों के प्रति सजग करने की दिशा में उठाया गया ठोस कदम है।

इस वर्ष एसवीईईपी अभियान की शुरुआत 3 जून को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर एक भव्य साइकिल रैली से होगी, जो गेट स्कूल मैदान से शुरू होकर सिंचाई कॉलोनी स्थित नए समाहरणालय परिसर तक आयोजित की जाएगी। इस रैली में स्कूली छात्र-छात्राएं, कॉलेज विद्यार्थी, सरकारी कर्मचारी, अधिकारी, स्काउट एवं गाइड दल तथा नए मतदाता हिस्सा लेंगे। इस रैली के माध्यम से "साइकिल चलाओ, वोटिंग बढ़ाओ" और "फिट भी वोटर, हिट भी वोटर" जैसे संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही दिव्यांग मतदाताओं को प्रेरित करने हेतु विशेष साइकिल यात्रा निकाली जाएगी, जो समावेशी लोकतंत्र की भावना को दर्शाएगा। अभियान के दूसरे दिन 4 जून को मतदाता संवाद दिवस मनाया जाएगा। इस दिन जिले के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, सामुदायिक केंद्रों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर मतदान प्रक्रिया, ईवीएम और वीवीपैट के उपयोग की जानकारी, पहली बार वोट डालने वाले युवाओं की शपथ, पर्यावरणीय मतदान का संकल्प और भारत निर्वाचन आयोग के डिजिटल एप्लिकेशन की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा छात्रों के बीच रंगोली, पोस्टर, नारा लेखन और मेहंदी जैसी प्रतियोगिताएं भी होंगी, ताकि रचनात्मक तरीके से मतदान के महत्व को उजागर किया जा सके। अभियान का तीसरा दिन 5 जून, जो कि विश्व पर्यावरण दिवस है, उस अवसर पर जिले के लो वोटर टर्नआउट वाले क्षेत्रों में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और मतदाता शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। "हर वोट के साथ एक पौधा लगाओ", "स्वस्थ लोकतंत्र, हरा पर्यावरण", और "मैं वोट दूंगा - मैं पेड़ लगाऊंगा" जैसे संदेशों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण और लोकतंत्र के प्रति जागरूक किया जाएगा।

विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूलस में हुआ 'समर एजुकेशनल कैंप' का आयोजन, छात्रों में दिखा जबरदस्त उत्साह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा इस बार गर्मी की छुट्टियों को शिक्षात्मक रूप देने के उद्देश्य से विशेष "समर एजुकेशनल कैंप" का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्या निकेतन व संस्कार विद्या के कक्षा नवम एवं दशम के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित किया गया, जो कि किड्ज़ वर्ल्ड, भखुआं मोड़ स्थित प्रांगण में संपन्न हुआ। इस विशेष आयोजन का उद्घाटन मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ विधिवत रूप से किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल्स के सीएमडी सुरेश कुमार गुप्ता, सीईओ आनंद प्रकाश, डिप्टी सीईओ इंजीनियर विद्यासागर, संस्कार विद्या के उप प्राचार्य संतोष पांडे, विद्या निकेतन के प्रशासक संदीप कुमार और किड्ज़ वर्ल्ड, संस्कारपुरम के प्रिंसिपल मोहम्मद मुजाहिर आलम सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में छात्रों को 'समर एजुकेशनल कैंप' के उद्देश्यों और लाभों से अवगत कराया गया। बताया गया कि इस कैंप का मुख्य उद्देश्य छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं में टॉप टेन में शामिल कराने हेतु विशेष मार्गदर्शन देना है। बिहार बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में कैसे उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए जाएं, इस पर विशेष फोकस किया गया है।

कक्षा नवम के छात्र-छात्राओं के लिए 'संकल्प' नामक बैच और कक्षा दसवीं के लिए 'जेनिथ' नामक बैच बनाया गया है। यह कैंप प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से 11:00 बजे तक चलेगा, जिसमें तीन विशेष कक्षाएं होंगी। यह अध्ययन पूर्ण रूप से विद्यालय के नियमित कक्षाओं से भिन्न होगा। कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को 11वीं के पाठ्यक्रम से जोड़कर विषयवस्तु समझाई जाएगी, वहीं 10वीं के विद्यार्थियों को 12वीं कक्षा से संबंधित टॉपिक इंटर-रिलेटेड तरीके से सिखाए जाएंगे। इस कैंप के माध्यम से बच्चों को न केवल अकादमिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रतिस्पर्धात्मक युग में अपने आप को स्थापित करने की प्रेरणा और तैयारी इस कैंप का मूल उद्देश्य है। छात्र-छात्राएं इस आयोजन से अत्यंत खुश हैं और उनमें इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम में बोलते हुए सीएमडी सुरेश कुमार गुप्ता ने कहा कि हमारा जीवन बच्चों की शिक्षा को समर्पित है और हम चाहते हैं कि हमारे छात्र-छात्राएं जीवन में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करें। सीईओ आनंद प्रकाश ने कहा कि आज के दौर में प्रतियोगिता बहुत तेज है और हम बच्चों को विशेष टॉपिक पर केंद्रित शिक्षा देकर उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

जनता दरबार आयोजित : एसपी ने सुनीं लोगों की समस्याएं, समाधान का दिया निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में बुधवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे। दरबार में पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद ने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और समाधान का भरोसा दिलाया। जनता दरबार में उपस्थित फरियादियों ने भूमि विवाद, घरेलू हिंसा, थाना स्तर पर की जा रही लापरवाही, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों और पारिवारिक कलह जैसी समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। महोदय ने सभी शिकायतकर्ताओं की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के पश्चात संबंधित थाना एवं विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए। जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों को सीधे पुलिस प्रशासन से जोड़ना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि किसी भी फरियादी के साथ अन्याय नहीं होगा। प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई तय है। पुलिस अधीक्षक द्वारा आयोजित यह जनता दरबार आम लोगों के लिए एक मजबूत मंच बनकर उभर रहा है, जिससे जनता का पुलिस प्रशासन पर विश्वास और सहयोग बढ़ रहा है। दरबार में भाग लेने आए लोगों ने पुलिस अधीक्षक के कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से आम जनता को राहत मिलती है और व्यवस्था में पारदर्शिता आती है। जनता दरबार के दौरान पुलिस कर्मियों की सक्रियता और सहयोगात्मक व्यवहार ने भी एक सकारात्मक संदेश दिया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि पुलिस केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि समाज की सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है।

15 वर्षों बाद गुमशुदा व्यक्ति की घर वापसी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने निभाई अहम भूमिका

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

एक मार्मिक पल तब सामने आया जब जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के प्रयास से 15 वर्षों से लापता व्यक्ति रामजन्म मौर्या को उनके परिवार के हवाले सौंपा गया। यह घटना न केवल इंसानियत और सेवा भावना का परिचायक बनी, बल्कि यह भी साबित किया कि अगर इच्छाशक्ति और व्यवस्था की गंभीरता हो, तो खोए हुए रिश्ते भी वापस मिल सकते हैं।

रामजन्म मौर्या, पुत्र स्व. जयराम मौर्या, निवासी ग्राम बड़ेरिया, पोस्ट बेनीपुर, थाना भीती, जिला अंबेडकर नगर, उत्तर प्रदेश, आज से करीब पंद्रह वर्ष पूर्व घर से लापता हो गए थे। उनके परिजन वर्षों तक उन्हें ढूंढ़ते रहे, पर कोई सुराग नहीं मिला। परिवार ने उम्मीदें खो दी थीं, लेकिन किस्मत ने उन्हें एक और मौका दिया।

यह चमत्कार तब हुआ जब जिला विधिक सेवा प्राधिकार के दो पारा विधिक स्वयंसेवक (अधिकार मित्र) — नरेंद्र कुमार और राजेंद्र यादव ने औरंगाबाद में सिंह कोठी के पास एक नाले के किनारे झाड़ियों के पास एक अधेड़ व्यक्ति को कई दिनों से घूमते देखा। मानवीय संवेदना से प्रेरित होकर दोनों ने उनसे बातचीत की और उनका नाम, पता व परिवार की जानकारी ली। जब उन्होंने अपना नाम रामजन्म मौर्या बताया तो अधिकार मित्रों ने त्वरित रूप से इसकी सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय को दी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल के निर्देश पर थाना भीती, जिला अंबेडकर नगर से संपर्क स्थापित कर उनके घरवालों से सत्यापन कराया गया। जैसे ही सूचना पक्की हुई, रामजन्म मौर्या के बड़े भाई विजयलाल मौर्या को संपर्क किया गया। भाई ने भावुक स्वर में बताया कि रामजन्म करीब 15 वर्ष पहले लापता हुए थे और हर प्रयास के बावजूद उनका कोई अता-पता नहीं मिला। लेकिन आज अपने भाई को सकुशल देखकर वे गदगद हैं और जिला विधिक सेवा प्राधिकार के इस प्रयास के लिए आभार व्यक्त करते हैं। परिजनों के आगमन के साथ ही विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय में एक भावनात्मक क्षण तब आया जब रामजन्म मौर्या को उनके परिजनों को लिखित रूप से सौंपा गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार अध्यक्ष राजकुमार ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में विश्वास और सेवा की भावना को बढ़ाते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

डीएवी में समर कैंप और ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का हुआ भव्य समापन

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

दाउदनगर में बुधवार को समर कैंप और ग्रीष्मकालीन विशेष कक्षाओं का समापन शांति पाठ के साथ किया गया। गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मक और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा दसवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्ले ग्रुप से कक्षा दूसरी तक के छोटे बच्चों के लिए समर कैंप के दौरान कई मनोरंजक और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें योग अभ्यास, कार्टून चलचित्र प्रदर्शन, प्ले एक्टिविटी, आर्ट एंड क्राफ्ट, हैंड प्रिंटिंग जैसे कार्यक्रम शामिल थे। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की कल्पनाशक्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि देखने को मिली। कक्षा तीसरी से दसवीं तक के छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन विशेष कक्षाएं चलाई गईं, जिनमें विद्यार्थियों को परीक्षा प्रश्नपत्रों के नवीनतम प्रारूप का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही नैतिक मूल्यों पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और समूह चर्चा जैसी शैक्षणिक व नैतिक गतिविधियां भी हुईं। इससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ-साथ उनके आचरण में भी सकारात्मक प्रभाव देखा गया। समापन समारोह में बच्चों द्वारा प्रस्तुत जुम्बा नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

गांधी नगर में अमावस्या पर सत्संग व पौधारोपण, स्वरांजलि सेवा संस्थान ने दिया पर्यावरण व मानवता का संदेश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

थाना क्षेत्र के गांधीनगर स्थित ब्रह्मस्थान परिसर मंगलवार की देर शाम आध्यात्मिक और पर्यावरणीय जागरूकता का अद्भुत संगम बना। स्वरांजलि सेवा संस्थान द्वारा ज्येष्ठ महीने की अमावस्या तिथि के पावन अवसर पर एक विशेष सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय श्रद्धालु और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा पाठ के साथ हुआ, जिससे पूरे परिसर में आध्यात्मिक वातावरण व्याप्त हो गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सत्संगियों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण का संकल्प लिया और पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में छोटू पासवान, डब्लू सिंह, बिरजा यादव और राकेश कुमार ने मिलकर बट, पीपल और नीम जैसे छायादार और औषधीय पौधों का रोपण किया। स्वरांजलि सेवा संस्थान के संस्थापक डी. आनंद ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही ईश्वर की सच्ची भक्ति है। उन्होंने बताया कि त्रेता युग में आज ही के दिन प्रभु श्रीराम और हनुमान जी की पहली भेंट हुई थी, इसलिए ज्येष्ठ महीने के मंगलवार का विशेष धार्मिक महत्व है। भजनों के माध्यम से मानवता और शाकाहार का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में स्काई मिशन स्कूल के बच्चों ने "छोटी-छोटी गैया, छोटे-छोटे ग्वाल" जैसे भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी, जिससे उपस्थित भक्त भावविभोर हो गए। पूजन व महाप्रसाद की व्यवस्था में राकेश कुमार, डब्लू सिंह, किरण कुमारी, बिरजा यादव, छोटू पासवान, प्रमोद पासवान और संतोष पांडे की अहम भूमिका रही।

इस धार्मिक अवसर पर भक्त राकेश कुमार के सौजन्य से श्रद्धालुओं के बीच धार्मिक पुस्तकों का वितरण भी किया गया।

25 लीटर देसी महुआ शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

निज संवाददाता | ओबरा(औरंगाबाद)

ओबरा प्रखंड में खुदवां थाना पुलिस ने बुधवार की सुबह थाना क्षेत्र के कलेन गांव निवासी चंदन कुमार को 25 लीटर देसी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सुशील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली शराब धंधेबाज हसपुरा थाना क्षेत्र के चनहट की ओर शराब बिक्री करने जा रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने कलेन पुनपुन पुल के पास से गिरफ्तार कर थाना लाया। जिसमें पीएसआई अंजलि सिन्हा के बयान पर कांड संख्या 45/25 दर्ज कर धंधेबाज को उत्पाद न्यायालय भेज दिया है।